ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

माइक्रो फाइनांस उत्पीड़न पर नियंत्रण के लिए करेंगे कार्रवाई : परमेशर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 23 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-22

‘आप-दा’ वाले दिल्ली में हार से डरे हुए हैं : मोदी

रोज निराधार वायदे कर रहे हैं

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) पर लोकपाल के गठन जैसे वायदों से पीछे हटने का आरोप लगाते हुये कहा कि यह पार्टी हार से इतनी डरी हुयी है कि इन्हें रोज नयी हवाई घोषणायें करनी पड़ रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आप की सरकार ने आयुष्मान जैसी केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं से दिल्ली के लोगों को वंचित रखने का पाप किया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिये जोरदार प्रचार अभियान के बीच श्री मोदी ने नमो ऐप के माध्यम से आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को हर बूथ पर जी-जान से मेहनत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग सरकार बदलने का मन बना चुके हैं और कार्यकर्ताओं का प्रयास होना चाहिये कि इस बार पार्टी को हर बूथ पर 50 प्रतिशत मत मिले।

उन्होंने आप को आप-दा की संज्ञा देते हुए कहा, दिल्ली वाले आप-दा वालों के झूठ और फरेब से अब ऊब चुके हैं। पहले कांग्रेस ने और फिर आप वालों की आप-दा ने दिल्ली के लोगों से बहुत विश्वासघात किया है। ये आप-दा वाले अब हर दिन एक नयी घोषणा कर रहे हैं। इसका मतलब है कि इनको रोज इनको (चुनाव में अपनी आसन्न) पराजय की नयी-नयी खबरें मिल रही हैं। ये इतने डरे हुये हैं कि इन्हें रोज सुबह एक नयी घोषणा करनी पड़ रही है, लेकिन अब दिल्ली की जनता इनका खेल समझ गयी है। उन्होंने कहा, हमने दिल्ली में मुफ्त स्वास्थ्य सेवा के लिये आयुष्मान भारत योजना को लागू करने के लिये ‘आप-दा’ के लोगों से ▶10पर

कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आने से 11 की मौत

पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैलने के बाद मची अफरातफरी

जलगांव, 22 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जलगांव में बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। पचोरा के पारधाड़े स्टेशन के पास पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैलने के बाद अफरातफरी मच गई। यात्रियों ने चेन पुलिंग की और ट्रेन से कूदना शुरू कर दिया। इसके बाद यात्री दूसरे ट्रैक पर आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। हादसे में 11 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि कई यात्री घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश

महाजन का कहना है कि जलगांव जिले के कलेक्टर के मुताबिक हादसे में 10 से 12 यात्रियों की मौत हुई है। वहीं रेलवे के डिवीजनल कमिश्नर प्रवीण गेदम ने बताया कि हादसे में 11 यात्रियों की मौत हो गई। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

मध्य रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस के एक कोच में आग लगने की अफवाह के बाद पचोरा के पारधाड़े स्टेशन के पास चेन पुलिंग की गई। ट्रेन रुकने से पहले अफरातफरी में यात्रियों ने उतरना शुरू कर दिया। मध्य रेलवे के मुख्य प्रवक्ता स्वप्निल नीला ने कहा कि पुष्पक एक्सप्रेस के कुछ यात्री नीचे उतर गए और सामने से आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। मंडल रेल प्रबंधक भुसावल घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। रेलवे की मेडिकल टीम, रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर और स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक पुष्पक एक्सप्रेस के एक कोच के अंदर हॉट एक्सल ▶10पर

फोटो लें, लोकेशन के साथ शेयर करें...

पीएम मोदी ने आप को बेनकाब करने का दिया निर्देश

मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के दौरान भाजपा बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें टूटी नालियों, कूड़े के ढेर और बुनियादी सुविधाओं की कमी की तस्वीरें लेकर आप को बेनकाब करने और उन्हें स्थान के साथ साझा करने का काम सौंपा। पीएम ने कह , भाजपा बूथ कार्यकर्ता पर उन्हें (आपा लोगों को) बेनकाब करने की बड़ी जिम्मेदारी है। आपको अपने बूथ की हर गली की तस्वीरें लेनी चाहिए, जहां गंदा पानी बह रहा हो, नालियां टूटी हों, कूड़े के ढेर हों, वहां का वीडियो बनाना चाहिए और उन तस्वीरों को स्थान के साथ लोगों के साथ साझा करना चाहिए। हमें याद रखना होगा कि सबसे बड़ा लक्ष्य भाजपा की सरकार बनाना है ।

‘बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ’ अभियान ने लैंगिक भेदभाव को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। ‘बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ’ अभियान के बुधवार को 10 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यह एक परिवर्तनकारी और जन-शक्ति से संचालित पहल बन गई है। इसमें समाज के सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी रही है। उन्होंने कहा कि ‘बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ’ अभियान लैंगिक भेदभाव को दूर करने और बालिकाओं को सशक्त बनाने में सहायक रहा है। मोदी ने कहा कि इस पहल से कम बाल लिंगानुपात वाले जिलों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री ने इस अभियान को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने वाले सभी हितधारकों की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म ‘एक्स’ पर सिलसिलेवार अपनी पोस्ट में लिखा, आज हम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की 10वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। पिछले एक दशक में यह एक परिवर्तनकारी, जन-संचालित पहल बन गई है और इसमें सभी क्षेत्रों के लोगों की भागीदारी रही है। उन्होंने लिखा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान लैंगिक भेदभाव को दूर करने में सहायक रहा है और साथ ही इसने यह सुनिश्चित करने के ▶10पर

कर्नाटक में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 15 लोगों की मौत, कई घायल

बेंगलूरु, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्नाटक के अलग-अलग इलाकों में बुधवार सुबह दो सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 19 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि फल विक्रेताओं को ले जा रहा एक ट्रक सावनूर-हुब्बल्ली रोड के एक जंगली हिस्से में 50 मीटर गहरी घाटी में गिर गया, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 8 अन्य घायल हो गए। पीड़ित येल्लापुरा नामक स्थान पर आयोजित एक स्थानीय मेले में फल ले जा रहे थे। उत्तर कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक एम नारायण ने बताया कि सुबह करीब 5:30 बजे पीछे से आगे निकलने की कोशिश कर रहे एक वाहन को आगे निकलने देने के लिए ट्रक के चालक ने ट्रक को एकदम बाईं ओर मोड़

दिया। अधिकारी ने कहा चूंकि इस हिस्से में सड़क के किनारे अवरोधक दीवारें नहीं हैं, इसलिए ट्रक करीब 50 मीटर गहरी घाटी में गिर गया, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। घायलों को हुब्बल्ली के केआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक अन्य दुर्घटना में, रायचूर जिले के सिंधनूर में अरागिनमारा कैंप के पास एक वाहन के पलट जाने से तीन छात्रों सहित कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गए। मंत्रालय संस्कृत पाठशाला के ये छात्र नरहरि मंदिर में पूजा करने के लिए हम्पी की तीर्थ यात्रा पर थे। मृतक छात्रों की पहचान आर्यवंदन (18), सुचेंद्र (22) और अभिलाष (20) के रूप में हुई है। इस दुर्घटना में चालक शिवा (24) की भी मौत हो गई। घायल हुए 10 लोगों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिंधनूर ट्रैफिक पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज सुबह उत्तर कन्नड़ के येल्लापुर में सड़क दुर्घटना में मारे ▶10पर

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करेगा केंद्र : राजनाथ

अलाप्पुझा, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत में शिक्षा की बुनियादी गुणवत्ता में सुधार के लिए केंद्र ने देश भर में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने का निर्णय लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को केरल के अलाप्पुझा में विद्याधिराज विद्यापीठम सैनिक स्कूल के वार्षिक दिवस समारोह के दौरान इस पहल की घोषणा की। अलाप्पुझा में विद्याधिराज सैनिक स्कूल के 47वें वार्षिक दिवस समारोह का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने सैनिक स्कूलों में लड़कियों के प्रवेश का मार्ग भी प्रशस्त कर दिया है।

राजनाथ ने कहा कि केंद्र ने देश के विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और दूरदराज के क्षेत्रों के कर्मियों को शामिल करने के लिए भारत के हर क्षेत्र और जिले में सैनिक स्कूलों की पहुंच का विस्तार करने का निर्णय लिया है। रक्षा मंत्री, जो कुछ कार्यक्रमों के लिए केरल में हैं, ने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे देश स्वास्थ्य, संचार, उद्योग, परिवहन और रक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के साथ ▶10पर

जूट का न्यनतम समर्थन मूल्य 5650 रूपए प्रति क्विंटल : मंत्रिमंडल

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए जूट का न्यूनतम समर्थन मूल्य 315 रूपये बढाकर 5650 रूपये प्रति क्विंटल करने का निर्णय लिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आश्य के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।

केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढोतरी से उत्पादन पर 66.8 प्रतिशत का मुनाफा सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014-15 में जूट का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2400 रूपये प्रति क्विंटल था जो अब 5650 रूपये पहुंच चुका है जो क 2.35 गुना की बढोतरी है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से पश्चिम बंगाल, असम और बिहार जैसे राज्यों को विशेष रूप से फायदा होगा।

सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2014-15 से 2024-25 की अवधि के दौरान जूट उत्पादक किसानों को दी गई एमएसपी राशि 1300 करोड़ रुपये है जबकि वर्ष 2004-05 से 2013-14 की अवधि के दौरान दी गई राशि 441 करोड़ रुपये थी।

देश में 40 लाख किसान परिवारों की आजीविका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जूट उद्योग पर निर्भर करती है। लगभग 4 लाख श्रमिकों को जूट मिलों और जूट के व्यापार में प्रत्यक्ष रोजगार मिलता है। पिछले वर्ष 1 लाख 70 हजार किसानों से जूट खरीदा गया था। देश में 82 प्रतिशत जूट किसान पश्चिम बंगाल के हैं, जबकि शेष असम और बिहार में हैं और जूट उत्पादन में इनकी 9-9 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

भारतीय जूट निगम मूल्य समर्थन संचालन करने के लिए केंद्र सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है और ऐसे संचालन में होने वाले नुकसान, यदि कोई हो, की पूरी भरपाई केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी।

एलओसी पर पड़ोसी की नापाक हरकत

ड्रोन से घुसपैठ की कोशिश, जवानों ने गोलीबारी कर की नाकाम

पुंछ , 22 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय सीमा में घुसे एक पाकिस्तानी ड्रोन को गिराने के लिए सेना के जवानों ने गोलीबारी की। गोलीबारी के बाद ड्रोन पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में वापिस लौट गया।

अधिकारियों ने बताया कि जवानों ने देर रात जिले के मेंढर सेक्टर में सीमा बाड़ के पास ड्रोन की हरकत देखी और करीब एक दर्जन राउंड फायरिंग की। उन्होंने बताया कि इलाके में कुछ देर मंडराने के बाद ड्रोन पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में लौट गया। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह होते ही तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ड्रोन से कोई हथियार या नशीले पदार्थ न गिराए गए हों। तलाशी अभियान अभी जारी है।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 82,650/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,810/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^0

न्यूनतम : 17^0

सभी धर्मों की धार्मिक संपत्तियों के बंदोबस्त के लिए एक ही कानून बनाएं : विहिप

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने बुधवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर विचार के लिए बनाई गई संयुक्त संसदीय समिति को सुझाव दिया है कि सिर्फ मुसलमानों के लिए नहीं, देश में सभी धर्मों की संपत्तियों के लिए एक ही कानून बनाया जाना चाहिए। विहिप अध्यक्ष आलोक कुमार के माध्यम से भेजे गए पत्र में सुझाव दिया गया है कि विभिन्न धार्मिक समुदायों की संपत्तियों के नियंत्रण और प्रबंधन के लिए अलग-अलग कानूनों के बजाय, देश में सभी धार्मिक संपत्तियों की बंदोबस्ती के लिए एक ही कानून होना चाहिए। जेपीसी को लिखे पत्र में विहिप ने सुझाव दिया है कि वक्फ को

पवित्र, धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त किसी भी उद्देश्य के लिए किसी भी चल या अचल संपत्ति के स्थायी समर्पण के रूप में परिभाषित किया गया है। यह समर्पण अल्लाह, सर्वशक्तिमान को किया जाता है। एक बार जब कोई संपत्ति इस तरह समर्पित हो जाती है, तो वह सर्वशक्तिमान की संपत्ति बन जाती है और उसमें निहित हो जाती है। पत्र में आगे लिखा है कि: इसी तरह हिंदू अपने मंदिरों के रख-रखाव और धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए देवताओं को चल या अचल संपत्ति समर्पित करते हैं। ईसाई, बौद्ध, जैन और सिख सहित दूसरे धर्मों के अनुयायी भी अपनी संपत्ति को अपने धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त उद्देश्यों के लिए समर्पित करते हैं। ▶10पर

जेडीयू ने मणिपुर के प्रदेश अध्यक्ष को हटाया

एनडीए से समर्थन वापस लेने का जारी किया था पत्र

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष के बीरेन सिंह ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को लिखे पत्र में कहा कि फरवरी-मार्च 2022 में मणिपुर विधानसभा के लिए हुए चुनाव में जेडीयू के छह उम्मीदवार जीते थे। कुछ महीनों के बाद जदयू के पांच विधायक भाजपा में शामिल हो गए। पांचों विधायकों के खिलाफ भारत की दसवीं अनुसूची के तहत स्पीकर न्यायाधिकरण में मुकदमा लंबित है।

पत्र में लिखा गया कि इंडिया ब्लॉक का हिस्सा बनने के बाद जेडीयू ने भाजपा नीत सरकार से समर्थन वापस ले लिया गया। अब मणिपुर में जेडीयू के एकमात्र विधायक मोहम्मद अब्दुल नासिर को विधानसभा के अंतिम सत्र में अध्यक्ष द्वारा विपक्ष की बेंच पर बैठाया गया। समर्थन वापसी का बीरेन सिंह सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा। क्योंकि 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास 37 सीटें हैं और उसे नगा पीपुल्स फ्रंट के पांच विधायकों और तीन निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन प्राप्त है।जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि यह भ्रामक और निराधार है। पार्टी ने इसका संज्ञान लिया है और पार्टी की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष को उनके पद से मुक्त कर दिया गया है। हमने एनडीए का समर्थन किया है और मणिपुर में एनडीए सरकार को हमारा समर्थन भविष्य में भी जारी रहेगा। मणिपुर इकाई ने केंद्रीय नेतृत्व के साथ कोई संवाद नहीं किया। उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया। मणिपुर जेडीयू प्रमुख खुद ही पत्र लिखा था। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

आयुर्वेद है जीवन और गरीब के प्रति पूरा-पूरा न्याय: आचार्य

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि आयुर्वेद प्रकृति है, भारत की संस्कृति है। यह गौरवशाली चिकित्सा पद्धति सबसे सस्ती, बहु गुणकारी, सबके लिये निरापद सिद्ध विद्या है।

जब इंग्लैंड में एलोपैथी का जन्म भी नहीं हुआ था, तब अखंड भारतवर्ष में आयुर्वेद अपनी सफलता के चरम पर था। 2600 वर्ष प्राचीन सुश्रुत नामक वैद्यक ग्रंथ को सर्जरी का पितामह कहा जा सकता है।

सदियों पहले इस ग्रंथ के आधार पर आंख व किडनी स्टोन के ऑपरेशन, सिजेरियन और हाथ-पैर की टूटी हड्डियों को बदलने का कार्य बड़ी सफलता पूर्वक किया जाता था। एनेस्थेसिया की चिकित्सा पद्धति विश्व को सर्वप्रथम सुश्रुत ग्रंथ की ही देन हैं। मंगलवार दोपहर को

धर्मस्थला मंजुनाथेश्वरा कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल के प्रांगण में प्रशिक्षित डॉक्टरों, उनके प्रध्यापकों और व्यवस्थापकों के लिये आयोजित विशेष मोटिवेशनल कार्यक्रम में मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य ने आगे कहा कि एलोपैथी आज 100 वर्ष बाद भी प्रयोगों और अनुमानों पर आधारित है। प्रतिवर्ष क्लिनिकल ट्रायल पर अरबों रुपये खर्च होते हैं और हजारों-हजारों निर्दोष लोग बेमौत मरते हैं।

एलोपैथी के लिये क्लिनिकल ट्रायल में गरीब आदमी की मौत 100 रुपये से भी सस्ती है। जबकि आयुर्वेद सिद्ध विद्या है। उसके कोई साइड इफेक्ट नहीं है। गरीब और जीवन के प्रति वह पूरा पूरा न्याय करती है। वह समय अब दूर नहीं जब दुनिया पुनः आयुर्वेद की ओर लौटेगी। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने उपस्थित सैकड़ों प्रशिक्षित डॉक्टरों को आह्वान किया कि अपनी संवेदना को मरने न दें। मात्र अर्थोपार्जन को जीवन का ध्येय न समझें। मानवता की अलख जगाएं और गहराई से यह मानकर चलें कि हम असामान्य उपलब्धियों के लिये दुनिया में आये हैं। डॉक्टरों ने बड़ी तल्लीनता से संत को सुना और बातों को सराहा। गणि पद्मविमलसागर आदि संतजनों के साथ जैन समाज के अनेक गणमान्य सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे। डॉ. अश्विनीकुमार व नरेंद्र धोका ने स्वागत किया। इससे पूर्व कॉलेज कैंपस में पहुंचने पर अनेक कन्या डॉक्टरों ने मंगल कलश लेकर संतजनों का स्वागत किया। डॉ. मुरलीधर पुजारा, डॉ. प्रकाश हेगड़े, डॉ. अश्विनीकुमार, डॉ. शरद, डॉ. श्रीनाथ वैद्य, लोहितक्षा और शंकर के निर्देशन में श्रमण समुदाय ने पुस्तकालय, संग्रहालय, प्रयोगशाला तथा चिकित्सा पद्धति की विविध विधाओं और प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथों का निरीक्षण किया।

सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत पर सीएम ने जताया दुख

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उत्तर कन्नड़ जिले के यल्लापुर और रायचूर जिले के सिंधनूर में दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में 14 लोगों की मौत पर सीएम सिद्धरामैया ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर इस पर टिप्पणी करते हुए मृतक की आत्मा की शांति की कामना की। इन दुर्घटनाओं में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं। दो अलग-अलग हादसों में मरने वालों के परिजनों

को राज्य सरकार की ओर से 3-3 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि हादसे में घायल लोगों के मुफ्त इलाज की व्यवस्था की जाएगी। जल्दबाजी, तेज गति और लापरवाही दुर्घटनाओं का कारण हैं। कृपया सावधानी से गाड़ी चलाएं और सुरक्षित रहें।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** बीएमटीसी बस डिपो चंद्रा लेआउट में बस रूट, यातायात नियम एवं अन्य उपयोगी जानकारी युक्त नव वर्ष पैकेट कैलेंडर 2025 का विमोचन कर बस चालको, कंडक्टरों एवं अन्य कर्मियों को वितरित किया गया। इस मौके पर समाजसेवी महेंद्र मुणोत मौजूद रहे।*

गुंडूराव स्विमिंग पूल छोड़ लोगों को दें स्वास्थ्य की गारंटी: जेडीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस ने मांग की है कि स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव को स्विमिंग पूल छोड़कर राज्य के लोगों को स्वास्थ्य की गारंटी देनी चाहिए। इस संबंध में जेडीएस ने एक्स पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि खराब गुणवत्ता वाली दवाओं के कारण सरकारी अस्पतालों में गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की सिलसिलेवार मौतों के बावजूद भ्रष्ट कांग्रेस सरकार ने सबक नहीं सीखा है। राज्य में 40 से अधिक नकली दवाएं पाई गई हैं और रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम पर नकली दवाओं की आपूर्ति का नेटवर्क व्यापक है। यह आरोप लगाते हुए कि यह स्पष्ट है कि कांग्रेस सरकार और जिन अधिकारियों को नकली दवाओं पर रोक लगाने की जिम्मेदारी है, वे कमीशन के पैसे के लिए कंपनियों के साथ शामिल हैं।

जेडीएस ने आलोचना की है कि 60 प्रतिशत मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की सरकार को लोगों के जीवन की कोई चिंता नहीं है।

दर्शन की जमानत अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट में कल होगी सुनवाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेणुकास्वामी हत्या मामले में जेल गए और हाई कोर्ट से सशर्त जमानत पाने वाले अभिनेता दर्शन को हाई कोर्ट द्वारा दी गई जमानत को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक अपील दायर की गई है। अर्जी पर इस महीने की 24 तारीख को सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट के वकील अनिल निशानी ने राज्य सरकार की ओर से अपील दायर कर हाई कोर्ट की एकल सदस्यीय पीठ द्वारा दी गई सशर्त जमानत को रद्द करने की मांग की है। पुलिस ने कोर्ट में दाखिल की गई चार्जशीट, पंचनामा दस्तावेज, गवाहों के बयान समेत कुल 1498 पेज दाखिल किए हैं। अपील में

अनिल निशानी ने मुख्य रूप से एफएसएल रिपोर्ट, सीडीआर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए जमानत रद्द करने का अनुरोध किया है। यह मामला एक दुर्लभ मामला है। यह एक ऐसी घटना है जिसने नागरिक समाज को झकझोर कर रख दिया है और उच्च न्यायालय की एकल सदस्यीय पीठ के न्यायमूर्ति विश्वजीत शेट्टी द्वारा दर्शन और अन्य आरोपियों को दी गयी सशर्त जमानत को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। मामले में सभी आरोपी, जिनमें पहली आरोपी पवित्र गौड़ा और दूसरे आरोपी दर्शन के साथ पवन, जगदीश, नंदीश, अनुकुमार, धनराज, विनय, लक्ष्मण, नागराज, प्रदुश शामिल हैं, मुख्य आरोपी थे। पिछले 13 दिसंबर को उन्हें जमानत मिल गयी थी। अब राज्य सरकार ने आरोपी को दी गई जमानत रद्द करने का प्रस्ताव दिया है। अभिनेता दर्शन द्वारा अपनी प्रेमिका पवित्रा गौड़ा को एक बुरा संदेश भेजने के बाद दर्शन का गिरोह चित्रदुर्ग के रेणुकास्वामी को बेंगलूरु ले आया। रिपोर्ट में बताया गया है कि दर्शन और पवित्रा गौड़ा ने उस शेड में आकर उनके साथ मारपीट की, जहां रेनुकास्वामी को रखा गया था और लगातार हमला करने के बाद रेनुकास्वामी की मौत हो गई। 11 से 21 जून तक पुलिस ने बेंगलूरु के अन्नपूर्णेश्वरी नगर पुलिस स्टेशन में दर्शन से पूछताछ की। 11 जून को गिरफ्तारी के बाद दर्शन 12 दिनों तक पुलिस हिरासत में थे। उनसे हत्याकांड के संबंध में पूछताछ की थी। कमर दर्द से जूझ रहे अभिनेता दर्शन को डॉक्टर की सलाह के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। अभिनेता दर्शन, जो बेंगलूरु में अपनी पत्नी विजयलक्षी के अपार्टमेंट में रह रहे थे, ने अदालत से मैसूरु जाने की अनुमति मांगी। अनुमति के अनुसार, अभिनेता मैसूरु के श्रीरंगपट्टनम के पास अपने फार्म हाउस पर आराम कर रहे हैं।

टिकट प्रणाली में टिकटों की दलाली और कालाबाजारी का मुद्दा

आरपीएफ ने रेलवे सेवाओं तक उचित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक रणनीति लागू की

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय रेलवे की टिकट प्रणाली में टिकटों की दलाली और कालाबाजारी का लगातार मुद्दा एक बड़ी चुनौती है, खासकर यात्रा के व्यस्त समय के दौरान। ये अवैध गतिविधियां न केवल वैध यात्रियों के लिए टिकटों तक समान पहुंच से समझौता करती हैं, बल्कि रेलवे प्रणाली में जनता के विश्वास को भी कम करती हैं। जवाब में, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इस समस्या के समाधान और रेलवे सेवाओं तक उचित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक और बहुआयामी रणनीति लागू की है। इसके तहत आरपीएफ के साइबर सेल विसंगतियों की पहचान करने के लिए बुकिंग पैटर्न की सावधानीपूर्वक जांच करते हैं और टिकट काउंटरों और साइबर कैफे

को लक्षित करके सटीक कार्रवाई करते हैं।

इन सक्रिय उपायों के परिणामस्वरूप अनधिकृत टिकटों को जब्त किया गया है और कई दलालों को पकड़ा गया है, बल्क बुकिंग और अनियमित लेन-देन सहित संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी करके और टिकट काउंटरों पर सीसीटीवी लगाकर, आरपीएफ कालाबाजारी का प्रभावी ढंग से पता लगाने और उसे रोकने की अपनी क्षमता को मजबूत करता है। आरपीएफ संदिग्ध खातों की पहचान करने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के साथ मिलकर काम करता है। इस सहयोगात्मक पहल का उद्देश्य एजेंट और व्यक्तिगत उपयोगकर्ता आईडी दोनों के दुरुपयोग को रोकना है, जिससे एक अधिक सुरक्षित और पारदर्शी टिकटिंग प्रणाली सुनिश्चित हो सके। सार्वजनिक जागरूकता के महत्व को स्वीकार करते हुए, आरपीएफ विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मों पर शैक्षिक अभियान चलाता है। ये पहल यात्रियों को अनधिकृत गतिविधियों की रिपोर्ट करने के बारे में सूचित करती हैं और आधिकारिक और अधिकृत चैनलों के माध्यम से टिकट बुक करने के महत्व पर जोर देती हैं। आरपीएफ ने टिकटिंग सिंडिकेट को प्रभावी ढंग से ट्रैक करने और नष्ट करने के लिए अपने साइबर सेल को अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर से लैस किया है। यह तकनीकी उन्नति बल को तेजी से परिष्कृत दलाली नेटवर्क का मुकाबला करने में सक्षम बनाती है। टिकट दलाली में लिप्त अपराधियों को रेलवे अधिनियम के तहत कारावास सहित गंभीर दंड का सामना करना पड़ता है। हाल ही में न्यायिक निर्णयों ने टिकट दलाली को "सामाजिक अपराध" के रूप में वर्गीकृत करके इस मुद्दे की गंभीरता को उजागर किया है। आरपीएफ के प्रयासों का प्रभाव आरपीएफ द्वारा की गई रणनीतिक पहलों ने महत्वपूर्ण परिणाम दिए हैं। कई हाई-प्रोफाइल दलाली सिंडिकेट को ध्वस्त कर दिया गया है, और हजारों अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इन प्रयासों से बड़ी मात्रा में अवैध टिकटों की बरामदगी हुई है, जिससे बड़े पैमाने पर कालाबाजारी पर अंकुश लगा है और रेलवे प्रणाली में जनता का विश्वास बहाल हुआ है।

उडुपी के पूर्व विधायक रघुपति भट की राजनीतिक क्षेत्र में वापसी पर नजर

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व विधायक रघुपति भट ने कहा कि मैं अगला विधायक चुनाव लड़ूंगा। अगले विधायक चुनाव को देखते हुए, भट ने चुनाव लड़ने का अपना दृढ़ निश्चय व्यक्त करते हुए कहा मैंने एक बार फिर विधानसभा के लिए चुनाव लड़ने का फैसला किया है। मैं भाजपा से लड़ूंगा या स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में, यह देखना बाकी है। भट ने अपने राजनीतिक भविष्य के बारे में अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि अगर पार्टी उन्हें आमंत्रित करती है तो वे भाजपा में फिर से शामिल होने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा ऐसा लगता है कि भाजपा को मेरी सेवाओं की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उन्होंने मुझे आमंत्रित नहीं किया है। कांग्रेस या किसी अन्य पार्टी में शामिल होने के बारे में मेरी कोई चर्चा नहीं हुई है। किसी भी कांग्रेस नेता ने मुझसे संपर्क नहीं किया है, न ही मैंने किसी से

संपर्क किया है। मैंने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता के लिए पंजीकरण कराया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि स्थानीय या शहर समितियां मेरी सदस्यता को मंजूरी देंगी या नहीं। रघुपति भट ने अपने पूर्व निर्वाचन क्षेत्र के वर्तमान नेतृत्व के प्रति अपनी निराशा व्यक्त की, उन पर पार्टी में उनके योगदान के बावजूद उन्हें दरकिनार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा मैं इस बात से बेहद निराश हूं कि जिस नेता को मैंने आगे बढ़ाने में मदद की, वही मेरे खिलाफ हो गया। उदाहरण के लिए, गुरमे सुरेश शेट्टी ने हमेशा अपने निर्वाचन क्षेत्र के पिछले विधायक का सम्मान किया है, लेकिन जिस निर्वाचन क्षेत्र का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं, उसके वर्तमान विधायक ने मुझे नजरअंदाज किया है। भट ने उडुपी के लोगों के साथ अपने जुड़ाव पर जोर देते हुए कहा उडुपी के लोगों ने मुझे कभी चुनाव में नहीं हराया है। मैं उडुपी विधानसभा क्षेत्र से तीन बार जीत चुका हूं। चुनाव से पहले अभी भी साढ़े तीन साल बाकी हैं, जिससे मुझे अपनी रणनीति और किस पार्टी से चुनाव लड़ना है, यह तय करने के लिए पर्याप्त समय मिल गया है।

कर्नाटक फिल्म चैंबर ने अंततः पीओएसएच पैनल का किया गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कई सप्ताह की अनिश्चितता के बाद कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी) ने आखिरकार यौन उत्पीड़न रोकथाम (पीओएसएच) अधिनियम के तहत एक आंतरिक समिति (आईसी) का गठन किया है, लेकिन प्रमुख नियमों का उल्लंघन करते हुए।

नए आईसी में अधिकांश पुरुष सदस्य हैं, जो पीओएसएच अधिनियम में निर्धारित मानदंडों के विपरीत है।

घोषित इस समिति में केएफसीसी के अध्यक्ष एम नरसिम्हुलु और सचिव (वितरक) एमएन कुमार, केएफसीसी के पूर्व पदाधिकारी एनएम सुरेश और फिल्म निर्माता सा रा गोविंदू, निर्देशक बीएल नागराज (नागन्ना), अभिनेता अनितारानी और एनजीओ अन्नपूर्णा के एक प्रतिनिधि शामिल हैं। चैंबर ने एक पत्र में कहा कि समिति का अधिकार क्षेत्र केवल उसके सदस्यों तक ही सीमित होगा। हालांकि पीओएसएच अधिनियम के अनुसार आईसी के कुल सदस्यों में से कम से कम आधे महिलाएं होनी चाहिए, लेकिन नवगठित सात सदस्यीय आईसी में कम से कम पांच पुरुष हैं। केएफसीसी की घोषणा में यह उल्लेख नहीं किया गया है कि एनजीओ अन्नपूर्णा की प्रतिनिधि कोई महिला होगी या नहीं, जिससे वर्तमान में समिति में अभिनेत्री अनितारानी ही एकमात्र पहचान योग्य महिला हैं।

पीओएसएच अधिनियम के अनुसार, आईसी में नियोक्ता द्वारा नामित सदस्य शामिल होने चाहिए। इसमें एक पीठासीन अधिकारी शामिल है, जो कार्यस्थल पर एक वरिष्ठ महिला कर्मचारी होनी चाहिए। यदि कोई वरिष्ठ महिला उपलब्ध नहीं है, तो पीठासीन अधिकारी को नियोक्ता के अन्य कार्यालयों या यहां तक कि बाहरी संगठनों से भी नामित किया जा सकता है। समिति में कम से कम दो कर्मचारी सदस्य भी शामिल होने चाहिए जो महिलाओं के हित के लिए प्रतिबद्ध हों, या जिन्हें सामाजिक कार्य या कानूनी मामलों का अनुभव हो।

इसके अतिरिक्त, कानून में यह प्रावधान है कि एक बाहरी सदस्य किसी एनजीओ या यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों से परिचित किसी एसोसिएशन से होना चाहिए। आईसी बनाने का यह कदम केएफसीसी द्वारा फिल्म निर्माता कविता लंकेश की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय समिति बनाने के पहले के प्रयास को रद्द करने के लिए आलोचना का सामना करने के बाद उठाया गया है। कन्नड़ फिल्म उद्योग में यौन उत्पीड़न को संबोधित करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस पहल को कुछ ही घंटों में बंद कर दिया गया, चैंबर ने देरी का कारण इसके चुनावों को बताया। सैंडलवुड में आईसी के लिए जोर- जैसा कि कन्नड़ फिल्म उद्योग को लोकप्रिय रूप से कहा जाता है- मलयालम फिल्म उद्योग पर हेमा समिति की रिपोर्ट के खुलासे के बाद, जिसने व्यापक यौन उत्पीड़न और खराब कामकाजी परिस्थितियों को उजागर किया था, के बाद दिया गया। निष्कर्षों ने कन्नड़ सिनेमा सहित अन्य क्षेत्रीय फिल्म उद्योगों में भी इसी तरह की निगरानी की मांग को जन्म दिया।

माइक्रो फाइनांस उत्पीड़न पर नियंत्रण के लिए करेंगे कार्रवाई : परमेश्वर

श्री मठ का किया दौरा

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृह एवं जिला प्रभारी मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि कुछ माइक्रो फाइनेंस वाले नियमों का उल्लंघन कर गलत काम कर रहे हैं। हम पहले ही कई कदम उठा चुके हैं। भारत में माइक्रो फाइनेंस के उत्पीड़न पर पूर्ण नियंत्रण के लिए कार्रवाई की जायेगी। सिद्धगंगा मठ का दौरा करने और श्री शिवकुमार स्वामीजी के गाडुगे की विशेष पूजा करने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात की और कहा कि हमने माइक्रो फाइनेंस के लोगों द्वारा जनता को परेशान करने के मामले को गंभीरता से लिया है और अगर कोई पीड़ित शिकायत करता है तो हम कार्रवाई करेंगे। हम पहले ही कुछ माइक्रो फाइनेंस लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर चुके हैं। हम इसे रोकने के लिए सभी उपाय करेंगे। उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस वाले वित्तीय संस्थानों के बारे में एक सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। किन्हीं कारणों से मैं श्री शिवकुमार स्वामीजी के स्मरणोत्सव कार्यक्रम में भाग नहीं ले सका। इसलिए हमने श्री मठ का दौरा किया और गाडुगे की पूजा की। श्री शिवकुमार स्वामीजी की उपलब्धियों को पूरी दुनिया जानती है। श्री शिवकुमार स्वामीजी के गृहनगर वीरपुर में प्रतिमा निर्माण की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से बात कर बजट में राशि आवंटित करायी जायेगी। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बलिदान को लेकर दिए गए भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने बलिदान की भावना के बारे में जो कहा, वह उन्हें समझ नहीं आया। मुझे नहीं पता उसका क्या मतलब था। आजादी की लड़ाई में कांग्रेसियों ने बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि वह राजनीतिक मुद्दों पर बात नहीं कर रहे हैं लेकिन यह कहा जा सकता है कि आज के आधुनिक समाज में ऐसे त्याग और बलिदान कम हैं। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अध्यक्षता में 1924 के बेलगाम कांग्रेस अधिवेशन के शताब्दी समारोह के तहत सुवर्ण विधान सौधा के सामने महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया गया।

एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चरखे पर बुनकर 25 फुट ऊंची बापूजी की प्रतिमा का अनावरण किया। बाद में बोलते हुए खड़गे ने कहा गांधी की प्रतिमा, जो यह उद्घोष करती है कि मेरा जीवन ही मेरा संदेश है, पूरे देश के लिए श्रद्धांजलि है। पूरा विश्व गांधी जी का सम्मान करता है। बेलगावी ऐसा स्थान है जो पूरे देश को सम्मान दिलाता है। क्योंकि गांधी जी ने कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता बेल-गावी में ही की थी। मैं धन्य हूं कि मेरे हाथों से महापुरुष की ऐसी प्रतिमा का उद्घाटन हुआ। खड़गे ने कहा कई नेता महात्मा गांधी और उनके सिद्धांतों के योगदान को याद कर रहे हैं, क्योंकि आज समाज का नेतृत्व करने के लिए उनकी बहुत जरूरत है। गांधीजी के आदर्शों ने न केवल अतीत में स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया, बल्कि वे आज भी हमारा मार्गदर्शन करते हैं। वे न केवल अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई के नेता थे, बल्कि उन्होंने एक सामाजिक और सांस्कृतिक क्रांति का भी नेतृत्व किया। उनके आदर्श हमें प्रेरित करते रहते हैं। मैं आज प्रतिमा का अनावरण करके बहुत खुश और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। बेलगावी देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 1924 का बेलगाम अधिवेशन ही एकमात्र ऐसा अवसर था जब गांधीजी ने अधिवेशन के अध्यक्ष बनना स्वीकार किया था। इसी अधिवेशन में उन्होंने अस्पृश्यता उन्मूलन, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, खादी और राष्ट्र निर्माण जैसे कार्यक्रम शुरू किए थे। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए कर्नाटक सरकार को बधाई दी। उन्होंने कहा गांधी भारत कार्यक्रम का आयोजन और सुवर्ण सौधा के सामने गांधी प्रतिमा स्थापित करना न केवल बेलगावी या कर्नाटक के लिए बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है।

डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं टाल सकता: विश्वनाथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा विधान परिषद सदस्य एच. विश्वनाथ ने यह कहकर उत्सुकता बढ़ा दी है कि राज्य में डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं टाल सकता। उन्होंने केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के सदाशिवनगर आवास का दौरा किया और बाद में पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि कहा जा रहा है कि सिद्धरामैया 5 साल के लिए मुख्यमंत्री हैं। ये सब बचकाना, बकवास (मूर्खता) है। राज्य में कांग्रेस को 136 सीटें जिताने में डी.के.शिवकुमार का बड़ा योगदान है। उनकी कीमत बहुत ज्यादा है। चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री पद को लेकर चर्चा चल रही थी। इसलिए भविष्य में डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं टाल सकता। सिद्धरामैया ने कांग्रेस पार्टी नहीं बनाई। उनके साथ जो हो गया सो हो गया। कांग्रेस पार्टी की गरिमा और प्रतिष्ठा बनाने के बाद उनका क्या होना चाहिए। यही कारण है कि वे यह खबर फैला रहे हैं कि केपी-सीसी अध्यक्ष में बदलाव हो रहा है। यह तो तय है कि इसके पीछे सिद्धरामैया का हाथ है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ मंत्रियों का दिखावा था। उन्होंने आगे कहा कि मुडा मामले में सिद्धरामैया ने अपनी गरिमा खो दी है। मैसूरु लोगों को घर बनाने के लिए जगह नहीं देता। उन्होंने कहा इसके बजाय मुख्यमंत्री और मंत्री अपने लिए पोस्ट लिख रहे हैं। सिद्धरामैया के शासनकाल के दौरान, मैसूरु विजयनगर साम्राज्य बन गया। 50,80 फीट का प्लॉट 1200 रुपये में बेचा गया। विजयनगर साम्राज्य के दौरान सोना और चाँदी बेचा जाता था। लेकिन अब प्लॉट बिक रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मुडा में 50:50 अनुपात के भूखंडों को जब्त करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, विश्वनाथ ने एक सवाल के जवाब में कहा कि यदि सिद्धारमैया का भूखंड पाया जाता, तो उस पर राजनीति से प्रेरित होने का आरोप लगाया जाता।

बच्चों को बेचने वाले रैकेट का भंडाफोड़ सौतेले पिता समेत चार गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक पुलिस ने बुधवार को सीमावर्ती जिले बेलगावी में बच्चों को बेचने वाले रैकेट का भंडाफोड़ करने का दावा किया है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियां बेलगावी जिले के हुक्केरी कस्बे के पास सुल्तानपुर से सात वर्षीय बच्चे को बेचने के मामले में की गई हैं।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बच्चे के सौतेले पिता सदाशिव शिवबसप्पा मगदुम, सुल्तानपुरा निवासी लक्ष्मीबाबू गोलभवी, महाराष्ट्र के कोल्हापुर के नगला पार्क निवासी संगीता विष्णु सावंत और कर्नाटक के कारवार जिले के हलियाला तालुक के केसरोली निवासी अनसूया गिरिमल्लप्पा दोदमनी के रूप में हुई है। इस घटना ने चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि पिछले तीन महीनों में जिले में यह तीसरा मामला है। आरोपी सौतेले पिता ने अन्य संदिग्धों की सहायता से लड़के को बेलगावी के तहसी-लदार दिलशाद सिकंदर को 4 लाख रुपये में बेच दिया। पुलिस ने बताया कि दिलशाद की दो बेटियाँ थीं और वह एक बेटा चाहता था। यह घटना तब प्रकाश में आई जब लड़के की माँ ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद, पुलिस ने लड़के को बेलगावी जिले के बैलहोंगल शहर के पास एक गाँव में ट्रैक किया।

आरोपी संगीता ने दावा किया कि उसने सदाशिव शिवबसप्पा को लड़के की माँ से शादी करने में मदद की और उसे बच्चे को बेचने के लिए राजी किया। बच्चे को आरोपी अनसूया को सौंप दिया गया, जिसने बदले में लड़के को दिलशाद को बेच दिया, यह झूठा दावा करते हुए कि बच्चा अनाथ है। इससे पहले, जून 2024 में, पुलिस ने कर्नाटक के तुमकुरु जिले में एक बाल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया था, जिसमें 11 महीने से 2.5 साल की उम्र के छह बच्चों को बचाया गया था। एक निजी अस्पताल के मालिक और तीन नर्सों सहित चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिन्होंने कथित तौर पर निःसंतान दंपतियों को बच्चे बेचे थे। आरोपियों की पहचान कुनिगल के सरकारी अस्पताल में नर्स महेश, एक निजी अस्पताल के मालिक महबूब शरीफ और प्रसव में शामिल दो महिला नर्स सौजन्या और पूर्णिमा के रूप में हुई है। महेश और महबूब शरीफ ने कथित तौर पर उन माता-पिता से बच्चे खरीदे जो बच्चे नहीं चाहते थे और उन्हें अवैध गोद लेने की प्रक्रियाओं के माध्यम से 2 से 3 लाख रुपये में अन्य जोड़ों को बेच दिया। आरोपी बच्चे चाहने वाले जोड़ों से गर्भवती होने का नाटक करने और तुमकुरु में महबूब के निजी अस्पताल में भर्ती होने के लिए कहते थे। फिर उन्हें फर्जी प्रसव के बाद छुट्टी दे दी जाती थी, दूसरों से खरीदे गए बच्चों के साथ फर्जी जन्म प्रमाण पत्र भी दिया जाता था, जिससे लगता था कि बच्चा उनका अपना है।

कोर कमेटी की बैठक में दो प्रभावशाली नेताओं के बीच नोकझोंक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में एक ऐसी घटना घटी जिसमें दो प्रभावशाली नेताओं की राज्य भाजपा इकाई के भीतर मतभेदों को शांत करने आए प्रभारी राधामोहन दास के सामने बहस हो गई।

पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास, सह प्रभारी सुधाकर, कोर कमेटी के सदस्य, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर.अशोक, पूर्व केंद्रीय मंत्री डी.वी.सदानंद गौड़ा, सांसद बसवराज बोम्मई और अन्य ने भाग लिया। बैठक के बीच में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र और मल्लेश्वरम विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ.सी.एन.अश्वथ नारायण के बीच नोकझोंक हो गई और बात बढ़ गई। एक बिंदु पर, दोनों नेत-ाओं ने, जिन्होंने एक विलक्षण शब्द प्रयोग का उपयोग किया। जब वे बैठक से बाहर निकलने वाले थे तो आर. अशोक ने हस्तक्षेप किया। आखिरकार राधामोहन दास ने विजयेंद्र और अश्वथ नारायण को चुप रहने की सलाह दी। हुआ यह कि कोर कमेटी की बैठक में अश्वथ नारायण ने इस बात पर जोर दिया कि बीबीएमपी के पूर्व डिप्टी मेयर हरीश, जो बेंगलूरु उत्तर के वर्तमान जिला अध्यक्ष हैं, के स्थान पर एक नए व्यक्ति को नियुक्त किया जाना चाहिए। शुरू से ही हरीश की पहचान विजयेंद्र गुट से थी। इसलिए प्रदेश अध्यक्ष का आग्रह था कि वे बिना कोई बदलाव किए उसी पद पर बने रहें। नारायण ने कहा हरीश के जिला अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी संगठन उस स्तर तक नहीं बढ़ पाया है, जिसका दावा किया जा सके। साथ ही, अश्वथ नारायण ने आरोप लगाया कि बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र एक बड़ा निर्वाचन क्षेत्र है और निचले स्तर के नेत-ाओं को विश्वास में लेने और उनका नेतृत्व करने में विफल रहे। बेंगलूरु उत्तर जिला भाजपा का गढ़ है और हमें 2028 के विधानसभा चुनावों में सभी 8 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करनी है। इसलिए, अश्वथ नारायण ने हरीश को बदलने का अनुरोध किया। लेकिन विजयेंद्र ने कहा कि उत्तरी जिले में संगठन मजबूत है। हरीश ने न केवल वरिष्ठों बल्कि कनिष्ठों को भी विश्वास में लेकर पार्टी का आयोजन किया। उन्होंने कहा इसके परिणामस्वरूप हम लोकसभा चुनाव में अपनी उम्मीदों से बढ़कर जीत हासिल करने में सफल रहे। नेताओं ने अपने समर्थकों को जिला अध्यक्ष का पद देने पर जोर दिया और कुछ नेताओं ने राधा मोहन दास के सामने अपनी नाराजगी व्यक्त की, जिन्हें विजयेंद्र ने ही अध्यक्ष चुना था। कोर कमेटी की बैठक के बाद बोलते हुए परिषद सदस्य सीटी रवि ने कहा कि जिला अध्यक्ष का चयन सामाजिक न्याय के आधार पर किया जाएगा, यह निर्णय कोर कमेटी में लिया गया है। हमने हर जिले से तीन-तीन अभ्यर्थियों के नाम केंद्र को भेज दिए हैं। फिलहाल प्रदेश अध्यक्ष के बदलाव को लेकर कोई चर्चा नहीं है। कोर कमेटी की बैठक में इस पर चर्चा नहीं होगी। पार्टी का संगठन सभी को विश्वास में लेकर किया जाता है। बताया जाता है कि भाजपा प्रभारी राधा मोहन दास की अगुवाई में हुई बैठक में कुछ विधायकों ने पार्टी की आंतरिक कलह को ठीक करने पर जोर दिया।

गर्भवती महिलाओं की मृत्यु पर नियंत्रण के लिए अभियान चलाया जाएगा: स्वास्थ्य मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा स्वास्थ्य विभाग राज्य में मौतों को नियंत्रित करने के लिए अभियान चलाएगा। बुधवार को उन्होंने शहर के मातृ एवं शिशु अस्पताल का दौरा किया और पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा वर्तमान मातृ मृत्यु दर 60 प्रति 100,000 है। इस दर को रोकने या कम करने के लिए गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच, उपचार और जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा जिला स्तर के अधिकारियों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित सभी सार्वजनिक अस्पतालों में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, विशेषज्ञ और नर्सों के रिक्त पदों को अनुबंध के आधार पर नियुक्त करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा हमारा मिशन सरकारी अस्पतालों में आवश्यक सुविधाएं प्रदान करके लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए मंजूरी, विकास और अन्य सुविधाओं के प्रावधान के लिए 900 करोड़ रुपये जारी किए हैं। उन्होंने स्थानीय मातृ एवं शिशु अस्पताल में प्रसूति वार्ड, सर्जिकल वार्ड और अन्य सुविधाओं और रिक्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अस्पताल में भर्ती माताओं के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर लघु सिंचाई, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री एन.एस. बोसराजू, विधायक जी. हंपैया नायक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेंद्र बाबू, जिला आयुष अधिकारी डॉ. शंकर गौड़ा एस पाटिल, तालुक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरणबसवराज गौड़ा और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. डी. शरणप्पा मौजूद थे।

जिला स्तर पर अटल विरासत सम्मेलन 15 फरवरी से : डॉ. अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. अश्वथ नारायण ने कहा कि 15 फरवरी से जिला स्तर पर अटल विरासत सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रेस कॉन्फ्रेंस अजातशत्रु अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के तहत बुलाई गई है।

उन्होंने बताया कि जन्म शताब्दी वर्ष मनाने के लिए एक टीम का गठन किया गया है। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी अटल जी का जन्मदिन 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। उन्होंने कहा इस मौके पर बूथ, मंडल, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। उन्होंने बताया कि अटलजी की पुस्तकों और साहित्य का प्रदर्शन और बिक्री की जाएगी। साहित्यकारों-वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हुए अटलजी के अप्रतिम योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा। 15 फरवरी से 15 मार्च तक जिला स्तर पर अटल विरासत सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि अटलजी के बारे में कई किताबों, बुजुर्गों के प्रति सम्मान और अटलजी के संघर्ष के रास्ते पर चलकर बड़े हुए लोगों की प्रदर्शनी भी होगी। अटलजी देश के दुर्लभ नेता हैं। उन्होंने कहा कि यह युवाओं और नागरिकों को उनके योगदान और उपलब्धियों से परिचित कराने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी तरह की तैयारियां की जा रही हैं। इस संबंधित समिति में डॉ. ए.एच. शिवयोगीस्वामी राज्य प्रमुख, जगदीश हिरेमानी राज्य संयोजक, लक्ष्मी अश्विंगौड़ा, एन.वी. फणीश, बीदर आराकाश, बी.सी. सदाशिवैया, पी.एन. सदाशिव, ममता उदय, दयागन धारवाडकर, नरसिम्हामूर्ति, वेंकटेश प्रसाद, शंकर बिरादर सदस्य होंगे। राज्यप्रमुख डॉ ए.एच. शिवयो-गीस्वामी ने कहा कि इस संबंध में जिलों और मंडलों में भी टीमें गठित की गई हैं। हम अटलजी के राज्य दौरे के संबंध में भी जानकारी जुटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि फोटो और पट्टिकाएं एकत्र करने की भी योजना है। उन्होंने बताया कि 14 तारीख को एकत्रित जानकारी की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व विधान परिषद सदस्य शिवयोगी स्वामी, पूर्व राज्य सचिव जगदीश हिरेमानी और राज्य सचिव लक्ष्मी अश्विन गौड़ा आदि नेता उपस्थित थे।

बेंगलूरु सामूहिक बलात्कार मामला

भाजपा ने गृह मंत्री परमेश्वर के इस्तीफे की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने राज्य में एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना की रिपोर्टिंग के बाद गृह मंत्री जी. परमेश्वर के इस्तीफे की मांग की है। भाजपा ने राज्य में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर भी चिंता व्यक्त की है। एक चौंकाने वाले मामले में, बेंगलूरु के के.आर. मार्केट में बस का इंतजार कर रही एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और उसके गहने, नकदी और मोबाइल फोन लूट लिए गए। राज्य भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष सी. मंजुला ने राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर के तत्काल इस्तीफे की मांग की है और उन पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया है।

मंजुला ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार को महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय लागू करने चाहिए। सामूहिक बलात्कार की एक हालिया घटना का जिक्र करते हुए, उन्होंने के.आर. मार्केट में एक महिला का यौन उत्पीड़न करने वाले दो बदमाशों की निंदा की। मार्केट बस स्टैंड, सत्ता की सीट विधान सौधा के करीब स्थित है। उन्होंने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफलता, विशेष रूप से बेंगलूरु में, ऐसी घटनाओं से स्पष्ट है। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि के.आर. मार्केट जैसे स्थान पर ऐसा अपराध हुआ, जो चौबीसों घंटे लोगों से भरा रहता है।

उन्होंने कहा इससे पता चलता है कि सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा उपायों की उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय केंद्र होने के नाते, बेंगलूरु महिलाओं के खिलाफ इस तरह के अपराधों को बर्दाश्त नहीं कर सकता, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गलत संदेश भेजते हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा को पूरी तरह से गंभीरता से लेने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया मौजूदा कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री ब्रांड बेंगलूरु को बढ़ावा देने में व्यस्त हैं।

लेकिन क्या यह वह ब्रांड बेंगलूरु है जिसकी वे बात कर रहे हैं, जहां महिलाएं असुरक्षित हैं? उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने होयसला पुलिस गश्ती वाहनों के लिए ईंधन आवंटन को केवल 100 लीटर तक सीमित कर दिया है। उन्होंने स्थानीय महिला नेताओं का हवाला देते हुए कहा पुलिस कर्मियों को इस सीमित ईंधन के भीतर गश्त का प्रबंधन करने का निर्देश दिया गया है, जिससे बेंगलूरु में होयसला गश्त की आवृत्ति कम हो गई है, जिससे ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं। मंजुला ने सरकार की लापरवाही की निंदा की, जो पूरे राज्य में फैली हुई है, खासकर महिलाओं के मुद्दों के संबंध में। उन्होंने स्थानीय विधायक और वक्फ और आवास मंत्री जमीर अहमद खान पर अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें डराने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि इससे स्थिति और खराब हो गई है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि स्थानीय विधायक और मंत्री जमीर की भागीदारी से इस तरह की घटनाओं को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस अधिकारी अक्सर महिलाओं द्वारा लाई गई शिकायतों पर ध्यान नहीं देते हैं, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य भर में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन उत्पीड़न, डकैती और अपराध की कई घटनाओं के बावजूद, सरकार कार्रवाई करने में विफल रही है।

उन्होंने कहा सरकार अक्षमता का प्रदर्शन कर रही है और गंदी राजनीतिक सत्ता संघर्ष में उलझी हुई है, महिलाओं की सुरक्षा की उपेक्षा कर रही है और कानून व्यवस्था को खराब कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री की महिलाओं की सुरक्षा और भलाई पर अपने राजनीतिक अस्तित्व को प्राथमिकता देने के लिए कड़ी आलोचना की। इस बीच, संबंधित घटना पर टिप्पणी करते हुए, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कर्नाटक लुटेरों और बलात्कारियों के लिए एक आश्रय स्थल बन गया है। मध्य बेंगलूरु में एक महिला के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार और लूटपाट की घटना के बाद भाजपा द्वारा कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना करने के बाद, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सवाल किया कि क्या पिछली सरकार के कार्यकाल में बलात्कार के कोई मामले सामने नहीं आए। इस बयान से विवाद खड़ा हो गया था। मंगलवार को बेलगावी में पत्रकारों से बात करते हुए, सीएम सिद्धरामैया ने कहा क्या भाजपा के कार्यकाल में बलात्कार की कोई घटना नहीं हुई? बलात्कार की घटनाएं नहीं होनी चाहिए। महिलाओं को सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। हालांकि, समाज में असामाजिक तत्व इस तरह के कृत्य में लिप्त रहते हैं। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

क्या है मामला

ज्ञातव्य है कि बेंगलूरु के के.आर. मार्केट में बस का इंतजार कर रही एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और उसके गहने, नकदी और मोबाइल फोन लूट लिए गए। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि महिला ने सेंट्रल डिवीजन के महिला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। सूत्रों के अनुसार, यह घटना रविवार को रात करीब 11.30 बजे बेंगलूरु के के.आर. मार्केट इलाके में गोडाउन स्ट्रीट के पास हुई। पुलिस ने घटना के सिलसिले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। पीड़िता येलहंका इलाके में जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी। महिला ने आरोपी से अपने गंतव्य तक जाने वाली बस के बारे में पूछा था। उसकी स्थिति का फायदा उठाते हुए, आरोपियों ने खुद को नेक इंसान बताते हुए उससे कहा कि उन्हें पता है कि बस कहां रुकेगी और उसे अपने साथ ले गए। वे उसे गोडाउन स्ट्रीट ले गए जहां उन्होंने उसका यौन उत्पीड़न किया और फिर उसे लूट लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

डॉक्टर से ब्रिटेन में उच्च शिक्षा सीट दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी टाउन पुलिस ने धोखाधड़ी के एक मामले में शामिल तीन आरोपियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है, जिसमें उन्होंने एक डॉक्टर को विदेश में उच्च शिक्षा दिलाने का वादा किया था। पुलिस ने नकदी और अन्य वस्तुओं सहित 9,56,000 रुपये की संपत्ति भी बरामद की है। उडुपी टाउन पुलिस स्टेशन में संतोष ई द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें बताया गया था कि विदेश में उच्च शिक्षा के अवसरों से संबंधित एक योजना में उसके साथ धोखाधड़ी की गई थी। शिकायत के अनुसार, पीड़ित, एक सामान्य चिकित्सा स्नातक, यूके में एमपीएच की डिग्री हासिल करना चाहता था। दुबई में रहते हुए, उसकी मुलाकात आफताब से हुई, जिसने 18 लाख रुपये में एमपीएच की सीट दिलाने का वादा किया। आफताब ने पीड़ित से सीट सुरक्षित करने के लिए 8.5 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान करने को कहा। चूंकि पीड़ित के पास एनआरई खाता नहीं था, इसलिए आफताब ने उसे दूसरे आरोपी सुमन एस से मिलवाया। उनके निर्देशों पर काम करते हुए, पीड़ित उडुपी गया और उडुपी में एमटीआर होटल के पास सुमन से मिला। आरोपी पर भरोसा करके पीड़ित ने 8.5 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपी ने उसके कॉल का जवाब देना बंद कर दिया और वादा की गई सीट देने में विफल रहा। इस तरह उसके साथ धोखाधड़ी की। पुलिस ने शिवमोग्गा निवासी सुमन एस (24), मूडबिद्री निवासी सुहान खान (22) और मूडबिद्री निवासी मोहम्मद महाज (23) नामक तीन आरोपियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। मामला उडुपी टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया। पीआई रामचंद्र नायक के नेतृत्व में जांच में उडुपी टाउन पुलिस स्टेशन के पीएसआई एरन्ना शिरागुम्पी, पीएसआई पुनीत कुमार, पीएसआई भारतेश और टीम के सदस्य चेतन कुमार, बशीर, कार्तिक, संतोष, शुभा, सुषमा और नेत्रावती शामिल थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 5,00,000 रुपए नकद, एक इनोवा कार और दो मोबाइल फोन जब्त किए। बरामद संपत्ति का कुल मूल्य 9,56,000 रुपये है।

आरोपियों को अदालत में पेश किया गया और आगे की जांच जारी है।

लॉरी पलटने की घटना

मृतकों के परिवारों को 3-3 लाख रुपये का मिलेगा मुआवजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य सरकार ने बुधवार सुबह गुल्लापुरा के पास हुई दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को 3-3 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। राज्य सरकार के आदेश के अनुसार, उपायुक्त के. लक्ष्मी प्रिया ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा राशि की आदेश प्रति सौंपी। विधायक शिवराम हेब्बार और सावनूर विधायक यासिर खान पठान ने आदेश की प्रति परिजनों को सौंपी। दुर्घटना में 10 लोगों की मौत हो गई और 19 घायल हो गए। घायलों में से 12 का येल्लापुर सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। शव येल्लापुर अस्पताल और हुब्बल्ली केआईएमएस में हैं। उन्हें सावनूर लाने का काम चल रहा है। मृतकों के अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही है। हावेरी पुलिस के अतिरिक्त एसपी लक्ष्मण शिराकोला ने मृतकों के घर जाकर संवेदना व्यक्त की।

नकली गांधी आज बापू का नाम लेकर

महात्मा गांधी की मानसिकता के विरुद्ध चला रहे पार्टी : चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने आलोचना की है कि आज की कांग्रेस बेलगाम कांग्रेस सम्मेलन की घोषणा के खिलाफ है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आपत्ति जताई कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अंबेडकर को जीवन भर हराया गया, अपमानित किया गया और आहत किया गया और आज वह ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह हमारी पहचान हैं। नकली गांधी आज बापू का नाम लेकर महात्मा गांधी की मानसिकता के विरुद्ध कांग्रेस चला रहे हैं। कांग्रेस, जिसने संविधान को धोखा दिया और स्वार्थ के लिए संविधान को नष्ट कर दिया, अब दावा कर रही है कि हम संविधान के रक्षक हैं। उन्होंने शिकायत की कि यह कांग्रेस की दोगली नीति की राजनीति है। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जिनकी हम सभी कर्नाटक में प्रशंसा करते थे, ने एक प्रकार की अहंकार, घमंड और आत्म-धोखे की बात कही। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए उन्होंने ये कहकर बात की। उन्होंने कहा कि हमें इसकी अवमानना है। इतने लंबे समय तक राजनीति करने वाले मल्लिकार्जुन खड़गे को हमने जिस तरह से देखा है वह अलग है। अब एआईसीसी का अध्यक्ष बनने के बाद वह अपनी जुबान पर जहर लेकर बात करते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी जीभ में जहर क्यों डाला गया यह सवालिया निशान बना हुआ है। वह भाजपा के बारे में बुरा क्यों बोल रहे हैं? क्या वह भाजपा नेताओं पर झूठ फैलाने का काम करते हैं?

उन्होंने कहा कि मेरा सवाल यह है कि जो नेता इतनी ऊंचाई तक गए, क्या उनके लिए यह जरूरी था। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उन्होंने इतनी घटिया भाषा का इस्तेमाल कभी नहीं देखा। मैंने सिद्धरामैया के साथ भी काम किया।

उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि जिस तरह से सत्ता की लालसा के कारण दोनों एक-दूसरे से आगे निकल रहे हैं, उस तरह से झूठ बोलना और ताना मारना सही कदम नहीं है। उन्होंने पूछा कि क्या महात्मा गांधी ने उन्हें यह बात बताई थी। खड़गे, एक बात याद रखें, मैं आपको सीधे बता दूं, बीजेपी में भी आग लगी हुई है। तूफान भी है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर आप आग लगाओगे तो हमारे पास लड़ने की ताकत है। उन्होंने आपत्ति जताई कि आप किसी भी तरह से हमारे बराबर नहीं हैं। जो आग आपने जलाई है, वह आपको पहले ही जला चुकी है। इस देश में कांग्रेस सिर्फ 3 राज्यों में बची है। जान लें कि इन 3 राज्यों से बाहर जाने की नौबत पहले ही आ जाएगी। आपने प्रियंका गांधी की तुलना कित्तूर रानी चन्नम्मा से की। ये किसका क्रश है? आप क्या कर रहे हो? आप जो दलितों के लिए आवाज नहीं उठा सके, आप जो अपने पूरे जीवन में दलित समुदाय के लिए खड़े नहीं हुए, आपने केवल अपने स्वार्थ के लिए राजनीति की है। उन्होंने पूछा कि आपने किन दलितों को पाला है।

गंगोली जीपी पीडीओ, एसडीए को 25,000 रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में किया गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में लोकायुक्त पुलिस ने गंगोली ग्राम पंचायत कार्यालय से दो सरकारी अधिकारियों को एक शिकायतकर्ता से 22,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान गंगोली पंचायत विकास अधिकारी (पीडीओ) उमाशंकर एच और द्वितीय श्रेणी सहायक (एसडीए) शेखर जी के रूप में हुई है। गंगोली के सुल्तान मोहल्ला निवासी शिकायतकर्ता मोहम्मद हनीफ ने नवंबर में गंगोली ग्राम पंचायत में सर्वे नंबर 108/13, जिसकी माप 8.25 सेंट है, को दो भागों में विभाजित करने के लिए आवेदन किया था। हालांकि, अधिकारियों ने प्रक्रिया में देरी की, उसे परेशान किया और काम पूरा करने के लिए 25,000 रुपये की रिश्वत मांगी। रिश्वत देने से इनकार करने पर हनीफ ने 22 जनवरी को उडुपी लोकायुक्त पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक नटराज एम ए (मेंगलूरु) के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए, पुलिस उपाधीक्षक मंजूनाथ, निरीक्षक अमानुल्ला ए (मेंगलूरु) और निरीक्षक चंद्र शेखर के एन (मेंगलूरु) के नेतृत्व में लोकायुक्त टीम ने जाल बिछाया। उडुपी और मेंगलूरु के अधिकारियों सहित लोकायुक्त कर्मियों ने ऑपरेशन चलाया और गंगोली पंचायत कार्यालय में रिश्वत लेते हुए आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया। गिरफ्तार अधिकारी फिलहाल आगे की जांच के लिए पुलिस हिरासत में हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे को देश की जनता से मांगनी चाहिए माफी: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद सदस्य सी. टी. रवि ने बुधवार को कहा कि मंगलवार को कांग्रेस अधिवेशन में प्रियंका गांधी की तुलना कित्तूर रानी चन्नम्मा से की गई। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यह एक तरह के पाखंड की पराकाष्ठा है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कित्तूर रानी चन्नम्मा एक योद्धा थीं, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने विश्लेषण किया कि उनकी तुलना प्रियंका गांधी से करना या कित्तूर रानी का अपमान करना एक ही है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगा कि उन्होंने प्रशंसा के बोझ तले मानसिक गुलामी का प्रदर्शन किया है। देश के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाली कित्तूर रानी चन्नम्मा कहाँ हैं? उन्होंने दोनों की तुलना करते हुए आपत्ति जताई, यह एक तरह का अक्षम्य अपराध है। उन्होंने राष्ट्रीय व्यक्तित्व का अपमान करने के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे की आलोचना की। उन्होंने कन्नड़ राष्ट्र का भी अपमान किया और उन्हें इस संबंध में देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

बैंक डकैती का मामला

घटनास्थल से भागने का प्रयास आरोपी के पैर में लगी गोली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोटेकर सहकारी बैंक डकैती मामले में मेंगलूरु पुलिस ने एक आरोपी को गोलियों का स्वाद चखाया है। तमिलनाडु में गिरफ्तार आरोपी को मेंगलूरु लाया गया और शोक स्थल उल्लाल ले जाया गया। इस दौरान भागने की कोशिश कर रहे आरोपी कन्नन मणि (35) पर पुलिस ने गोलियां चलाईं। बताया जा रहा है कि इस घटना में तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

लूट मामले की जांच कर रही पुलिस टीम ने 20 जनवरी को तमिलनाडु में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में से एक कन्नन मणि (36), जो तिलक नगर, चेंबूर, मुंबई का निवासी है, को गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ के लिए मेंगलूरु लाया गया। शाम करीब 4.20 बजे टीम ने उल्लाल पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर बालकृष्ण एचएन की मौजूदगी में घटनास्थल का निरीक्षण किया।

इस दौरान आरोपी कन्नन मणि ने भागने की कोशिश की। उसने घटनास्थल पर मिली टूटी हुई बीयर की बोतल से पुलिस अधिकारी अंजनप्पा और नितिन पर हमला किया। उसने जांच अधिकारी को धक्का भी दिया और टूटी हुई बीयर की बोतल से उन पर वार करने की कोशिश की। इस दौरान सीसीबी इंस्पेक्टर ने हवा में गोली चलाई और उसे चेतावनी दी। लेकिन आरोपी पुलिस पर हमला करता रहा। इसलिए सीसीबी इंस्पेक्टर ने आत्मरक्षा में आरोपी के पैर में गोली मार दी। इस घटना में पुलिसकर्मी बालकृष्ण, अंजनप्पा और नितिन घायल हो गए।

घायल पुलिसकर्मियों और आरोपी को मेंगलूरु के पास डेरालाकाटे के एक अस्पताल में भेजा गया है। यह डकैती 17 जनवरी को दोपहर 1 से 1.20 बजे के बीच हुई। आरोपियों ने बैंक कर्मचारियों को धमकाया और करीब 4 करोड़ रुपये की नकदी और कीमती सामान लूटकर भाग गए।

नागरिक केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाएं अधिकारी: मुर्मू

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अधिकारियों को नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने और निर्णय लेते समय समाज के कमजोर तथा वंचित वर्गों की जरूरतों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखने की सलाह दी है।

भारतीय रक्षा लेखा सेवा और भारतीय दूरसंचार सेवा के परिवी-क्षाधीन अधिकारियों के एक समूह ने बुधवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

राष्ट्रपति ने परिवीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे भारत की विकास यात्रा में परिवर्तनकारी क्षणों में सेवाएं दे रहे हैं। उभरती प्रौद्योगिकी, तेजी से सूचना का प्रसार और बदलते वैश्विक परिदृश्य एक जटिल लेकिन रोमांचक स्थिति बना रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि भारत के समावेशी विकास और इसे वैश्विक रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने उन्हें अपने कर्तव्यों का पालन करते समय हमेशा नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने और बढ़ावा देने की सलाह दी। उन्हें निर्णय लेते समय समाज के कमजोर और वंचित वर्गों की जरूरतों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखना चाहिए। उनके विचार, निर्णय और कार्य राष्ट्र के भविष्य को प्रभावित करेंगे।

भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वे सशस्त्र बलों के वित्तीय पहलुओं की देखरेख में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उनकी जिम्मेदारियों में निर्बाध वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित करना, जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा देना और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों को बनाए रखना शामिल है।

उन्होंने उनसे लेखा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों और नवीन तरीकों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अपने काम को पूरी लगन से करके वे न केवल हमारे सशस्त्र बलों के वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करेंगे बल्कि देश की सुरक्षा और समृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

भारतीय दूरसंचार सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले दो दशकों में भारत ने मोबाइल टेलीफोन और हाई-स्पीड इंटरनेट नेटवर्क के आगमन से एक परिवर्तनकारी दूरसंचार क्रांति देखी है। इस क्रांति ने भारत की विशाल डिजिटल क्षमता की संभावनाओं को खोल दिया है। दूरसंचार अवसंरचना के माध्यम से डिजिटल कनेक्टिविटी को बढ़ाकर आईटीएस अधिकारी देश के नागरिकों को सशक्त बनाने और उनके जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करके राष्ट्र के समावेशी विकास में मदद कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने उनसे दूरसंचार नेटवर्क की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दूरसंचार क्षेत्र में अनुसंधान और विकास पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

सबरीमाला मंदिर ने रिकॉर्ड तोड़ 440 करोड़ कमाए

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

कुछ लोग कहते हैं कि मंदिर से क्या होता है, उनके लिए ये अच्छा उदाहरण है कि मंदिर से अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर की रिपोर्ट भी यही कहती है। सबरीमाला मंदिर की तीर्थयात्रा सुचारू रूप से संपन्न हो चुकी है।

इस बार मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं से मंदिर प्रशासन को 440 करोड़ रुपए की आय हुई है, जो कि पिछले वर्ष के राजस्व के मुकाबले 80 करोड़ रुपए अधिक है।

केरल कौमुदी की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य के देवस्वम मंत्री वीएन वासवन ने इसकी पुष्टि करते हुए जानकारी दी है कि इस बार सबरीमाला में दर्शन के लिए 600,000 से भी अधिक श्रद्धालु पहुंचे थे। हालांकि, सरकार ने वर्चुअल लाइन और स्पॉट बुकिंग के लिए प्रतिदिन 80,000 भक्तों की सीमा को तय कर रखा था, लेकिन बाद में कुछ दिन तो एक लाख से अधिक लोगों ने सबरीमाला मंदिर में दर्शन किए।

मंदिर प्रशासन ने पिछले साल की तुलना में इस बार प्रबंधन को भी चाक चौबंद रखा था। इस बार दर्शन की शुरुआत से ही मंदिर प्रशासन ने दर्शन की समय सीमा को एक घंटे बढ़ाकर 18 घंटे कर दिया था। वहीं 80-90 भक्तों को भी प्रति मिनट के हिसाब से सीढ़ियां पार करने की अनुमति दी गई थी। इसके अलावा स्पॉट बुकिंग यानि के मंदिर पहुंचने के बाद टोकन लेने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 10,3,305 थी, जबकि 30 लाख से अधिक अन्न दान किया गया।

मंदिर के राजस्व की बात करें तो अरवाना की बिक्री 192 करोड़ रुपए रही, जो कि (पिछले साल 147 करोड़ रुपए थी), हुंडी दान: 126 करोड़ रुपए (पिछले साल: 109 करोड़ रुपए)।

राजौरी में रहस्यमय बीमारी के तीन और मामले सामने आए

प्रभावित इलाका निगरानी-क्षेत्र (कंटेनमेंट जोन) घोषित

जम्मू, 22 जनवरी (ब्यूरो)।

राजौरी जिले के बुद्धल इलाके में रहस्यमय बीमारी के तीन और मामले सामने आए हैं। रोगियों को उन्नत चिकित्सा के लिए स्थानांतरित किया जा रहा है। इस बीच राजौरी में जिला प्रशासन ने बुद्धल क्षेत्र को निगरानी-क्षेत्र (कंटेनमेंट जोन) घोषित कर दिया है और इस क्षेत्र में सभी तरह के लोगों के एकत्रित होने पर रोक लगा दी है।

एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को भी 25 वर्षीय युवक एजाज अहमद में रहस्यमयी बीमारी के कुछ लक्षण दिखे थे, जिसे बाद में जीएमसी जम्मू ले जाया गया, जहां से उसे पीजीआई चंडीगढ़ स्थानांतरित कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि बुधवार को बुद्धल से इसी बीमारी के दो और मामले सामने आए हैं और इन दोनों को भी उन्नत चिकित्सा के लिए स्थानांतरित किया जा रहा है।

इस बीच राजौरी में जिला प्रशासन ने बुद्धल क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया है और इस क्षेत्र में सभी तरह के लोगों के एकत्रित होने पर रोक लगा दी है। राजौरी के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश के अनुसार, नामित अधिकारी कंटेनमेंट जोन के भीतर परिवारों को दिए जाने वाले सभी भोजन की देखरेख और निगरानी करेंगे। जानकारी के लिए इस रहस्यमय बीमारी से 50 दिनों में अब तक 17 लोगों की दुखद मौत हो चुकी है, जिससे तीन परिवार प्रभावित हुए हैं।

विशेष जांच दल (एसआईटी) पहले से ही मौके पर घटना की जांच कर रहा है। आदेश में कहा गया है कि जिन परिवारों में मौतें हुई हैं, उन्हें कंटेनमेंट जोन 1 घोषित किया जाएगा। इन प्रभावित परिवारों के घरों को सील कर दिया जाएगा और नामित अधिकारियों द्वारा अधिकृत किए जाने तक परिवार के सदस्यों सहित सभी व्यक्तियों के लिए प्रवेश सख्त वर्जित होगा। प्रभावित व्यक्तियों के करीबी संपर्क वाले सभी परिवारों को कंटेनमेंट जोन 2 घोषित किया जाएगा। इन परिवारों के व्यक्तियों को निरंतर स्वास्थ्य निगरानी के लिए तुरंत जीएमसी राजौरी में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, गांव के सभी घरों को कंटेनमेंट जोन 3 घोषित किया गया है। इस क्षेत्र में खाद्य उपभोग की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों को तैनात किया जाएगा।

इसके अलावा, आदेश संक्रमण के आगे प्रसार को रोकने के लिए इन कंटेनमेंट जोन के अधिकार क्षेत्र में सभी सार्वजनिक और निजी समारोहों पर सख्ती से प्रतिबंध लगाता है। नामित अधिकारी इन जोन में परिवारों को दिए जाने वाले सभी भोजन की उचित निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे। इस बीच, जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने उचित निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए कोटरांका क्षेत्र का दौरा किया है। गौरतलब है कि पिछले 50 दिनों में इस क्षेत्र में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सरकार अभी तक मौतों के कारणों का पता नहीं लगा पाई है।

इन मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए विभिन्न स्तरों पर जांच चल रही है। जबकि सरकार का दावा है कि क्षेत्र में कोई वायरस या संक्रमण नहीं है, बदहाल क्षेत्र को नियंत्रण क्षेत्र घोषित कर दिया गया है और प्रभावित परिवारों के घरों को सील कर दिया गया है और उनके करीबी संपर्कों को जांच के लिए जीएमसी राजौरी में स्थानांतरित कर दिया गया है।

ममता सरकार संजय रॉय को बलि का बकरा बनाने की जल्दी में : मजूमदार

बालुरघाट (पश्चिम बंगाल), 22 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने बुधवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले में दोषी संजय रॉय को फांसी पर लटकाने और उसे बलि का बकरा बनाने की जल्दी में है, जबकि ममता बनर्जी सरकार ने मामले में सत्र न्यायालय के फैसले के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया है।

एएनआई से बात करते हुए मजूमदार ने कहा कि राज्य सरकार जल्दबाजी में है और यह संदेहास्पद है।

पश्चिम बंगाल सरकार जल्दबाजी में है और यह जल्दबाजी बहुत संदेहास्पद है। सीबीआई एक जांच एजेंसी है और उनके पास उच्च न्यायालय में जाने का मौका भी है। लेकिन जिस तरह से पश्चिम बंगाल सरकार जल्दबाजी कर रही है, उससे लगता है कि वे संजय रॉय का मुंह बंद करना चाहते हैं। पीड़िता के माता-पिता सुप्रीम कोर्ट चले गए हैं और उन्हें पता है कि अगर सुप्रीम कोर्ट संजय रॉय की जांच करता है , तो वह डॉ. संदीप घोष और अन्य का नाम ले सकता है और उसके बाद ममता बनर्जी सरकार गिर जाएगी...मुझे लगता है कि ममता बनर्जी की सरकार संजय रॉय को फांसी पर लटकाने और उसे बलि का बकरा बनाने की जल्दी में है, भाजपा नेता ने कहा।

सियालदह सिविल और क्रिमिनल कोर्ट ने आरजी कर बलात्कार और हत्या मामले में आरोपी संजय रॉय को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने आरोपी पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। हालांकि, पश्चिम बंगाल सरकार ने संजय रॉय को

दोषी ठहराते हुए ट्रायल कोर्ट के आजीवन कारावास के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट की खंडपीठ में अपील की ।एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता ने मौत की सजा की मांग करते हुए जस्टिस देबांग्शु बसाक की खंडपीठ का दरवाजा खटखटाया। इस मामले को दायर करने की अनुमति मिल गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रॉय को दी गई आजीवन कारावास की सजा का सार्वजनिक रूप से विरोध किया है, और कहा है कि अगर कोलकाता पुलिस ने मामले की जांच की होती तो वे मृत्युदंड सुनिश्चित करते। विशेष रूप से, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) आरजी कर बलात्कार और हत्या मामले के दोषी संजय रॉय के लिए मौत की सजा की मांग करेगी। सूत्रों के मुताबिक, अगले दो दिनों के भीतर कलकत्ता हाईकोर्ट में आवेदन दायर किया जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई 27 जनवरी को होनी है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को अगले पांच सालों तक जारी रखने को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत देश में प्राप्त उपलब्धियों को स्वीकारते हुए आज इसे अगले पांच वर्षों तक जारी रखने को मंजूरी प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गयी।

केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मिशन के तहत देश ने कई ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किए हैं। इससे देशभर में करीब 12 लाख स्वास्थ्यकर्मी जुड़े हैं। कोविड के भयावह काल का सामना करने में मिशन ने बड़ी भूमिका निभाई है और देश को 2.20 अरब कोविड टीके लगाए तथा सर्टिफिकेट बांटे गए हैं।

सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार मंत्रिमंडल को वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्रगति से अवगत कराया गया। मंत्रिमंडल को मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, मृत्यु दर और कुल प्रजनन दर में त्वरित गिरावट तथा टीबी, मलेरिया, कालाजार, डेंगू, तपेदिक, कुष्ठ रोग, वायरल हेपेटाइटिस आदि जैसे विभिन्न रोगों के कार्यक्रमों के संबंध में प्रगति और राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन जैसी नई पहलों से भी अवगत कराया गया।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की शुरुआत 2005 में की गई थी, जिसका उद्देश्य जिला अस्पताल (डीएच) स्तर तक ग्रामीण आबादी, विशेष रूप से कमजोर समूहों को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना था। वर्ष 2012 में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन की अवधारणा बनाई गई और एनआरएचएम को दो उप-मिशनों यानी एनआरएचएम और एनयूएचएम के साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के रूप में पुनः नामित किया गया।

जम्मू कश्मीर में पेड़ों की हिफाजत के लिए हुआ अनूठा प्रयास

कश्मीर में चिनार के पेड़ों को जारी हुए आधार कार्ड!

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 22 जनवरी ।

प्रतिष्ठित चिनार के पेड़ों की हिफाजत करने और संरक्षण देने की दिशा में जम्मू कश्मीर ने अनूठी पहल शुरू की है। यह पहल पारंपरिक संरक्षण प्रयासों को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ती है। जम्मू कश्मीर वन अनुसंधान संस्थान और जम्मू कश्मीर वन विभाग ने पिछले चार वर्षों में पूरे केंद्र शासित प्रदेश में 28,000 से अधिक चिनार के पेड़ों की सफलतापूर्वक जियोटैगिंग की है, जिससे एक पुख्ता डेटाबेस तैयार हुआ है जो इन सांस्कृतिक और पारिस्थितिक खजाने के संरक्षण और उसकी निगरानी को सुनिश्चित करता है। इसी के आधार पर इन चिनार के पेड़ों को आधार कार्ड भी जारी किए गए हैं।

प्राप्त विवरणों के अनुसार, यह पहल, जो 2021 में शुरू हुई और 2025 तक जारी रहने की उम्मीद है, इसमें चिनार की निगरानी और संरक्षण के लिए जीआईएस और क्यूआर कोड का उपयोग शामिल है। प्रत्येक पेड़ को ऊंचाई, परिधि, स्वास्थ्य, छतरी के आकार और इसकी भौगोलिक स्थिति जैसी महत्वपूर्ण जानकारी के साथ जियोटैग किया गया है। यह डेटा चिनार ट्री रिकार्ड फार्म का उपयोग करके संकलित किया जा रहा है, जिसे दस्तावेजीकरण प्रक्रिया को मानकीकृत करने के लिए डिजाइन किया गया है।

जेकेएफआरआई में परियोजना समन्वयक डॉ. सैयद तारिक ने बताया कि संस्थान और वन विभाग के प्रयासों से कई महत्वपूर्ण खोज हुई हैं। उन्होंने बताया कि गंदरबल में एक चिनार को एशिया में सबसे बड़ा माना गया है, जिसकी परिधि 22.25 मीटर है और यह 27 मीटर ऊंचा है। जबकि बारामुल्ला में एक और चिनार ने दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा दो बड़े चिनार का प्रत्यारोपण पूरा कर लिया गया है। चिनार कश्मीर के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिदृश्य का एक अभिन्न अंग हैं, जिनमें से कई पेड़ मुगल काल के हैं। नसीम बाग में 1200 से अधिक चिनार लगाए थे, जिनमें से कई आज भी खड़े हैं।

बिजबिहाड़ा शहर को चिनारों के शहर के रूप में जाना जाता है। बिजबिहाड़ा के पाद-शाही बाग में सबसे पुराना चिनार है। जियोटैगिंग के अलावा, संरक्षण प्रयासों में स्कूलों, सरकारी संस्थानों और सुरक्षा बलों को पौधे वितरित करना भी शामिल है। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि उच्च गुणवत्ता वाले पौधों के निरंतर उत्पादन के लिए एक वनस्पति गुणन उद्यान (वीएमजी) स्थापित किया गया है, और डल झील में प्रतिष्ठित चार चिनार सहित परिपक्व चिनार का प्रत्यारोपण चल रहा है। जियोटैग किए गए चिनार पर क्यूआर कोड के एकीकरण से जनता के लिए इन पेड़ों के स्वास्थ्य और स्थिति पर वास्तविक समय के डेटा तक पहुंचना आसान हो गया है।

अधिकारियों का कहना है कि पेड़ को बिना किसी बाधा के बढ़ने देने के लिए डिजाइन की गई विशेष प्लेटों अर्थात आधार कार्ड पर लगे क्यूआर कोड को नागरिक स्कैन करके प्रत्येक पेड़ की स्थिति के बारे में अधिक जान सकते हैं। इसके अलावा डॉ. तारिक ने परियोजना के एक अन्य आवश्यक पहलू के रूप में जन जागरूकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वन विभाग शैक्षिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल हो रहा है, वृत्तचित्र जारी कर रहा है, और संरक्षण प्रयासों में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए चिनार दिवस (15 मार्च) और चिनार फाल फेस्टिवल (15 अक्टूबर) जैसे उत्सव मना रहा है।

सीएम योगी ने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ त्रिवेणी संगम में लगाई डुबकी

महाकुंभ नगर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपने मंत्रिमंडल के साथ तीर्थराज प्रयागराज में त्रिवेणी के संगम में पावन डुबकी लगाकर समूचे विश्व के कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने संगम स्नान को भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह स्नान आत्मिक शांति, धार्मिक समर्पण और समाज कल्याण का संदेश देता है। त्रिवेणी संगम का स्नान केवल व्यक्तिगत शुद्धि नहीं, बल्कि समग्र लोक कल्याण का आह्वान है। महाकुंभ 2025 के इस दिव्य आयोजन में दुनिया भर से करोड़ों श्रद्धालु आ रहे हैं और संगम में पावन डुबकी लगा रहे हैं. यह स्नान धर्म, संस्कृति और आस्था का संदेश देता है। यह न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि लोक कल्याण और आत्मशुद्धि का पवित्र आह्वान भी है। महाकुंभ भारतीय संस्कृति की दिव्यता और सार्वभौमिकता का प्रतीक है। संगम स्नान से जनमानस को यह संदेश मिलता है कि धर्म और संस्कृति की शक्ति से जीवन में शुद्धता और समृद्धि लाई जा सकती है।

त्रिवेणी संगम वह पवित्र स्थल है, जहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का मिलन होता है। इसे मोक्ष प्राप्ति और आत्मा की शुद्धि का केंद्र माना जाता है।

शास्त्रों में संगम स्नान को सभी पापों से मुक्त करने और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग बताया गया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों ने सबसे पहले अरैल स्थित त्रिवेणी संकुल में पूजा-अर्चना की।

तत्पश्चात, मोटरबोट के माध्यम से संगम पहुंचकर विधिवत मंत्रोच्चार और हवन के साथ स्नान संपन्न किया। मुख्यमंत्री के साथ दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह,कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, लक्ष्मी नारायण चौधरी, धर्मपाल और अनिल राजभर सहित सभी 21 मंत्रियों और बाकी स्वतंत्र प्रभार वाले और राज्यमंत्रियों ने विधिवत संगम में स्नान और पूजन किया।

योगी सरकार में यह दूसरा अवसर है, जब पूरे मंत्रिमंडल ने एक साथ कुंभ के सुअवसर पर संगम स्नान किया है। इससे पूर्व 2019 में भी तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित कुंभ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ संगम में आस्था की डुबकी लगाई थी। तब मुख्यमंत्री और समस्त मंत्रिमंडल के साथ अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि और अन्य साधु संतों ने भी संगम की धारा में पवित्र स्नान किया था।

इससे पूर्व, योगी सरकार ने महाकुंभ में कैबिनेट बैठक का भी आयोजन किया। बैठक में यूपी सरकार के सभी 54 मंत्रियों को बुलाया गया। यह बैठक अरैल के त्रिवेणी संकुल में आयोजित की गई। संगम में स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा न हो, इसके लिए अरैल में बैठक करने का फैसला लिया गया। पहले ये बैठक मेला प्राधिकरण के सभागार में होनी थी, लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए बाद में बैठक का स्थान बदल दिया गया, क्योंकि अगर मेला प्राधिकरण के सभागार में मंत्रियों की बैठक की जाती है तो वीआईपी सुरक्षा के चलते श्रद्धालुओं को दिक्कत हो सकती थी।

महाकुंभ नगर बना मंदिरों का नया शहर

महाकुंभ में एक साथ सभी प्रमुख मंदिरों के दर्शन होंगे

महाकुंभनगर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में आए श्रद्धालु देश के सभी प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन एक साथ कर सकेंगे। यहां तिरुपति बालाजी का मंदिर बनकर भक्तों के लिए तैयार है तो राम मंदिर, मेहंदीपुर बालाजी के मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें भी देखी जा सकती हैं। इनके साथ साथ अक्षरधाम, चार धाम, खाटू श्याम, मां कामाख्या देवी, इस्कॉन मंदिर श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित कर रहे हैं।

महाकुंभनगर में हर दिन लाखों श्रद्धालु यहां जुट रहे हैं और भक्ति के साथ-साथ स्वादिष्ट प्रसाद और व्यंजनों का आनंद भी ले रहे हैं। यही नहीं, यहां पर धर्म, आध्यात्म की गंगा बह रही है। श्रद्धालुओं के लिए अन्न के भंडार खोल दिए गए हैं। यहां रबड़ी से लेकर चाय, हलवा, पूड़ी सब्जी समेत लगभग सभी प्रमुख व्यंजन उपलब्ध हैं। श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी केशवदास महाराज ने गुवाहाटी से यहां महाकुंभ नगर में आकर श्रद्धालुओं के दर्शन को सुलभ करने का प्रयास किया है। महामंडलेश्वर के अनुसार महाकुंभ में श्रद्धालु पहली बार मां कामाख्या का प्रतिरूप थ्रीडी के रूप में देख सकेंगे। माता की मूल प्रतिमा की मिट्टी यहां गर्भगृह में रखी जाएगी, जिसे मां का आह्वान करके यहां महाकुंभ में लाया गया है। इसके अलावा श्रद्धालुओं को वही चरणामृत पान करने को मिलेगा, जो मां कामाख्या के मंदिर में प्रदान किया जाता है। श्री गुरदास जी महाराज भक्ति योग संस्था की ओर से इसके लिए विशेष आयोजन किया गया है।

महाकुंभ नगर अब केवल एक शहर नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए एक आध्यात्मिक केंद्र बन चुका है। यहां धर्म, भक्ति और सेवा का अनोखा संगम हर भक्त को देवलोक का अनुभव प्रदान कर रहा है। सेक्टर 7, 8 और 9 इसके प्रमुख केंद्र बन गए हैं, जहां पूरे देश के बड़े मंदिरों की प्रतिकृति को स्थापित किया गया है।

महाकुंभ में त्रिवेणी तट पर राज्य कैबिनेट का बड़ा फैसला

काशी तक आएगी गंगा एक्सप्रेस-वे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से भी जुड़ेगी

महाकुंभनगर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। तीर्थराज प्रयाग में 144 वर्ष के बाद महाकुंभ के शुभ संयोग पर लोककल्याण का संकल्प लेकर बैठी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए बड़े फैसले लिए हैं। पावन त्रिवेणी तट पर हुई कैबिनेट की ऐतिहासिक बैठक में 320 किलोमीटर लंबाई वाले विंध्य एक्सप्रेसवे और 100 किमी लंबाई वाले विंध्य-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण को सैद्धांतिक सहमति दी गई।

विशेष कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित और प्रकरण एक्सप्रेस-वे के माध्यम से कनेक्टिविटी नेटवर्क विकास और क्षेत्र में औद्योगिक परियोजनाओं का विकास हो रहा है। वर्तमान में प्रदेश के पश्चिमांचल, मध्यांचल, पूर्वांचल और बुंदेलखंड क्षेत्र एक्सप्रेस-वे से आच्छादित हैं और अब दूरवर्ती दक्षिणी-पूर्वी विंध्य क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया जाना आवश्यक है। इस दृष्टि से प्रयागराज मीरजापुर, वाराणसी, चंदौली एवं सोनभद्र को जोड़ते हुए 320 किलोमीटर लंबाई वाले नए नए एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया जाना चाहिए। इस नए एक्सप्रेस में का प्रारंभ बिंदु प्रयागराज में गंगा एक्सप्रेस-वे होगा, जबकि सोनभद्र में एनएच 39 पर इसका समापन होगा। इस तरह गंगा एक्सप्रेस-वे और विंध्य एक्सप्रेस-वे की सीधी कनेक्टिविटी होगी, साथ ही, मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ में झारखंड से भी अच्छा संपर्क स्थापित हो सकेगा। इसी प्रकार, विंध्य एक्सप्रेस-वे पर चंदौली से प्रारंभ होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के अंतिम बिंदु गाजीपुर तक विंध्य पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया जाना उचित होगा। इसकी लंबाई लगभग 100 किमी होगी।

प्रयागराज को बड़ा उपहार देते हुए मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में सलोरी से हेतापट्टी तक नए ब्रिज के निर्माण की भी आवश्यकता जताई। उक्त के साथ ही बैठक में साथ ही शास्त्री ब्रिज और यमुना सिग्नेचर ब्रिज के समानांतर नया ब्रिज को भी सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह तीनों ब्रिज स्मार्ट प्रयागराज की परिकल्पना को आकार देने वाले होंगे। त्रिवेणी तट पर हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पूरी सरकार ने सुरक्षित और समृद्ध उत्तर प्रदेश के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। त्रिविधि ताप-पाप नाशिनी गंगा, कूर्मवाहिनी यमुना और अंत:सलिला सरस्वती के पावन संगम तट पर एकजुट पूरी योगी सरकार ने राज्य के गरीब युवाओं, किसान और महिलाओं के हित में कई निर्णय लिए। गंगा तीरे बने त्रिवेणी संकुल में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री द्वय के साथ सभी कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और राज्य मंत्री गणों की उपस्थिति रही।

विद्याकुंभ प्राथमिक विद्यालय से संवर रहा श्रमिकों के बच्चों का भविष्य

महाकुंभनगर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बुधवार को महाकुंभ-2025 के मेला क्षेत्र में संचालित विद्याकुंभ प्राथमिक विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने इस विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों और शिक्षकों से संवाद कर व्यवस्थाओं का आकलन किया और शिक्षा की गुणवत्ता पर चर्चा की।

इससे पहले, मंत्री संदीप सिंह ने तीर्थराज प्रयाग में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की ऐतिहासिक बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री और सभी मंत्रीगण ने त्रिवेणी संगम पर स्नान किया और गंगा पूजन व आरती में सम्मिलित होकर आशीर्वाद लिया। विद्याकुंभ प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा, विद्याकुंभ प्राथमिक विद्यालय श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा का एक नया अध्याय लिख रहे हैं। उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में यह प्रयास एक महत्व-पूर्ण कदम है। उत्तर प्रदेश सरकार गरीब और वंचित बच्चों की शिक्षा के प्रति संकल्पबद्ध है।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने शिक्षकों से विद्यालय की व्यवस्थाओं और उनकी चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बच्चों से भी संवाद किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री ने कहा कि महाकुंभ जैसे धार्मिक आयोजन में शिक्षा की यह पहल समाज में सकारात्मक बदलाव का आधार बनेगी। महाकुंभ-2025 के दौरान श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विद्याकुंभ प्राथमिक विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इस योजना के तहत मेला क्षेत्र में पांच स्थायी और आठ अस्थायी विद्यालय संचालित हैं। विभागीय तैयारियों के अनुसार, इन्हें मेला क्षेत्र के सभी सेक्टर में विस्तारित करने की योजना है। वर्तमान में स्थायी रूप से संचालित विद्यालयों में 5,00 से अधिक बच्चों को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है, और इस संख्या को 1,000 तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इन विद्यालयों में डिजिटल क्लासरूम, खेल-खेल में पढ़ाई और शैक्षणिक किट्स जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। बच्चों को उमंग किट और बालिकाओं को ज्ञान का पिटारा वितरित किया गया है, जिसमें किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य शैक्षणिक सामग्री शामिल हैं।

अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक बुधवार को मनी रामलला विराजमान की प्रथम वर्षगांठ

श्रीरामलला के मंदिर में उमड़ा जनसैलाब, जयकारों से गूंजी अयोध्या

अयोध्या, 22 जनवरी (एजेंसियां)। रामनगरी में बुधवार को फिर से श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। सुबह कोहरा व बेतहाशा ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किया। हर तरफ जय श्रीराम के जयकारे लगते रहे। मानो एक बार फिर से त्रेता युग लौट आया हो। श्रीराम चन्द्र के दर्शन के लिए श्रद्धालु देर शाम तक जन्मभूमि पथ पर कतारबद्ध दिखे। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

भव्य मंदिर में 22 जनवरी 2024 में ही रामलला विराजमान हुए थे। अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक बुधवार को राम मंदिर की पहली वर्षगांठ पर श्रद्धालुओं का रेला नजर आया। इससे पहले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक 11 जनवरी को ही पहली वर्षगांठ मना चुका है। तीन दिन आयोजन भी हुए। उस दौरान भी लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने अयोध्या पहुंच रामलला का दर्शन किया था। अब जब बारी आई 22 जनवरी की तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी श्रद्धा निवेदित करने पहुंच गए। प्रदेश की योगी सरकार ने दर्शनार्थियों के लिए स्वच्छता व सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन मुस्तैदी के साथ जुटा दिखा।

राम मंदिर की पहली वर्षगांठ को देखते हुए मठ मंदिरों में भी धूम है। हनुमानगढ़ी में दर्शन के लिए एक किलोमीटर लंबी लाइन लगी हुई है। इसके अलावा दशरथ महल-कनक भवन समेत अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। उधर, मणिरामदास छावनी में सुबह रथयात्रा निकालने के बाद 41 दिवसीय अनुष्ठान का आगाज हो गया। इसमें सवा लाख से भी अधिक श्रीराम रक्षास्त्रोत का जाप होगा। बड़ी संख्या में अपने आराध्य का दर्शन करने पहुंचे।श्रद्धालुओं में से अनेक ऐसे भी हैं जो बीती 22 जनवरी को अयोध्या में थे। उसी पल को जीने के लिए वे फिर रामनगरी में हैं। ट्रस्ट को भीड़ के आने का अनुमान था इसलिए व्यवस्थाएं भी तदनुरूप की गई थी। राम मन्दिर के आसपास का सारा क्षेत्र ब्रह्म मुहूर्त से ही जयकारों से गूंजने लगा था।

होटल और धर्मशालाएं पहले से ही लोग आरक्षित कराए हुए थे। रामलला के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने बताया कि हिंदी कैलेंडर के मुताबिक 11 जनवरी को द्वादशी मनाई गई थी, लेकिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक दर्शन करने पहुंचे हैं। सुबह से ही भीड़ दिखी।

एसएसपी राजकरण नैयर ने बताया कि सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किये गए हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या को 6 जोन और 17 सेक्टर में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। जोन में राजपत्रित अधिकारियों सेक्टर में सीओ लेवल के अधिकारी को तैनाती दी गई है। राजस्थान की विजयलक्ष्मी ने बताया कि उधर बालाजी और यहां रामलला की ही कृपा रही कि अच्छे से दर्शन मिल गया। उन्होंने बताया कि उनके साथ 17 लोगों का ग्रुप आया था। सभी हनुमान चालीसा पढ़ते हुए राम मंदिर में प्रवेश किये। 500 वर्षों बाद अयोध्या में रौनक लौटी है। सभी को दर्शन के लिए पहुंचना चाहिए।

संपादकीय

बिना शर्तों के पर्यटन खतरे

धर्मशाला और कुल्लू की पहाडियों पर पैराग्लाइडिंग के मुकदमे खड़े हो गए, जब दो लोग आसमान में उडने का रोमांच सीने में दबाए सीधे मौत के कुएं में गिर गए। यह रोमांच की आत्महत्या क्यों न मानी जाए, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में कई पर्यटक व पायलट पैराग्लाइडिंग की ऊंचाई से फिसल कर जान गंवा चुके हैं। रोमांच की राह पर हिमाचल पर्यटन की खूबियां जिस तरह से प्रचारित हो रही हैं, उससे सुरक्षा, बचाव व राहत की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। साहसिक खेलों में हिमाचल का होना दरअसल पर्यटन को नए आयाम पर ले जाना है, लेकिन ऐसे दोहन की शर्तें भी कबूल करनी होंगी। हम हर दिन देखते हैं कि किसी नई पहाड़ी पर पैराग्लाइडिंग हो रही है। अभी-अभी सरकाघाट के आकाश से छतरियां उतरी हैं, तो यह खूबसूरत नजारा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक पूरी व्यवस्था का अवतरण होना चाहिए। बेशक हिमाचल के हर हिस्से में यह खूबी है कि वहां पैराग्लाइडिंग, जल क्रीड़ाएं व ट्रैकिंग जैसे जोखिम उठाए जा सकते हैं। इसके अलावा आधुनिक साहसिक खेलों के उपकरण हिमाचल के निजी क्षेत्र को नित नए प्रयोग करने को प्रेरित कर रहे हैं। इनमें से कुछ साहसिक गतिविधियां पर्वतारोहण संस्थान, जबकि अन्य पर्यटन विभाग के अधीन चल रही हैं। पैराग्लाइडिंग और रिवर राफ्टिंग जैसे खेल पर्वतारोहण संस्थान के तहत चलने चाहिएं। भले ही साहसिक खेल पर्यटन का आकर्षण हैं, लेकिन इससे जुड़े दिशा-निर्देश, प्रशिक्षण व निरीक्षण सीधे-सीधे पर्वतारोहण संस्थान की दक्षता-विशेषता और विभागीय कसौटियों के तहत ही पूरे हो सकते हैं। ऐसे में बीड़ में स्थापित हुए एशिया के पहले पैराग्लाइडिंग स्कूल को तुरंत प्रभाव से पर्वतारोहण संस्थान के अधीन कर देना चाहिए। पर्यटन में साहसिक गतिविधियों का संचालन व आयोजन भले ही सैलानियों का मनोरंजन है, लेकिन इसके साथ जुड़े निरीक्षण-परीक्षण और मानदंडों का एहसास केवल पर्वतारोहण जैसे संस्थान के अनुभव व जिम्मेदारी से ही संभव होगा। बहुत पहले जब पर्वतारोहण संस्थान अस्तित्व में आया, तो इसके तहत प्रदेश में साहसिक अभियानों को दिशा मिली और पहाड़ पर चढ़ता हर कदम अनुशासित हुआ, लेकिन अब यह भी सिमट कर रह गया है। हालांकि इस दौरान ट्रैकिंग व जलक्रीड़ाओं के साथ-साथ पैराग्लाइडिंग जैसे खेल तीव्र गति से चर्चित हुए हैं। हिमाचल में पहले बर्फबारी का आनंद बागबान व किसान उठाता था, फिर स्कीईंग होने लगी और अब अटल टनल समेत कई ट्रैक चर्चाओं में आ गए हैं। सिरमौर की चूड़धार, शिकारी देवी की पहाडियां और धौलाधार के ट्रैकिंग संदर्भ अब बर्फबारी के बीच रोमांच के खतरे पैदा कर रहे हैं। ऐसे में पर्यटन को करीब से अनुभव करने की ख्वाहिश और हर बार कुछ नया करने का साहस खतरे मोल ले रहा है। यही खतरे पैराग्लाइडिंग के नाम पर बिना शर्तों के बिक रहे हैं। पर्यटन में जोखिम उठाने का साहस एक सीमा तक सही है, लेकिन इसके आगे अगर छूट मिलेगी तो हर साहसिक खेल मौत का कुआं बन जाएगा। बेशक विश्व की सबसे बेहतरीन पैराग्लाइडिंग साइट बीड़ बीलिंग हिमाचल में है और इसके कारण पर्यटन का ताज पहने यह क्षेत्र न्यू डेस्टिनेशन के नाम से विख्यात हो गया, लेकिन प्रोफेशनल खेल और पर्यटन के मनोरंजन में अंतर है। हमें दोनों परिस्थितियों को ध्यान में रखकर पहाडियां विकसित करनी चाहिएं। टेकऑफ प्वाइंट का ढांचागत विकास और वहां आधारभूत सुविधाएं हमेशा उपलब्ध तथा बचाव कार्यों की देखरेख का ढांचा भी विकसित करना होगा। टेकऑफ प्वाइंट पर मैट जैसे प्रबंधन भी अगर मुकम्मल न हों और लैंडिंग साइट पर आवश्यक बंदोबस्त न हों, तो खतरे बिलिंग से इंद्रूनाग या कुल्लू तक एक समान होंगे। यह हवा और मौसम का खेल भी है, जिसे और वैज्ञानिक ढंग से संरक्षण मिलना चाहिए।

> रोमांच की राह पर हिमाचल पर्यटन की खूबियां जिस तरह से प्रचारित हो रही हैं, उससे सुरक्षा, बचाव व राहत की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। साहसिक खेलों में हिमाचल का होना दरअसल पर्यटन को नए आयाम पर ले जाना है, लेकिन ऐसे दोहन की शर्तें भी कबूल करनी होंगी। हम हर दिन देखते हैं कि किसी नई पहाड़ी पर पैराग्लाइडिंग हो रही है। अभी-अभी सरकाघाट के आकाश से छतरियां उतरी हैं, तो यह खूबसूरत नजारा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक पूरी व्यवस्था का अवतरण होना चाहिए। बेशक हिमाचल के हर हिस्से में यह खूबी है कि वहां पैराग्लाइडिंग, जल क्रीड़ाएं व ट्रैकिंग जैसे जोखिम उठाए जा सकते हैं। इसके अलावा आधुनिक साहसिक खेलों के उपकरण हिमाचल के निजी क्षेत्र को नित नए प्रयोग करने को प्रेरित कर रहे हैं। इनमें से कुछ साहसिक गतिविधियां पर्वतारोहण संस्थान, जबकि अन्य पर्यटन विभाग के अधीन चल रही हैं। पैराग्लाइडिंग और रिवर राफ्टिंग जैसे खेल पर्वतारोहण संस्थान के तहत चलने चाहिएं। भले ही साहसिक खेल पर्यटन का आकर्षण हैं, लेकिन इससे जुड़े दिशा-निर्देश, प्रशिक्षण व निरीक्षण सीधे-सीधे पर्वतारोहण संस्थान की दक्षता-विशेषता और विभागीय कसौटियों के तहत ही पूरे हो सकते हैं।

घाटी में 15% कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1% से नीचे होकर 0% की ओर बढ़ गई

कश्मीर से पंडितों के पलायन के चार दशक

प्रवीण गुगनानी

> कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देनें की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेनें लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे। भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे ये कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आतंकियों और अलगाववादियों के दुश्मन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपनें धीमे और छदम संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया।

कश्मीर के सर्वाधिक नए जन सांख्यिकीय आंकड़ों पर नजर डाले तो स्वतंत्रता के समय वहां घाटी में 15% कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1% से नीचे होकर 0% की ओर बढ़ गई है। हाल ही के इतिहास में कश्मीर के ज.स. सांख्यिकी में यदि परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक खोजें तो वह एक दिन, यानि 19 जनवरी 1990 के नाम से जाना जाता है। कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देनें की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेनें लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे। भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे ये कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आतंकियों और अलगाववादियों के दुश्मन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपनें धीमे और छदम संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया। इस भयानक नरसंहार पर फारुक अब्दुल्ला की रहस्यमयी चुप्पी और कश्मीरी पंडित विरोधी मानसिकता केवल इस घटना के समय ही सामने नहीं आई थी। तब के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला अपने पिता शेख अब्दुल्ला के क़दमों पर चलते हुए अपना कश्मीरी पंडित विरोधी आचरण कई बार सार्वजनिक कर चुके थे। 19 जनवरी 1990 के मध्ययुगीन, भीषण और पाशविक दिन के पूर्व जमात-ए-इस्लामी द्वारा कश्मीर में अलगाववाद को समर्थन करने और कश्मीर को हिन्दू विहीन करनें के उद्देश्य से हिज्बुल मुजाहिदीन की स्थापना हो गई थी। इस हिजबुल मुजाहिदीन नें 4 जनवरी 1990 को कश्मीर के स्थानीय समाचार पत्र में एक एक विज्ञप्ति प्रकाशित कराई जिसमें स्पष्टतः सभी कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ने की धमकी दी गई थी। इस क्रम में उधर पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री बेनजीर नें भी टीवी पर कश्मीरियों को भारत से मुक्ति पानें का एक भड़काऊ भाषण दे दिया। घाटी में खुले आम भारत विरोधी नारे लगनें लगे। घाटी की मस्जिदों में अजान के स्थान पर हिन्दुओं के लिए धमकियां और हिन्दुओं को खदेड़ने या मार-काट देने के जहरीले आव्हान बजनें लगे। एक अन्य स्थानीय समाचार पत्र अल-सफा ने भी इस विज्ञप्ति का प्रकाशन किया था। इस भड़काऊ, नफरत, धमकी,

हिंसा और भय से भरे शब्दों और आशय वाली इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के बाद कश्मीरी पंडितों में गहरें तक भय, डर घबराहट का संचार हो गया। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि तब तक कश्मीरी पंडितों के विरोध में कई छोटी बड़ी घटनाएं वहां सतत घाट ही रही थी और कश्मीरी प्रशासन और भारत सरकार दोनों ही उन पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे थे। 19जन. 1990 की भीषणता को और कश्मीर और भारत सरकार की विफलता को इससे स्पष्ट समझा जा सकता है कि पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर और दुकानों पर नोटिस चिपका दिए गए थे कि 24 घंटो के भीतर वे घाटी छोड़ कर चले जाएँ या इस्लाम ग्रहण कर कड़ाई से इस्लाम के नियमों का पालन करें। घरों पर धमकी भरें पोस्टर चिपकाने की इस बदनाम घटना से भी भारत और कश्मीरी सरकारें चेती नहीं और परिणाम स्वरुप पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर धूं-धूं जल उठे। तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला इन घटनाओं पर रहस्यमयी आचरण अपनाए रहे, वे कुछ करनें का अभिनय करते रहे और कश्मीरी पंडित अपनी ही भूमि पर ताजा इतिहास की सर्वाधिक पाशविक- बर्बर-क्रूरतम गतिविधियों का खुले आम शिकार होते रहे, घाटी में पहले से फैली अराजकता चरम पर पहुँच गई। कश्मीरी पंडितों के सर काटे गए, कटे सर वाले शवों को चौक-चौराहों पर लटकाया गया। बलात्कार हुए, कश्मीरी पंडितों की स्त्रियों के साथ पाशविक-बर्बर अत्याचार हुए। गर्म सलाखों शरीर में दागी गई और इज्जत आबरू के भय से सैकड़ों कश्मीरी पंडित स्त्रियों ने आत्महत्या करनें में ही भलाई समझी। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों के शवों का समुचित अंतिम संस्कार भी नहीं होनें दिया गया था, कश्यप ऋषि के संस्कारवान कश्मीर में संवेदनाएं समाप्त हो गई और पाशविकता-बर्बरता का वीभत्स नंगा नाच दिखा था। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और हिजबुल मुजाहिदीन ने जाहिर और सार्वजनिक तौर पर इस हत्याकांड का नेतृत्व किया था। ये सब एकाएक नहीं हुआ था, हिजबुल और अलगाववादियों का अप्रत्यक्ष समर्थन कर रहे फारुख अब्दुल्ला तब भी चुप रहे थे या कार्यवाही करनें का अभिनय मात्र कर रहे थे जब भाजपाई और कश्मीरी पंडितों के नेता टीकालाल टपलू की 14 सित. 1989 को दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। अलगाववादियों को कश्मीर प्रशासन का ऐसा वरद हस्त प्राप्त रहा कि बाद में उन्होंने कश्मीरी पंडित और श्रीनगर के न्यायाधीश एन. गंजू की भी हत्या की और प्रतिक्रिया होनें पर 320 कश्मीरी स्त्रियों, बच्चों और पुरुषों की हत्या कर दी थी। ऐसी कितनी ही ह्रदय विदारक, अत्याचारी और बर्बर घटनाएं कश्मीरी पंडितों के साथ घटती चली गई और दिल्ली सरकार लाचार देखती भर रही और उधर श्रीनगर की सरकार तो जैसे खुलकर इन आतताइयों के पक्ष में आ गई थी। इस पृष्ठभूमि में हिजबुल और जेकेएलएफ़ का दुस्साहस बढ़ना स्वाभाविक ही था और वह निर्णायक तौर पर कश्मीरी पंडितों की दुकानों-घरों पर 24 घंटे में घाटी छोड़ देनें या मार दिए जानें की धमकी के नोटिस चस्पां करनें की हद तक बढ़ गया। इसके बाद जो हुआ वह एक दुखद, क्षोभजनक, वीभत्स, दर्दनाक और इतिहास को दहला देनें वाले काले अध्याय के रूप में सामनें आया। अन्ततोगत्वा वही हुआ जो वहां के अलगाववादी, आतंकवादी हिजबुल और जेकेएलएफ़ चाहते थे। कश्मीरी पंडित पूर्व की घटनाओं, घरों पर नोटिस चिपकाए जानें और बेहिसाब कत्लेआम से घबराकर 19 जन. 1990 को हिम्मत हार गए। फारुख अब्दुल्ला के कुशासन में आतंकवाद और अलगाववाद चरम पर आकर विजयी हुआ और इस दिन साढ़े तीन लाख कश्मीरी पंडित अपनें घरों, दुकानों, खेतों, बागो और संपत्तियों को छोड़कर विस्थापित होकर दर-दर की ठोकरें खानें को मजबूर हो गए। कई कश्मीरी पंडित अपनों को खोकर गए, अनेकों अपनों का अंतिम संस्कार भी नहीं कर पाए, और हजारों तो यहाँ से निकल ही नहीं पाए और मार-काट डाले गए। विस्थापन के बाद का जो दौर आया वह भी किसी प्रकार से आतताइयों द्वारा दिए गए कष्टों से कम नहीं रहा कश्मीरी पंडितों के लिए। वे सरकारी शिविरों में नारकीय जीवन जीनें को विवश हुए।

दृष्टि कोण

प्रकृति की अप्रत्याशित और अबूझ विपदाएं

इसके बाद भी पूरा अमेरिका अपने एक महत्त्वपूर्ण नगर लॉस एंजिलिस में अपेक्षानुरूप अग्निदहन रोक पाने में विफल सिद्ध हुआ है। यह घटना जगत की संपूर्ण मानवजाति को यही शिक्षा देती दिख रही है कि प्रकृति व पर्यावरण का अत्यधिक अनुचित दोहन रोक दो, बंद कर दो। आश्चर्य ये है कि संपूर्ण विश्व में जब अधिसंख्य क्षेत्र शीतऋतु के प्रभाव में हैं और अमेरिका में भी शीताधिकता परिव्याप्त है, उस समयावधि में लॉस एंजिलिस के समीपस्थ पर्वत श्रृंखलाओं के वनों में आग लगना और इसका विनाशक बनकर फैलना, वैज्ञानिक विश्व की समझ से परे है। यह आग क्यों लगी, इसका ठोस कारण अभी तक ज्ञात नहीं हो पाया है। आग के तेजी से भडक़ने और फैलने का एकमात्र कारण तो तेज चलती हवा के रूप में स्पष्ट दिखाई देता है, किंतु यह भी आश्चर्य से कम नहीं कि ऐसी हवा इस मौसम में क्यों चल रही है। प्रायः इस मौसम में न तो ऐसा अग्निकांड ही अभिलेखित आधुनिक दुनिया में पहले कभी हुआ और न ही कभी ऐसी हवाएं चलीं, जिनके कारण वनाग्नि ने लाखों लोगों के आवास सहित उनका पूरा भौतिकीय जनजीवन ही ध्वस्ताधूत कर दिया हो। व्यतीत कुछ वर्षों में अमेरिका का अग्निकांड सबसे विचित्र प्राकृतिक विपदा है। दुनिया को प्राकृतिक अस्थिरता, असंतुलन एवं असहजता से ग्रस्त करने के मूकदोषी तथाकथित वैज्ञानिकों के लिए अग्निदहन का यह प्रसंग शोध का विषय होना चाहिए। वे इस पर शोध करेंगे भी। वे ही क्यों, दुनिया के सभी वैज्ञानिक अपने-अपने हितों व स्वार्थ सिद्धियों के लिए इस संदर्भ में शोधपरक अवश्य बनेंगे। ऐसे ही वर्तमान से पहले की असंख्य आपदाओं, विपदाओं और अतिवृष्टियों पर भी अनेक शोध होते रहे हैं, किंतु उनसे दुनिया के जनजीवन का भविष्य प्राकृतिक रूप में सुरक्षित नहीं हो सका है। दिन-प्रतिदिन और यहां तक कि एक दिन में भी प्रहर-प्रतिप्रहर पृथ्वी, नभ, जल, वायु, अग्नि का प्राचीन संतुलित चक्र विकृत होता जा रहा है। प्रति वर्ष एक ही ऋतु पृथक-पृथक ढंग से विद्रूप हो रही है। हरेक वर्ष ऋतुओं का अपना स्वरूप ही प्रतिकूल ढंग से परिवर्तित हो रहा है। उधर अमेरिका में शीतऋतु में अग्निकांड हो रहा है, तो इधर चीन में शीतजन्य एक नया विषाणु वातावरण में फैल चुका है। सन्‌2019 में चीन से प्रसारित कोरोना महामारी के बाद अब पुनः शीतऋतु के बदले हुए रूप में चीन में एक नया विषाणु फैल गया है। इसने वहां कई लोगों को रोगग्रस्त कर दिया है। वृद्धजन एवं बच्चे इससे अधिक प्रभावित हैं। इस कारण कई लोग अपने प्राण गंवा चुके हैं। दुनिया इसे चीन द्वारा फैलाया गया नया स्वास्थ्य संकट समझ रही है, किंतु संभवतः यह भी ऋतुविकृति का ही दुष्परिणाम प्रतीत हो रहा है। ऋतुओं की विकृतियों के उत्सर्जन, आवृत्ति और विघटन को पर्याप्त ढंग से समझने के लिए अभी अमेरिका, चीन या अन्य देशों के वैज्ञानिक व चिकित्सक सक्षम नहीं हैं। जैसे अमेरिका में फैली अग्नि के प्रामाणिक कारक अज्ञात हैं, वैसे ही चीन में नए विषाणु के उत्सर्जन के कारक भी अज्ञात ही हैं। इसी समयावधि में जापान भी भूकंप से प्रभावित हुआ है। वहां सुनामी आने की आशंकाएं भी प्रकट की जा रही हैं। वर्ष के आरंभिक माह में ही पूरी दुनिया में प्राकृतिक आपदाओं की अधिकता दिख रही है। शीत ऋतु में सामान्य व प्रचलित शीतजन्य कष्टों से तो जनजीवन घिरा ही हुआ है, साथ ही पर्यावरण की अप्रत्याशित और अबूझ विपदाएं भी जीवन को पूरी तरह असुरक्षित कर रही हैं। ऐसे में कर्ताधर्ताओं, धन-संसाधन संपन्न व्यक्तियों, पूंजीपतियों, शासकों को ही नहीं बल्कि लोगों को भी निरंतर अपने ह्रदय का पक्ष सुनना होगा। अब जीवित श्वास लेते मनुष्यों को बुद्धिमत्ता से अधिक आत्मचेतना के साथ जीवन-जगत के बारे में सोचना होगा। बुद्धि के दुष्परिणाम दिनोंदिन भीषण रूप में सामने आ रहे हैं। दुनिया का भौतिक विज्ञान व वैज्ञानिक कितनी ही विद्वता, व्यावसायिकता एवं सकारात्मकता के साथ लोककल्याण की दिशा में अपने प्रयोग करें, किंतु हर बार अंततः अभिशाप का विघटन ही लोकसमाज को झेलना पड़ता है। विज्ञान का वरदान पक्ष स्वप्नातीत हो चुका है। इसीलिए अब ह्रदय, आत्मा और संवेदना के साथ जीवन-यात्रा करने का समय आ चुका है। ऐसा करे बिना प्रकृति शांत नहीं होगी। यदि अभी इस समय से दुनिया मूलतत्त्वों से छेड़छाड़ न करने का संकल्प लेकर सादगी से जीवन जीना आरंभ करती है, तो ऐसे इस तरह चार-पांच सौ वर्षों तक जीने-रहने के अभ्यास के उपरांत कहीं जाकर प्राकृतिक संतुलन पुनस्र्थापित हो सकेगा। भारत में प्रकृति के पंचतत्त्वों को ईश्वर के संजीवित प्रतिनिधियों के रूप में पूजने का प्रचलन प्राकृतिक संतुलन के ध्येय हेतु सर्वोत्तम सार्वजनिक अभ्यास है।

कुछ अलग

श्रद्धांजलियों का महत्त्व...

फेसबुकिया संसार की कोई और खासियत हो या न, पर यह खासियत तो जरूर है कि फेसबुकिया भाई खुशी के मौके पर बधाई देने में कंजूसी कर जाएं तो कर जाएं, पर श्रद्धांजलि देने का मौका हाथ लगते ही अपरिचित को भी श्रद्धांजलि देने में देर नहीं लगाते। मुंह का कौर मुंह में तो हाथ का हाथ में। सच कहूं, लेखन में अब श्रद्धांजलियों के सिवाय मुझे और कुछ भी मौलिक नहीं दिख रहा। मेरे मरने के तुरंत बाद एक से बढक़र एक मनमोहक, लोमहर्षक श्रद्धांजलियां इधर उधर से आने लगीं तो मैं मरने के बाद भी चिहुक उठा। आप सच नहीं मानेंगे, पर यह सच है कि दो मिनट में ही फेसबुक पर मुझे दी जाने वाली श्रद्धांजलियों का ज्वार आ गया। देखते ही देखते फेसबुक हैंग होने लगी। तब मुझे पहली बार पता चला कि मेरे दोस्त मुझे श्रद्धांजलि देने को वाह ! कितने आतुर थे? सच्चे दोस्त वही होते हैं जो आपकी खुशी से जले भुने, पर ज्यों ही आप श्रद्धांजलि पाने के अधिकारी हो जाएं वे तमाम दूसरे जरूरी काम बंद कर सबसे पहले आपको मौलिक श्रद्धांजलि दें। अब सुरापान तो कर नहीं सकता था। इसलिए अपना अंतिम सिंगार किए जाने को लेकर पंडित जी के न आने तक मैं भी हल्के फुल्के कफन के नीचे अपने अमित्र मित्रों द्वारा मुझे दी जा रही श्रद्धांजलियों का मजे से रसपान करता रहा। हर श्रद्धांजलि को गौर से पढ़ता तो मरने के बाद भी कलेजा मुंह को आ जाता। कंबख्त साधारण से दोस्त भी दोस्त के मरने पर उसको श्रद्धांजलि देने को पता नहीं कहां से ऐसे ऐसे शब्द चुन चुन कर ला रहे थे? मित्रो ! मैंने अपने जीवित रहते अपने बहुत से मित्रों को श्रद्धांजलियां दी थीं। पर श्रद्धांजलियों में ऐसा काव्य सौष्ठव पहली बार देख रहा था। अपनी श्रद्धांजलि में कोई मुझे देवात्मा बात रहा था तो कोई ब्रह्मात्मा। कोई मुझे सादगी की साक्षात प्रतिमा बता रहा था तो कोई मुझे दोस्तों का दोस्त ! अपने साथ मुझे पल भर को भी न रखने वाला कोई सदा सदा को मेरे ईश्वर में लीन होने की कामना कर रहा था तो कोई मेरा जिंदगी भर एक भी आग्रह न मानने वाला भगवान से आग्रह कर रहा था कि वे मुझ ताउम्र के चरणजीवी को बिना किसी विरोध अपना चरणजीवी बनाएं। मरने के बाद भाई साहब ! चाहने वालों को तो छोड़िए, जो कभी सपने में भी न मिले हों, मत पूछिए वे भी मरने वाले के मरने पर उसको दी जाने वाली श्रद्धांजलियों के प्रति अहा ! कितने उदार हो जाते हैं? मुझ पर यकीन नहीं होता तो तनिक अपने मरने का स्वांग करते अफवाहों से चमचमाते सोशल मीडिया पर अपने दिवंगत होने की खबर फैला दीजिए। फिर देखिए अपने को मिलती श्रद्धांजलियों का कमाल ! इधर मैं था कि मरने के बाद भी उनकी श्रद्धांजलियां बटोरता बटोरता मरा जा रहा था। काश ! उस वक्त मेरे आसपास जो कोई दूसरा भी मरा होता तो उसे भी अपने हिस्से की श्रद्धांजलियां बटोरने में लगा देता। असल में मरने के बाद अपने मित्रों से मिली दिल खुश कर देने वाली ऐसी श्रद्धांजलियां ही तो मरने वाले की एकमात्र पूंजी होती हैं। मेरे मरने पर मुझे असीम एक से एक मौलिक, नूतन श्रद्धांजलियां देने वाले हे मेरे शुभचिंतको ! आपके लिए भगवान से मेरा बस यही निवेदन ! भगवान मेरे सिधारने पर मुझे मौलिक श्रद्धांजलियां देने वालों को भविष्य में इससे भी बेहतर श्रद्धांजलियां लिखने की शक्ति प्रदान करें। भगवान से मैं यह भी विनम्र निवेदन करता हूं कि मित्रों के दिवंगत होने के साथ साथ उनका श्रद्धांजलि लेखन कौशल श्रद्धांजलि श्रद्धांजलि निखरता जाए।

देश दुनिया से

संविधान में परिवर्तन के लिए क्या युवा तैयार हैं?

हाल का राजनीतिक-विकासात्मक, सृजनात्मक घटनाक्रम और उनसे उपजी विश्लेषणात्मक सोच यह प्रश्न भारत के युवाओं के पूछ रही है। पहली राजनीतिक घटना यह है कि कांग्रेस, मुख्य विपक्षी दल, एनडीए सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह संविधान में बदलाव करने जा रही है। वह भारतीय नागरिकों को इस संबंध में सचेत भी कर रही है। दूसरी घटना के रूप में हम प्रखर चिंतक और 'दिव्य हिमाचल' के सीएमडी भानु धमीजा की पुस्तक 'भारत में राष्ट्रपति प्रणाली : कितनी जरूरी, कितनी बेहतर' को ले सकते हैं। यह किताब भारत में बेहतर लोकतंत्र की स्थापना के लिए अमरीका की तरह की अध्यक्षात्मक सरकार की पैरवी करती है। तीसरी बात यह है कि भारतीय संविधान में कई संशोधनों के बावजूद अब तक गुणात्मक संशोधन नहीं हुए हैं। इसमें नागरिक महत्त्वाकांक्षाओं, विशेषकर युवा महत्त्वाकांक्षा, को ध्यान में रखते हुए गुणात्मक संशोधनों की जरूरत है। राजनीतिक घटनाक्रम को याद करें, तो कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल बार-बार आरोप लगा रहे हैं कि मोदी संविधान बदलने जा रहे हैं। इस पर सरकार पूछ रही है कि संविधान में 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द लिखाने वाले कौन लोग हैं, जबकि मूल संविधान में यह शब्द नहीं है। सरकार का आरोप है कि संविधान बदलने का कार्य तो कांग्रेस ने किया है। अब सवाल है कि संविधान में बदलाव होना चाहिए या नहीं? अमरीकी व ब्रिटिश संविधानों में बदलावों के नियमों को देखें, तो पहले वाला कठोर संविधान है, जबकि दूसरे वाला लचीला संविधान है। भावार्थ यह है कि अमरीका में मुश्किल से, जबकि ब्रिटेन में सरलता से संविधान संशोधन हो सकते हैं। जहां तक भारतीय संविधान की बात है, तो इसमें कुछ प्रावधान आसानी से बदले जा सकते हैं, किंतु कुछ प्रावधान ऐसे हैं जिन्हें बदलने के लिए विशेष बहुमत की जरूरत होती है। यह भी ध्यातव्य है कि 1973 में केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य केस में आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार संविधान में बदलाव तो हो सकता है, किंतु मूल ढांचे को नहीं बदला जा सकता है। तब से लेकर संविधान संशोधनों को लेकर यही अवधारणा बनी हुई है। किंतु विशेषज्ञों का मानना है कि विशेष बहुमत और रणनीतिक-कूटनीतिक प्रयासों के जरिए सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले को बदलकर मूल ढांचे में भी बदलाव किया जा सकता है। हालांकि इसके लिए दो संविधान संशोधनों की जरूरत पड़ेगी। पहले संशोधन के जरिए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को पलटा जा सकता है, और दूसरे संशोधन के जरिए मूल ढांचे में बदलाव किया जा सकता है। इसके अलावा नागरिक और युवा महत्त्वाकांक्षाएं तो बदलाव की पैरवी करती ही हैं। मेरा मानना है कि संविधान में संशोधन का अधिकार नई पीढ़ी को होना ही चाहिए, ताकि वह अपने समयानुकूल प्रासंगिक संशोधन कर सके। लेकिन संशोधन किन धाराओं में हो, कितनी सीमा तक हो, यह चिंतन का विषय है। यहां सवाल उठता है कि युवा पीढ़ी के मन में इस संबंध में क्या कोई बहस चल रही है? क्या वह भारतीय संविधान में संशोधन के लिए तैयार हो रही है? भारतीय संविधान में संशोधन करके 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द लिखने के संबंध में विश्लेषकों का सार है कि यह तत्कालीन सरकार, जिसे पूर्ण बहुमत प्राप्त था, का तत्कालीन परिस्थितियों में लिया गया फैसला था, अतः उचित माना जाना चाहिए। इसे सभी को स्वीकार करना चाहिए। लेकिन अब सवाल यह है कि अगर यही तर्क लेकर एनडीए सरकार, जिसे भी पूर्ण बहुमत हासिल है, संविधान में संशोधन करती है, तो क्या इस संबंध में भी यही तर्क दिया जाएगा, अथवा कुछ और? यह चिंतन का विषय है। जहां तक युवा महत्त्वाकांक्षाओं का सवाल है, तो यह पूछा जा सकता है कि रोजगार के अधिकार, जो अभी केवल निर्देशक सिद्धांतों में शामिल है, को मौलिक अधिकार क्यों न बनाया जाए? इसके लिए भी तो संविधान में संशोधन की जरूरत पड़ेगी। संविधान की कुछ पुरातन और

अप्रासंगिक हो चुकी धाराओं को भी बदलने की जरूरत महसूस की जा रही है। कुछ लोग पूरी तरह संविधान को बदलने की भी पैरवी कर रहे हैं। क्या प्रासंगिक और सीमित संशोधन ही हों, या संविधान को पूरी तरह बदल दिया जाए, यह चिंतन का विषय है। यह बात भी जाहिर है कि संविधान संशोधन का विषय मूलतः युवा पीढ़ी से जुड़ा है, अतः उसे ही कोई ठोस फैसला करना है। क्या भारतीय युवा पीढ़ी इसके लिए तैयार हो रही है? अगर वह तैयार हो रही है, तो क्या वह प्रासंगिक और सीमित संशोधन ही करेगी, अथवा पूरा संविधान बदलने की इजाजत देगी? इन मसलों पर चिंतन भारत के भविष्य के लिए ठीक रहेगा। मौलिक अधिकारों, मौलिक कत्र्तव्यों और राज्यनीति के निर्देशक सिद्धातों पर विचार करते हुए, नए युग के अनुरूप संशोधन किए जाने चाहिएं। अभिभावकों का मौलिक कत्र्तव्य है कि वे अपने बच्चों को शिक्षा दिलाएं। ऐसे ही अन्य कई मौलिक कत्र्तव्य भी हैं। कुछ मौलिक कत्र्तव्यों को न्यायसंगत बनाने की जरूरत है। रोजगार के अधिकार को निर्देशक सिद्धांतों की सूची से निकाल कर न केवल मौलिक अधिकार बना दिया जाना चाहिए, बल्कि इसके लिए माकूल बजट की व्यवस्था सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकार की पहली दस प्राथमिकताएं तय करने के लिए नवीन चिंतन किया जाना चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 39-बी और 39-सी में लिखा है कि सरकार ऐसी व्यवस्था करेगी कि देश के आर्थिक संसाधनों का न्यायोचित बंटवारा हो तथा भौतिक संपदा पर कुछ ही लोगों का एकाधिपत्य न हो। इन अनुच्छेदों को अनुच्छेद 14 व 19 में दिए गए मौलिक अधिकारों पर अधिमान दिया गया है। नागरिकों के आर्थिक अधिकारों को पुष्ट करने वाले सभी निर्देशक सिद्धांतों को भी न्यायसंगत बनाया जाना चाहिए, क्योंकि आर्थिक अधिकारों के बिना सच्चे लोकतंत्र की स्थापना महज एक कल्पना है। प्रो. के. टी. शाह ने तो कहा भी है कि निर्देशक सिद्धांत एक ऐसा चैक है जिसे बैंक अपनी सुविधा के अनुसार जारी करता है।

आप का नजरिया

ट्रंप के 'आपातकाल' फैसले

राष्ट्रपति बनते ही डोनाल्ड ट्रंप ने अमरीका की दक्षिणी सीमा, मैक्सिको बॉर्डर, पर आपातकाल घोषित कर दिया। वहां सेना भेजने की भी घोषणा की गई है। राष्ट्रपति ट्रंप के लिए अवैध घुसपैठियों का मुद्दा सबसे संवेदनशील है। अवैध प्रवासियों को उनके मूल देश तक अमरीका छोड़ कर ही दम लेगा। इनमें करीब 18,000 भारतीयों पर भी तलवार लटकी है, जो अवैध प्रवासी हैं। मैक्सिको बॉर्डर पर दीवार बनाने का काम तेज किया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान भी यह दीवार उनकी पहली प्राथमिकताओं में थी। मैक्सिको खाड़ी का नाम जल्द ही बदल कर 'अमरीका की खाड़ी' किया जाएगा। अमरीका में जो ड्रग तस्कर, माफिया किस्म के लोग सक्रिय हैं, उन्हें राष्ट्रपति ने 'आतंकवादी' घोषित कर दिया है। अमरीका पनामा नहर पर कब्जा करेगा। ट्रंप ने घोषणा की है कि हमने पनामा नहर 'तोहफे' के तौर पनामा को दी थी, लेकिन चीन इसका संचालन कर रहा है। हमने चीन को यह नहर नहीं दी थी, लिहाजा हम इसे वापस ले रहे हैं। क्या कब्जे की नीयत अमरीका-चीन में नए टकराव का सबब नहीं बनेगी? राष्ट्रपति ट्रंप ने 'एनर्जी इमरजेंसी' भी घोषित कर अपना मकसद साफ कर दिया है। अमरीका ऊर्जा-उत्पादन को बढ़ावा देगा और दुनिया के देशों को इसका निर्यात करेगा। अमरीका 'ग्रीन न्यू डील' को समाप्त करेगा। विद्युत-वाहनों की अनिवार्यता रद्द की जाएगी। इन वाहनों पर सबसिडी भी खत्म की जाएगी। पेट्रोल-डीजल की गाडियों को प्रोत्साहन देकर 'ऑटो उद्योग' को दोबारा जिंदा करेंगे। दूसरे देशों को समृद्ध बनाने के लिए अपने नागरिकों पर टैक्स लगाने के बजाय विदेशों पर अधिक टैरिफ और कर लगाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने सबसे महत्वपूर्ण घोषणा यह की है कि अमरीकी सेना स्वतंत्र रूप से अपने मिशन पूरे करेगी, लेकिन दूसरे देशों के युद्धों, टकरावों में अब सेना शामिल नहीं होगी। ट्रंप का संकेत स्पष्ट है, क्योंकि अमरीकी सेना विदेशी जमीन पर हस्तक्षेप करती रही है, लेकिन पराजित होकर, खाली हाथ उसे लौटना पड़ा है। ट्रंप के मुताबिक, हमारे लिए देश की सीमाओं की सुरक्षा करना पहली प्राथमिकता है। अमरीका दुनिया भर में अमन-चैन और स्थिरता का पक्षधर है। नए राष्ट्रपति अब 'शांति-पुरुष' की छवि बनाकर नोबेल पुरस्कार हासिल करना चाहते हैं? बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के आगाज पर कई संकेत दिए हैं कि वह आपातकाल, आक्रामक, परिवर्तनकारी, भिन्न, सौ फीसदी अमरीका फर्स्ट और युद्ध-विरोधी नीतियों के साथ आगे बढ़ेंगे। वह अमरीका को दोबारा मैन्युफैक्चरिंग का गढ़ बनाना चाहते हैं। अमरीका में महंगाई, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी को कम करना चाहते हैं, ताकि अमरीका फिर से 'महान देश' बन सके। पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन उनकी बगल में, दूसरी कतार में ही, बैठे थे और राष्ट्रपति ट्रंप उनकी सरकार की छीछालेदर कर रहे थे। ऐसा देश 'महान लोकतंत्र' नहीं बन सकता। ट्रंप ने 20 जनवरी को अमरीका का 'मुक्ति दिवस' घोषित किया। आखिर अमरीका किनसे मुक्ति पा रहा है? राष्ट्रपति ट्रंप बहुत जल्दी में लगते हैं। बताया जा रहा है कि वह करीब 200 आदेशों पर हस्ताक्षर करने वाले हैं।

बर्थराइट पॉलिसी बदलने के ट्रंप के आदेश के खिलाफ अमेरिका के 22 राज्य, मुकदमा दायर

वाशिंगटन, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के 22 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बर्थराइट पॉलिसी बदलने के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। यह पॉलिसी अमेरिका में जन्मे बच्चों को उनके माता-पिता के इमिग्रेशन स्टेटस को नजरअंदाज कर नागरिकता की गारंटी देती है। डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 जनवरी को शपथ ग्रहण के साथ जारी आदेश पर हस्ताक्षर किए जो अमेरिकी संविधान में बर्थराइट पॉलिसी को बदलने की बात करता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बर्थराइट पॉलिसी को लेकर दी गई मंजूरी कानूनी अड़चनों में फंसती दिख रही है। ट्रम्प ने देश की बर्थराइट पॉलिसी की यह कहते हुए आलोचना की थी कि यह नीति अवैध आव्रजन को प्रोत्साहित करती है। इसी वजह से दोबारा सत्ता में आते ही ट्रम्प ने इस नीति को बदलने संबंधी आदेश जारी कर दिए।

कौन-कौन से राज्य हैं खिलाफ

ट्रम्प के आदेश के साथ अमेरिका सहित दुनिया भर में हलचल मच गई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प के आदेश के खिलाफ कोलंबिया डिस्ट्रिक्ट और सैन फ्रांसिस्को के साथ 18 राज्यों ने फेडरल अदालत में मुकदमा कर दिया है। न्यू जर्सी और दो शहरों के साथ कैलिफोर्निया, मैसाचुसेट्स, कोलोराडो, कनेक्टिकट, डेलावेयर, हवाई, मेन, मैरीलैंड, मिशिगन, मिनेसोटा, नेवादा, न्यू मैक्सिको, न्यूयॉर्क, उत्तरी कैरोलिना, रोड आइलैंड, वर्मोंट और विस्कॉन्सिन भी ट्रम्प के आदेश के खिलाफ मुकदमे में शामिल हुए हैं। न्यू जर्सी के डेमोक्रेटिक अटॉर्नी जनरल मैट प्लैटकिन ने कहा कि राष्ट्रपतियों के पास व्यापक शक्तियां होती हैं लेकिन वे राजा नहीं होते।

कानूनी चुनौतियों का सामना करेंगे: व्हाइट हाउस

मुकदमा दायर होने के बाद व्हाइट हाउस की तरफ से कहा गया है कि वह अदालत में राज्यों का सामना करने के लिए तैयार है। इन मुकदमों को वामपंथी प्रतिरोध का विस्तार बताया।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल एपीएफ ने भारत और चीन की सीमा सुरक्षा के लिए 425 नए बॉर्डर आउट पोस्ट बनाने का प्रस्ताव रखा

काठमांडू। नेपाल की सीमा सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहे सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) ने भारत और चीन की सीमा पर 425 नए बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) बनाने का प्रस्ताव दिया है। इस समय एपीएफ के पास दोनों अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सिर्फ 254 सुरक्षा पोस्ट है, जो सीमा निगरानी के लिहाज से नाकाफी हैं। एपीएफ के आईजीपी राजू अर्याल ने बताया कि सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और सीमापार से अपराध नियंत्रण के लिए गृह मंत्रालय को भेजे प्रस्ताव में 425 नए बीओपी बनाने की बात कही गई है। उन्होंने बताया कि इनमें से 350 बीओपी भारत-नेपाल सीमा पर और शेष चीन की सीमा पर बनाए जाने का प्रस्ताव है।आईजीपी बताया कि हाल ही में भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) महानिदेशक के साथ हुई सीमा सुरक्षा संबंधी द्विपक्षीय बैठक में भी बीओपी स्थापना की आवश्यकता पर चर्चा की गई थी। सशस्त्र प्रहरी बल ने गृह मंत्रालय को सौंपी गई रिपोर्ट में कहा है कि इन बीओपी के साथ ही आवश्यक जनशक्ति, हथियार, सीसीटीवी कैमरा सहित अन्य सुरक्षा संयंत्र की आवश्यकता भी होगी।

इजराइली सेना प्रमुख का इस्तीफे का ऐलान, हमास हमले की विफलता की ली जिम्मेदारी

तेल अवीव। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी ने मंगलवार को अपने इस्तीफे का ऐलान किया। उन्होंने रक्षा मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि वह 06 मार्च को अपने पद से हटने का इरादा रखते हैं। हलेवी ने 2023 में दक्षिण इजराइल पर हमास के हमले को रोकने में सेना की विफलता की जिम्मेदारी ली है। आईडीएफ के प्रमुख हर्जी हलेवी ने कहा कि वह हमास हमले की जांच को 06 मार्च तक पूरा करेंगे और सेना को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सेना की अगली पीढ़ी के लिए नेतृत्व को सुचारू रूप से सौंपने की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाएगी। इस निर्णय के दौरान इजराइल और हमास के बीच युद्ध विराम लागू हो चुका है। समझौते के तहत दोनों पक्षों ने बंधकों की रिहाई का आदान-प्रदान किया है। हमास ने तीन इजराइली नागरिकों को रिहा किया, जबकि इजराइल ने 90 फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ दिया। हलेवी का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब इजराइल अपने सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने और भविष्य की चुनौतियों से निपटने की तैयारी कर रहा है। उनका यह कदम सेना में नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि गाजा में इजराइल और हमास के बीच इस साल 19 जनवरी से युद्ध विराम लागू है। युद्ध विराम समझौते के तहत हमास ने तीन इजराइली बंधकों को रिहा किया। जिसके बदले में इजराइल की तरफ से 90 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया गया था।

पुतिन और शी जिनपिंग के बीच फोन पर बातचीत, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने अपने देशों के बीच बढ़ते सहयोग और साझेदारी पर चर्चा की। उन्होंने व्यापार, ऊर्जा और वैश्विक स्थिरता के मुद्दों पर अपने संबंधों को और मजबूत करने का संकल्प लिया। दोनों नेताओं की यह वार्ता ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका में नई सरकार ने कार्यभार संभाला है। बातचीत में पुतिन और शी ने वैश्विक बहुध्रुवीय व्यवस्था को बढ़ावा देने और सुरक्षा में सहयोग करने की प्रतिबद्धता दोहराई। विशेष रूप से, चीन रूस का प्रमुख ऊर्जा उपभोक्ता बन गया है और पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच एक महत्वपूर्ण तकनीकी भागीदार के रूप में उभरा है। शी के साथ फोन पर बातचीत को लेकर पुतिन ने कहा कि रूस-चीन संबंध साझा हितों, समानता और आपसी लाभों पर आधारित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये संबंध अंदरूनी राजनीतिक कारकों और मौजूदा अंतरराष्ट्रीय माहौल पर निर्भर नहीं है।

अमेरिका के बाहर निकलने के बाद चीन ने डब्ल्यूएचओ के प्रति जताया दृढ़ समर्थन

बीजिंग, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

चीन ने मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रति अपना दृढ़ समर्थन व्यक्त किया है। चीन की ओर से यह अभिव्यक्ति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के निकाय से बाहर निकलने की घोषणा के बाद आई है।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को अपने शपथ ग्रहण के तुरंत बाद डब्ल्यूएचओ से अमेरिका को अलग करने की प्रक्रिया शुरू करने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप ने कोविड-19 संकट से ठीक से नहीं निपटने और सुधारों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए अमेरिका को विश्व स्वास्थ्य निकाय से अलग किया। पांच साल से भी कम समय में दूसरी बार अमेरिका ने विश्व निकाय से बाहर निकलने का आदेश दिया है। ट्रम्प के इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मंगलवार को कहा कि चीन अपने कर्तव्यों को पूरा करने में विश्व स्वास्थ्य निकाय का समर्थन करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय संगठन के रूप में, डब्ल्यूएचओ वैश्विक स्वास्थ्य प्रशासन में एक केंद्रीय समन्वय भूमिका निभाता है, और इसकी भूमिका को मजबूत किया जाना चाहिए, न कि कमजोर किया जाना चाहिए। गुओ ने कहा कि चीन हमेशा की तरह अपने कर्तव्यों को पूरा करने में डब्ल्यूएचओ का समर्थन करेगा, अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य सहयोग को गहरा करेगा, वैश्विक स्वास्थ्य प्रशासन को मजबूत करेगा और सभी के लिए स्वास्थ्य के वैश्विक समुदाय के निर्माण को बढ़ावा देगा।

ट्रंप के फैसले से हटने पर ड्ड॥ह को खेद, पुनर्विचार की उम्मीद

दूसरी ओर, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसी से हटने की संयुक्त राज्य अमेरिका की घोषणा पर खेद व्यक्त किया और अमेरिकियों सहित दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा में डब्ल्यूएचओ के महत्व पर जोर दिया है। साथ ही फैसले पर पुनर्विचार करनेकीउम्मीदजताई। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने एक्स पर बयान जारी कर कहा- विश्व स्वास्थ्य संगठन को इस घोषणा पर खेद है कि संयुक्त राज्य अमेरिका संगठन से बाहर निकलने का इरादा रखता है।

रिपोर्ट में खुलासा: छोटी संतान ही सबसे चहेती होती है माता पिता की

वाशिंगटन। अमेरिका के ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर की स्टडी रिपोर्ट में पता चला है कि घर के छोटे बच्चों को माता पिता ज्यादा प्यार करते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि बड़े बच्चों को अक्सर अधिक स्वतंत्रता दी जाती है और जैसे-जैसे वे बड़े होते जाते हैं उन पर माता-पिता का नियंत्रण कम होने लगता है। कई अध्ययनों के बाद इस रिपोर्ट को तैयार किया गया है।
दरअसल, अमेरिका के ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर अलेक्जेंडर जेन्सेन की समीक्षा रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि माता-पिता बेटियों और अपनी बातों से सहमति रखने वाले बच्चों के प्रति पक्षपाती हो सकते हैं, लेकिन उनकी तुलना में छोटे भाई-बहनों के प्रति आम तौर पर उनका अधिक अनुकूल व्यवहार मिलता है। बड़े बच्चों को अक्सर अधिक स्वतंत्रता दी जाती है और जैसे-जैसे वे बड़े होते जाते हैं, उन पर माता-पिता का नियंत्रण कम होने लगता है। पारिवारिक संरचना का विश्लेषण करने वाले 30 अध्ययनों और 14 डाटा बेस की समीक्षा में यह बात उजागर हुई। यह समीक्षा साइकोलॉजिकल बुलेटिन पत्रिका में प्रकाशित हुई है। इस समीक्षा में विचार-विमर्श के लिए लगभग 19,500 लोगों को शामिल किया गया। समीक्षा के मुख्य लेखक अलेक्जेंडर जेन्सेन ने कहा कि दशकों से शोधकर्ताओं को यह पता है कि माता-पिता द्वारा अलग-अलग व्यवहार से बच्चों पर दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं। बच्चों को पक्षपात का करना पड़ता है सामना जेंसन ने कहा, यह अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है कि किन बच्चों को पक्षपात का सामना करना पड़ सकता है, जो सकारात्मक और नकारात्मक दोनों हो सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, माता-पिता किस बच्चे को दूसरे से ज्यादा पसंद करते हैं- यह पक्षपात कई तरीकों से व्यक्त हो सकता है, जैसे कि वे बच्चों के साथ कैसे बातचीत करते हैं, वे उन पर कितना पैसा खर्च करते हैं, या वे उन पर कितना नियंत्रण रखते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि अलग-अलग व्यवहार से बच्चों के विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। खासकर कम पसंद किए जाने वाले बच्चे पर। साथ ही परिवार के रिश्तों में तनाव भी पैदा हो सकता है। बहरहाल, इस निष्कर्ष पर पहुंचने के उद्देश्य से किए गए अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं की टीम ने व्यवहार की समग्रता, बातचीत और नियंत्रण सहित कई पहलुओं पर गौर किया। उन्होंने यह भी विश्लेषण किया कि जन्म क्रम के आधार पर, लिंग के आधार पर और व्यक्तित्व लक्षण के आधार पर माता-पिता ने बच्चों से किस तरह का बर्ताव किया।

सीमा के पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर की विदेश मंत्री से गुहार....मुझे न्याय दिला दो

लौहार, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाल के रास्ते में इंडिया में प्रवेश करने वाली पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर फिर से चर्चा में हैं। इस बार सीमा अपने पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर की वजह से सुर्खियों में हैं। गुलाम ने वीडियो संदेश जारी कर विदेश मंत्री एस. जयशंकर से न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

हैदर ने जयशंकर से अपने बच्चों से मिलवाने की गुहार लगाई है। सीमा अपने बच्चों के साथ भारत आ गई थीं। सीमा को पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया था, लेकिन बाद में उन्हें जमानत पर छोड़ दिया गया था। फिलहाल वह अपने सोशल मीडिया दोस्त सचिन मीणा के साथ ही रह रही हैं।

उनका दावा है कि उन्होंने सचिन शादी कर ली है। दरअसल सीमा साल 2023 में अपने चार बच्चों के साथ प्रेमी संग रहने भारत आई थीं। अब उनके पाकिस्तानी पति हैदर ने भारत सरकार से अपील की है कि वे उसे अपने बच्चों से मिलने और उसकी कस्टडी दिलाने में मदद करे।

बता दें कि सीमा पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जैकोबाबाद निवासी हैं। सीमा के पहले पति गुलाम हैदर ने हाल ही में एक वीडियो संदेश में विदेश मंत्री जयशंकर से न्याय दिलाने की अपील की है।

वीडियो संदेश में हैदर ने दावा किया कि उनका मामला पिछले एक साल से कोर्ट में लंबित है। वे साल 2023 से अपने बच्चों को नहीं देख सके हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर से न्याय दिलाने की अपील करता हूं। हैदर ने आरोप लगाया कि उनके बच्चे अपनी मां की वजह से भारत में फंसे हुए हैं। इतना ही नहीं हैदर का दावा हैं कि सीमा जबरन उनके बच्चों के नाम और धर्म बदलने की कोशिश कर रही हैं।

सीमा के पाकिस्तानी पति हैदर ने अपने वीडियो संदेश में दावा किया कि वे प्रमुख पाकिस्तानी वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता अंसार बर्नी की मदद से साल 2023 के अंत से अपने बच्चों की कस्टडी हासिल करने की कोशिश कर रहा है। पिछले साल फरवरी में बर्नी ने पुष्टि की थी कि हैदर ने मदद के लिए उनसे संपर्क किया था और भारतीय अदालतों में कानूनी कार्यवाही शुरू करने के लिए एक भारतीय वकील को हायर किया था। हालांकि, यह मामला फिलहाल लंबित है। गुलाम हैदर ने बताया कि उन्होंने एक भारतीय वकील (अली मोमिन) को नियुक्त किया और भारतीय अदालतों में कानूनी कार्यवाही शुरू करने के लिए पावर ऑफ अटॉर्नी भी भेज दी है।

इजराइली हमले में जली कार

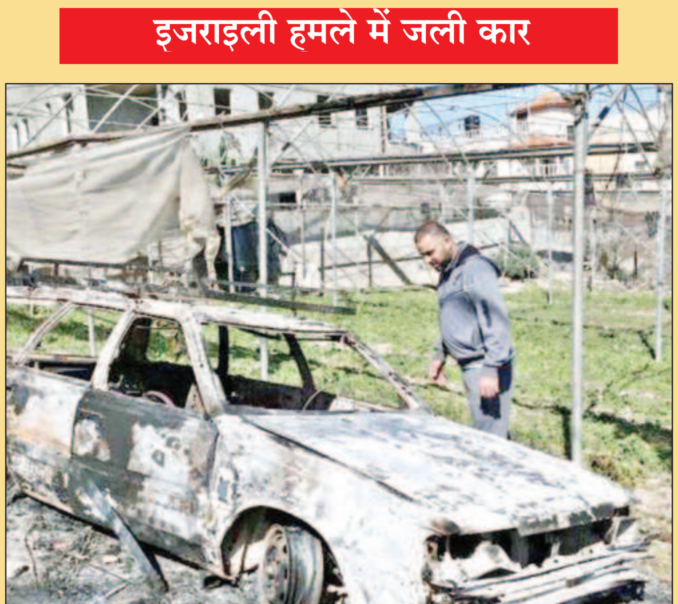

वेस्टबैंक इलाके में एक व्यक्ति हजरायली हमले में जली हुई कार को देखते हुए।

रूस पर भड़के ट्रंप बोले- नहीं माने पुतिन तो सब कुछ कर दूंगा बैन

वाशिंगटन, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऐक्शन मोड में हैं। वे रोज नए आदेश और नए बयान दे रहे हैं। हाल ही में उन्होंने यूक्रेन के साथ जारी युद्ध को लेकर रूस को चेतावनी जारी कर दी है। उन्होंने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन को डील करने के लिए कहा है।

खास बात है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले ही ट्रंप दावा कर रहे हैं कि वह यूक्रेन और रूस में युद्ध को खत्म करा सकते हैं। दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष को 3 साल पूरे होने को हैं। बता दें कि सोमवार को भी ट्रंप ने कहा था कि रूसी राष्ट्रपति को डील कर लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वह डील न करके रूस को तबाह कर रहे हैं। मंगलवार को ट्रंप ने कहा है कि अगर पुतिन यूक्रेन में युद्ध खत्म करने को लेकर बातचीत से इनकार कर देते हैं, तो वह रूस पर प्रतिबंध लगा सकते हैं। हालांकि, प्रतिबंध कौन से हो सकते हैं, इसे लेकर उन्होंने जानकारी नहीं दी है। इससे पहले भी अमेरिकी सरकार युद्ध को लेकर ही रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगा चुकी है। उन्होंने यह भी कहा, हम जेलेंस्की से बात कर रहे हैं। हम जल्द ही राष्ट्रपति पुतिन से बात करने जा रहे हैं। ट्रंप ने यह भी बताया है कि उन्होंने यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी हस्तक्षेप करने के लिए कहा है। ट्रंप से जवाब सवाल किया गया कि अगर रूसी राष्ट्रपति बातचीत के लिए तैयार नहीं होते हैं, तो क्या अमेरिका प्रतिबंध लगाएगा। इसपर उन्होंने जवाब दिया, ऐसा हो सकता है।

ट्रंप के शपथ लेने के एक दिन बाद पुतिन ने मंगलवार को जिनपिंगबातचीत में पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि रूस-चीन संबंध साझा हितों, समानता और पारस्परिक लाभ पर आधारित हैं। इस दौरान दोनों नेताओं ने उल्लेख किया कि उनके ये संबंध आंतरिक राजनीतिक कारकों और वर्तमान अंतरराष्ट्रीय माहौल पर निर्भर नहीं हैं। से फोन पर बात की और दोनों देशों के करीबी संबंधों पर जोर दिया। हालांकि, किसी भी नेता ने टेलीविजन पर प्रसारित बातचीत के अंश में सीधे तौर पर ट्रंप का उल्लेख नहीं किया, लेकिन बातचीत का समय यह संकेत दे सकता है कि पुतिन और जिनपिंग नए अमेरिकी प्रशासन के साथ चर्चा में अपनी बातों में समन्वय करना चाहते हैं।

क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक, डॉ. जयशंकर की अमेरिकी समकक्ष व एनएसए के साथ द्विपक्षीय बैठक

वाशिंगटन, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण के बाद मंगलवार को क्वाड के विदेश मंत्रियों की अहम बैठक हुई जिसमें अमेरिका के नवनियुक्त विदेश मंत्री मार्को रुबियो, भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और जापान एवं ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों ने हिस्सा लिया। जापान की तरफ से ताकेशी इवाया और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व किया।

चार देशों के समूह क्वाड का उद्देश्य इंडो पैसिफिक क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना है। बैठक के बाद जारी साझा बयान में कहा गया कि, हम चारों देशों का दृढ़ विश्वास है कि समुद्री क्षेत्र सहित सभी क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय कानून, आर्थिक अवसर, शांति,

स्थिरता और सुरक्षा, भारत-प्रशांत के लोगों के विकास और समृद्धि को दर्शाता है। हम किसी भी एकतरफा कार्रवाई का दृढ़ता से विरोध करते हैं जो बलपूर्वक या जबरदस्ती यथास्थिति को बदलने का प्रयास करती है। साथ ही कहा, हम बढ़ते खतरों के बावजूद क्षेत्रीय समुद्री,आर्थिक और तकनीकी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने एक्स पर साझा किए गए पोस्ट में लिखा, वाशिंगटन डीसी में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। हमारी चर्चाओं में बड़े पैमाने पर सोचने, एजेंडे को मजबूत करने और आपसी सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई गई। की बैठक साफ संदेश देती है कि अनिश्चित और अस्थिर दुनिया में क्वाड वैश्विक भलाई के लिए एक ताकत बना रहेगा। क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद अमेरिका के नव नियुक्त विदेश मंत्री रुबियो और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज की डॉ. जयशंकर के साथ पहली द्विपक्षीय बैठक हुई। करीब एक घंटे चली बैठक में अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा मौजूद थे। रुबियो और जयशंकर बैठक के बाद फोटो सेशन के लिए प्रेस के सामने आए और हाथ मिलाया।

रोज शराब पीने से लिवर, मुंह, भोजन की नली में कैंसर होने का खतरा

वाशिंगटन। शराब पीना सेहत के लिए हानिकारक है इससे कई बीमारियों का जन्म होता है लेकिन अब तक यह माना जाता था कि शराब का सेवन कम मात्रा में किया जाए तो इससे दिल की बीमारियों का खतरा कम रहता है, लेकिन एक अध्ययन ने इस धारणा को पूरी तरह खारिज कर दिया है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चाहे शराब कम या ज्यादा मात्रा में पी जाए इससे शरीर पर बुरा असर पड़ता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक शराब पीने से सात तरह के कैंसर समेत 19 खतरनाक बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि रोजाना शराब का सेवन करने से लिवर, मुंह, भोजन की नली और कोलन जैसे कैंसर का खतरा रहता है। शराब के सेवन से डीएनए में म्यूटेशन होता है, जिससे कोशिकाओं में असामान्य परिवर्तन होते हैं और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां पैदा हो सकती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब का सेवन मृत्यु का जोखिम बढ़ाता है और शराब पीने से होने वाली बीमारियों का इलाज भी मुश्किल हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक जो पुरुष और महिलाएं हफ्ते में केवल एक बार शराब पीते हैं, उनके लिए कोलन कैंसर का खतरा 16 फीसदी बढ़ जाता है। इसके साथ ही भोजन की नली में होने वाले कैंसर का खतरा भी 6 फीसदी बढ़ जाता है।

जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले से पहले रोहित शर्मा ने नेट्स पर बहाया पसीना

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच से पहले अपनी घरेलू टीम मुंबई के साथ जमकर नेट्स पर अभ्यास किया। जम्मू-कश्मीर के खिलाफ यह मैच 23 से 26 जनवरी तक मुंबई के बीकेसी स्थित शरद पवार क्रिकेट अकादमी में खेला जाएगा।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने बुधवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर रोहित शर्मा की नेट्स पर अभ्यास करते एक तस्वीर पोस्ट की। इसके साथ कैप्शन लिखा द हिटमैन शो।

गत चैंपियन मुंबई की टीम गुरुवार से जम्मू-कश्मीर के खिलाफ बीकेसी के शरद पवार क्रिकेट अकादमी में मैच खेलेगी। मैच के लिए रोहित शर्मा को मुंबई की 17 सदस्यीय टीम में शमिल किया गया है। उनके साथ युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी शामिल किए गए हैं। रोहित पिछले 10 साल में पहली बार रणजी ट्रॉफी का मैच खेलेंगे। रोहित ने मुंबई के लिए आखिरी बार रणजी ट्रॉफी मैच 2015 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था।

खराब फॉर्म से गुजर रहे रोहित ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में खेलने के लिए खुद को उपलब्ध बताया था। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज और फिर चैंपियंस ट्रॉफी खेलनी है। ऐसे में रोहित का फॉर्म में वापस आना बेहद जरूरी है।

जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के लिए मुंबई टीम:

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, आयुष म्हात्रे, श्रेयस अय्यर, सिद्धेश लाड, शिवम दुबे, हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), आकाश आनंद (विकेटकीपर), तनुष कोटियन, शम्स मुलानी, हिमांशु सिंह, शार्दुल ठाकुर, मोहित अवस्थी, सिलवेस्टर डिसूजा, रोयस्टन डियाज, कर्ष कोठारी।

38वें राष्ट्रीय खेलों की तैराकी प्रतियोगिता के लिए हल्द्वानी में विशेष प्रशिक्षण शुरू

देहरादून। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियां जोरों पर हैं। खेल विभाग इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम हल्द्वानी में खिलाड़ियों के लिए तैराकी का विशेष प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है। प्रशिक्षण में उत्तराखंड के अलावा अन्य राज्यों से भी खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा और प्रदर्शन के लिए स्विमिंग पूल में विशेष पूल हीटिंग सिस्टम भी लगाया गया है, ताकि ठंड के मौसम में भी खिलाड़ी बिना किसी बाधा के प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। यह कदम खिलाड़ियों को उनकी तकनीक और सहनशक्ति को और बेहतर बनाने में मदद करेगा। खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि खेलों में तैराकी की प्रतियोगिता आयोजित करना एक चुनौती थी। तैराकी के लिए स्विमिंग पूल समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं की जरूरत थी। विशेष रूप से सर्दी के मौसम में भी पूल के तापमान को 22 डिग्री के आसपास रखना जरूरी था। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर स्विमिंग पूल तैयार किया गया और अब उत्तराखंड तैराकी के क्षेत्र में भी आगे बढ़ेगा।

न्यूज ब्रीफ

बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने 11 से 16 फरवरी तक चीन के किंगदाओ में होने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए 14 सदस्यीय मजबूत भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पेरिस ओलंपिक सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन 14 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। भारत ने 2023 में दुबई में आयोजित चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में कांस्य पदक जीता था और इस बार उसका लक्ष्य उस प्रदर्शन में सुधार करना होगा।भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने बीएआई ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है, जहां टीमों की गहराई और गुणवत्ता का परीक्षण किया जाता है। हमने दो साल पहले कांस्य पदक जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन इस साल हमारा लक्ष्य फाइनल तक पहुंचना है और फिर कुछ भी संभव है, हम पूरी ताकत लगाएंगे। बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम: पुरुष: लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, ध्रुव कपिला, एमआर अर्जुन, सतीश कुमार के महिलाएं: पीवी सिंधु, मालविका बंसोड़, गायत्री गोपीचंद, ट्रीसा जॉली, अश्विनी पोनप्पा, तनीषा क्रैस्टो, आद्या वारियथ।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप टोक्यो 25 के लिए ऑफिशियल मोटो और विजुअल आईडेंटिटी की घोषणा

टोक्यो। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप टोक्यो 25 (डब्ल्यूसीएच टोक्यो 25) की स्थानीय आयोजन समिति ने बुधवार को इस वर्ष के बहुप्रतीक्षित आयोजन के लिए आधिकारिक मोटो (आदर्श वाक्य) और विजुअल आईडेंटिटी (दृश्य पहचान) का अनावरण किया। विजुअल आईडेंटिटी को एक आधिकारिक पोस्टर द्वारा दर्शाया गया है जो एक खेल के रूप में एथलेटिक्स की गतिशीलता का एक शक्तिशाली दृश्य प्रतिनिधित्व करता है और इसे दुनिया भर के दर्शकों को लुभाने और प्रेरित करने के लिए डिजाइन किया गया था। पोस्टर में चैंपियनशिप के 20वें संस्करण का आधिकारिक आदर्श वाक्य दिखाया गया है; हर सेकेंड, सुगोई। डब्ल्यूसीएच टोक्यो 25 का आधिकारिक आदर्श वाक्य, हर सेकंड, सुगोई, एक शक्तिशाली संदेश देता है – जो जापानी शब्द (अद्भुत, असाधारण) को विस्मय और प्रेरणा की वैश्विक अभिव्यक्ति बनाने की आकांक्षा रखता है।

राष्ट्रीय खेलों में उप्र को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद, 31 खेलों में 340 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

लखनऊ। उत्तराखंड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए उत्तर प्रदेश ने अब तक की सबसे अच्छी तैयारी की है। 28 जनवरी से 14 फरवरी तक होने वाले खेलों के लिए उप्र से 31 खेलों के 340 खिलाड़ी हिस्सा लेने जाएंगे। इसमें सबसे ज्यादा एथलेटिक्स के 50 खिलाड़ी होंगे। इसके अलावा खिलाड़ियों के कोच और मैनेजमेंट भी सलाह देने व व्यवस्था के लिए वहां जाएगा। खास बात यह है कि एथलेटिक्स में जाने वाले खिलाड़ियों में पुरुष की अपेक्षा महिला खिलाड़ी ज्यादा है। 23 पुरुष खिलाड़ी तो 27 महिला खिलाड़ी अपना जौहर दिखायेंगे। इसके अलावा तैराकी, तीरंदाजी, बैडमिंटन, बास्केटबाल, बाक्सिंग, कयाकिंग, कयाकिंग केनोइंग, साइकिलिंग, तलवारबाजी, जिम्नास्टिक, हैंडबाल, बीच हैंडबाल, हाकी, जूडो,कबड्डी, बीच कबड्डी, मलखंभ, रोइंग, शूटिंग, स्क्वाश, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, टेनिस, ट्रायथलान, बीच वालीबाल, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, वुशू, योगासन, कलारीपयट्टी, मार्डर्न पेंटाथलान खेल में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इन खेलों में 195 पुरुष और 145 महिला खिलाड़ी हैं। वहीं इन खिलाड़ियों के साथ 94 आफिशियल लोग भी रहेंगे। इस संबंध में उप्र ओलंपिक संघ के महासचिव आनंदेश्वर पांडेय ने बताया कि इस बार ज्यादा संख्या में गोल्ड आने की उम्मीद है।

केन्द्रीय खेल मंत्री मांडविया ने खो-खो विश्व कप विजेता भारतीय टीमों को सम्मानित किया

पारंपरिक खेल लचीलापन, सामुदायिक भावना को दर्शाते हैं : मांडविया

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

केन्द्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बुधवार को नई दिल्ली में विश्व कप विजेता भारतीय खो-खो टीमों को सम्मानित किया। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 19 जनवरी को खेले गए पहले खो-खो विश्व कप का खिताब जीतकर भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने इतिहास रच दिया। दोनों टीमों ने अपने-अपने फाइनल में नेपाल को हराया था।

बुधवार को पुरुष और महिला खो-खो टीमों के पूरे खिलाड़ियों से केन्द्रीय खेल मंत्री मांडविया ने मुलाकात की। खिलाड़ियों के साथ कोच, भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल और मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके प्रदर्शन की सराहना की।

देश में पारंपरिक खेलों के बारे में बात करते हुए केन्द्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि पारंपरिक खेल लचीलापन, सामुदायिक भावना को दर्शाते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये हमारे पारंपरिक खेल मूल्यों को बनाए रखते हैं। दुनिया को इन पारंपरिक खेलों की समृद्धि से बहुत कुछ सीखना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सभी हितधारकों की जीत का सिलसिला जारी रहना चाहिए, जिसका नवीनतम लक्ष्य 2026 एशियाई खेल हैं। हमने खो-खो विश्व कप के आयोजन में शानदार काम किया और हमें यह प्रयास करने की जरूरत है कि इन खिलाड़ियों को एशियाई खेलों में खेलने का मौका मिले। सरकार का प्रयास भी खो-खो को 2036 ओलंपिक खेलों में ले जाना है। इसके लिए खिलाड़ियों और कोचों को बेहतर प्रदर्शन करते रहना होगा। महासंघ को अच्छा प्रबंधन करते रहना होगा और खेल मंत्रालय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में सहायता और सहयोग करता रहेगा। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित खो-खो विश्व कप 2025 में भाग लेने वाले 23 देशों में से भारत शीर्ष पर रहा। इसका श्रेय काफी हद तक भारतीय खेल प्राधिकरण जेएलएन स्टेडियम में महीने भर चलने वाले शिविर को दिया जाता है।

भारतीय महिला खो-खो टीम के मुख्य कोच सुमित भाटिया ने बताया कि 10 दिसंबर को हमने 60 खिलाड़ियों के साथ जेएलएन स्टेडियम में शिविर शुरू किया। उनमें से, हमने पुरुष और महिला टीम के लिए 15-15 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने। टीमों में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के खिलाड़ी शामिल थे और शिविर ने उन्हें टीम के बीच तालमेल बिठाने में मदद की। भाटिया ने कहा कि खिलाड़ियों को पहली बार खेल विज्ञान परीक्षण से गुजरना पड़ा और उन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण की ओर से सर्वोत्तम आहार और आवास सुविधाएं प्रदान की गईं। इसने हमारी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चार साल बाद इंग्लैंड में होने वाले विश्व कप के अगले संस्करण के साथ, हम पोडियम के शीर्ष पर फिर से भारत का झंडा फहराने का प्रयास करेंगे।

अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप : इंग्लैंड ने अमेरिका को आठ विकेट से हराया

जोहोर, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

इंग्लैंड ने बुधवार को यहां हए अंडर-19 महिला टी-20 मुकाबले में अमेरिका को आठ विकेट से हरा दिया है। इस मैच में इंग्लैंड की जीत में डेविना पेरिन के अर्धशतक 74 रनों और टुडी जॉनसन के नाबाद 44 रनों की अहम भूमिका रही। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेरिकी टीम ने 20 ओवरों में पांच विकेट पर 119 रन बनाये। इंग्लैंड की ओर से प्रिशा थानावाला, टुडी जॉनसन ने दो-दो विकेट लिये।

टिली कॉर्टीन-कोलमैन ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद इंग्लैड ने लक्ष्य 14.2 ओवर में दो विकेट पर 120 रन बनाकर ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ओवर की दूसरी गेंद पर ही एरिन थॉमस का का विकेट खो दिया। एरिन ने अपना खाता भी नहीं खोला था। इसके बाद टुडी जॉनसन ने डेविना पेरिन के साथ पारी को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 117 रनों की शतकीय साझेदारी हुई। अमेरिकी गेंदबाज पूजा शाह ने डेविना पेरिन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। डेविना पेरिन ने 45 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के के साथ ही 74 रन बनाये। वहीं जॉनसन 44 रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड ने 14.2 ओवर में दो विकेट पर 120 रन बनाकर मुकाबला मुकाबला अपने नाम किया। अमेरिका की ओर से माही माधवन और पूजा शाह ने एक-एक विकेट लिया। वहीं इससे पहले इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाज करते हुए अमेरिका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 29 के स्कोर तक अपने तीन विकेट खो दिए थे।

वैभव ने की शानदार बल्लेबाजी, राज गार्डेन पहुंचा सेमीफाइनल में

लखनऊ, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डीविजन के क्वार्टर फाइनल मैच में मल्टी फेसीलिटी क्रिकेट को हराकर राज गार्डेन ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस मैच में वैभव यादव ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 53 रन बनाये। राज गार्डेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में पांच विकेट गवांकर 217 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज प्रमोद कुमार ने 26 रन का योगदान दिया। वहीं शिवम ने 31 रन बनाये। वहीं अविनाश यादव ने पांच चौकों की मदद से 51 रन बनाये। वहीं वैभव यादव ने नौ चौकों की मदद से 53 बाल पर 53 रन का योगदान दिया। अनुज ने 34 रन बनाये। वहीं मल्टी फेकेल्टी की पूरी टीम 214 रन बनाकर आउट हो गयी और राज ने तीन रन से मैच को जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अपनी टीम में सबसे अधिक गोविंद ने 55 रन बनाये, जबकि उमाकांत ने 36 रन, गुरुवीर ने 34 रन बनाये।

ईडन गार्डन पर भारतीय टीम की टी20 में लगातार सातवीं जीत वरुण-अर्शदीप के बाद चमके अभिषेक शर्मा

कोलकाता, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी के दम पर भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में सात विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 132 रन बनाए थे, लेकिन अभिषेक ने 34 गेंदों पर पांच चौकों और आठ छक्कों की मदद से 79 रन बनाए जिसके दम पर भारत ने 12.5 ओवर में तीन विकेट पर 133 रन बनाकर मैच जीता। इंग्लैंड की ओर से तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने दो विकेट और आदिल राशिद ने एक विकेट लिया। कोलकाता के ईडन गार्डंस में भारत की यह लगातार सातवीं टी20 अंतरराष्ट्रीय में जीत है। इसी के साथ टीम इंडिया ने पाकिस्तान की बराबरी कर ली है। दरअसल, पाकिस्तान ने 2008-21 के बीच में कराची के मैदान पर कुल सात मुकाबले जीते। इस मामले में शीर्ष पर इंग्लैंड की टीम है। इस टीम ने 2010-21 के बीच में कार्डिफ में लगातार आठ मुकाबले अपने नाम किए।कम स्कोर का

पीछा करने उतरी भारतीय टीम को संजू सैमसन और अभिषेक ने अच्छी शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। हालांकि, आर्चर ने पहले सैमसन (26) और फिर कप्तान सूर्यकुमार यादव को खाता खोले बिना आउट किया जिससे भारत की पारी लड़खड़ा गई। हालांकि, अभिषेक ने इसके बाद हाथ खोले और महज 20 गेंदों पर पचासा जड़ दिया। अभिषेक ने इंग्लैंड के हर गेंदबाज को निशाना बनाया। अभिषेक इसके साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले संयुक्त रूप से तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए। अभिषेक की पारी का अंत आदिल राशिद ने किया। फिर तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या ने जीत की औपचारिकता पूरी की।

महाराष्ट्र के सुमेर मांगो बने जूनियर बिलियर्ड्स चैंपियन, 91वीं राष्ट्रीय बिलियर्ड्स व स्नूकर स्पर्धा

इन्दौर, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय बिलियर्ड्स व स्नूकर एसोसिएशन के तत्वावधान में मध्यप्रदेश बिलियर्ड्स एवं स्नूकर एसोसिएशन व यशवंत क्लब की संयुक्त मेजबानी में यशवंत क्लब के स्मैश हॉल में खेली जा रही 91वीं राष्ट्रीय बिलियरर्ड्स व स्नूकर (पुरुष) चैंपियनशिप में महाराष्ट्र के सुमेर मांगो ने जूनियर बिलियर्ड्स का खिताब अपने नाम किया।

शहर के प्रतिष्ठित यशवंत क्लब हो रही इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जूनियर खिलाड़ी अपना जौहर दिखा रहे है। जूनियर बिलियर्ड्स के विजेता का फैसला राउंड रॉबिन पद्धति के आधार पर हुआ, जिसमें महाराष्ट्र के सुमेर मांगो ने अपने तीनों मैच जीत कर खिताब अपने नाम किया। 90 मिनट टाउम फार्मेट के आधार पर हुए मुकाबलों में सुमेर ने पहले

मुकाबले में महाराष्ट्र के ही शयान राजमी को 539-376 से, दूसरे मुकाबले में सुमेर ने गुजरात के ध्रुव पटेल को 370-321 से तथा तीसरे मुकाबले में सुमेर ने चंडीगढ़ के रणवीर दुग्गल को 585-312 से हराया।

सुमेर मागो ने पहला राष्ट्रीय खिताब सब जूनियर बिलियर्ड्स राष्ट्रीय चैम्पियनशिप भोपाल 2021 में जीता था। वहीं दूसरा राष्ट्रीय खिताब जूनियर पूल राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2023 इन्दौर में तथा तीसरा राष्ट्रीय खिताब मौजूदा जूनियर बिलियर्ड्स राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 इन्दौर जीता।

दूसरा स्थान चंडीगढ़ के रणवीर दुग्गल ने हासिल किया। उन्होंने दो मुकाबले जीते। पहले मुकाबले में रणवीर ने शयान राजमी को 528-365 से तथा दूसरे मुकाबले में रणवीर ने ध्रुव पटेल को 437-431 से पराजित किया। तीसरा स्थान ध्रुव पटेल ने शयान राजमी को 545-473 से हराकर हासिल किया। वहीं चौथे स्थान पर शयान राजमी रहे।

इसके पहले खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में सुमेर मांगो ने कर्नाटक के मयंक कार्तिक को331-273 से, रणवीर दुग्गल ने गुजरात के मयूर गर्ग को 321-272 से, ध्रुव पटेल ने महाराष्ट्र के आर्यन पारुलकर को 408-141 से तथा शयान राजमी ने म.प्र. के तथ्य सचदेव को 317-248 से हराया था। सब-जूनियर बालक के बिलियर्ड्स में तीसरा स्थान तेलंगाना के वैभव चड्ढा ने तमिलनाडु के जे. नवीन कुमार को 125-124 से हराकर जीता था।

:: रॉबिन, आदित्य, ध्वज आसानी से जीते ::

सीनियर बिलियर्ड्स के मुकाबलों में वरिष्ठ और अनुभवी खिलाड़ियों का वर्चस्व कायम है। बेस्ट ऑफ फाइव फार्मेट में खेले जा रहे पहले दौर के मुकाबलों में आरएसपीबी के रॉबिन डिसूजा ने पंजाब के राज मोहन को 3-0 से, आरएसपीबी के आदित्य अग्रवाल ने राजस्थान के जगदीश प्रदास को 3-0 से, पीएसपीबी के ध्वज हरिया ने तमिलनाडु के विजय निचानी को 3-1 से, पीएसपीबी के ऋषभ शाह ने आंध्र प्रदेश के गोविंद राज रेड्डी को 3-0 तथा पीएसपीबी के देवेंद्र जोशी के झारखंड के अमन कुमार को 3-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

भारत की अक्षय ऊर्जा क्रांति : 2024 की उपलब्धियां और 2025 का लक्ष्य

नई दिल्ल,22 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत की कुल गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता 20 जनवरी, 2025 तक 217.62 गीगावाट तक पहुंच गई है। इसमें वर्ष 2024 में रिकॉर्ड तोड़ 24.5 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता और 3.4 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ी गई, जो 2023 की तुलना में सौर प्रतिष्ठानों में दोगुने से ज्यादा और पवन ऊर्जा प्रतिष्ठानों में 21 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि भारत जैसे-जैसे एक स्थायी भविष्य की ओर अपने को बढ़ा रहा है, इसके नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2024 में देश ने सौर और पवन ऊर्जा प्रतिष्ठानों, नीतिगत प्रगति तथा बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे वर्ष 2025 में महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के लिए मंच तैयार हो गया है।

मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने की प्रतिबद्धता के साथ भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर के रूप में उभर रहा है। वर्ष 2024 में रिकॉर्ड तोड़ 24.5 गीगावाट सौर क्षमता और 3.4 गीगावाट पवन क्षमता जोड़ी गई, जो 2023 की तुलना में सौर प्रतिष्ठानों में दोगुने से अधिक वृद्धि और पवन प्रतिष्ठानों में 21 फीसदी की वृद्धि को दर्शाती है।

मंत्रालय के मुताबिक यह बढ़ोतरी सरकारी प्रोत्साहन, नीतिगत सुधारों और घरेलू सौर और पवन टरबाइन विनिर्माण में बढ़े हुए निवेश के कारण संभव हुआ। भारत की अक्षय ऊर्जा वृद्धि में सौर ऊर्जा प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में बनी रही, जो कुल स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता का 47 फीसदी है। पिछले साल 18.5 गीगावाट सौर क्षमता की स्थापना हुई, जो 2023 की तुलना में करीब 2.8 गुना अधिक है। राजस्थान, गुजरात और तमिलनाडु शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे, जिनका भारत के कुल सौर ऊर्जा उत्पादन में 71 फीसदी का योगदान रहा।

न्यूज ब्रीफ

एचडीएफसी बैंक को तीसरी तिमाही में 16,736 करोड़ रुपए का मुनाफा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 2.2 फीसदी बढ़कर 16,736 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में बैंक को 16,373 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। एचडीएफसी बैंक ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ दो फीसदी बढ़कर 16,736 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष 2023-25 की समान अवधि में बैंक को 16,373 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। बैंक ने बताया कि तीसरी तिमाही में एकल आधार पर उसकी कुल आय बढ़कर 87,460 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 81,720 करोड़ रुपये थी। बैंक के मुताबिक तीसरी तिमाही में एकीकृत आधार पर उसका लाभ मामूली सुधार के साथ 17,258 करोड़ रुपये से बढ़कर 17,657 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, एकीकृत कुल आय घटकर 1,12,194 करोड़ रुपये रह गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-नवंबर तिमाही में 1,15,016 करोड़ रुपये रही थी। परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) दिसंबर, 2024 के अंत तक कुल कर्ज का 1.42 फीसदी रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1.26 फीसदी थी। इसके अलावा शुद्ध एनपीए यानी फंसा कर्ज बढ़कर 0.46 फीसदी रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 0.31 फीसदी था।

एनएसई ने 5 माह में एक करोड़ निवेशक जोड़े, आंकड़ा 11 करोड़ के पार

नई दिल्ली। शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर पंजीकृत निवेशकों की संख्या 11 करोड़ पार हो गई है। इसमें एक करोड़ पंजीकरण सिर्फ पांच महीनों में हुए हैं। एक्सचेंज के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी श्रीराम कृष्णन ने कहा, ‰एनएसई में पंजीकृत निवेशकों की संख्या 11 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही एक्सचेंज में पंजीकृत क्लाइंट कोड (खातों) की कुल संख्या 21 करोड़ हो गई है, जिसमें तक किए गए सभी पंजीकरण शामिल हैं। साल 1994 में एनएसई के परिचालन की शुरुआत के बाद से 1 करोड़ निवेशकों तक पहुंचने में इसको 14 साल लग गए। इसके बाद यह गति तेज हुई। वहीं, अगले एक करोड़ पंजीकरण में करीब सात साल लगे, उसके बाद अगले एक करोड़ के लिए 3.5 साल और चौथे करोड़ को जोड़ने में एक साल से थोड़ा ज्यादा वक्त लगा। पिछले साल मानक सूचकांक निफ्टी 50 ने 8.8 फीसदी का रिटर्न दिया जबकि निफ्टी 500 सूचकांक में 15.2 फीसदी की शानदार बढ़त देखने को मिली। उल्लेखनीय है कि पिछले नौ साल से भारतीय बाजारों में सकारात्मक रिटर्न देखने को मिल रहा है। विशेष बात यह है कि कोई ग्राहक एक से अधिक ट्रेडिंग सदस्यों के साथ पंजीकरण करा सकते हैं।

ग्लोबल मार्केट से तेजी के संकेत, एशियाई बाजारों में भी मजबूती का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी के साथ कारोबार होता रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आम तौर पर मजबूती का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.83 प्रतिशत उछल कर 6,046.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 123.69 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,753.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 44,072.11 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,548.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इंडेक्स शेयरों में हुई खरीदारी से शेयर बाजार में तेजी, बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

बाजार की मजबूती के बावजूद निवेशकों को 2.11 लाख करोड़ का घाटा

नई दिल्ल,22 जनवरी (एजेंसियां)।

मंगलवार की बड़ी गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार इंडेक्स शेयरों में हुई खरीदारी के कारण मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। के कारोबार की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई थी। हालांकि दिन के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कुछ देर के लिए लुढ़क कर लाल निशान में भी पहुंचे लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण दोनों सूचकांकों में तेजी आ गई। पूरे दिन उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत और निफ्टी 0.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबार में आईटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही बैंकिंग और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। रियल्टी, पीएसई और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, मेटल और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में हुई जोरदार बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 421.96 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया।

पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 424.07 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.11 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,059 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,147 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,797 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 115 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,559 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 635 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,914 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त के साथ और 9 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 276.06 अंक की मजबूती के साथ 76,114.42 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक ये सूचकांक मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार करता रहा लेकिन दोपहर 11 बजे के करीब बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर 21.86 अंक की कमजोरी के साथ 75,816.50 अंक तक गिर गया। हालांकि दोपहर 2 बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया, जिसकी वजह से सेंसेक्स 566.63 अंक की मजबूती के साथ 76,404.99 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 74.50 अंक की मजबूती के साथ 23,099.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। बिकवाली के दबाव में निफ्टी 43.35 अंक की कमजोरी के साथ 22,981.30 अंक तक पहुंचा। खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये सूचकांक 144.90 अंक उछल कर 23,169.55 अंक तक पहुंचने में सफल रहा।

हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे खिसक कर 130.70 अंक की बढ़त के साथ 23,155.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से विप्रो 3.60 प्रतिशत, इंफोसिस 3.10 प्रतिशत, टीसीएस 2.99 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.65 प्रतिशत और सन फार्मास्युटिकल्स 2.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 3.10 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 2.37 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 1.93 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 1.59 प्रतिशत और एक्सिस बैंक 1.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल रहे।

ईपीएफओ ने नवंबर महीने के दौरान शुद्ध 14.63 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ल,22 जनवरी (एजेंसियां)।

रोजगार के मोर्चे पर अच्छी खबर है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने नवंबर महीने में शुद्ध रूप से (नेट) 14.63 लाख सदस्य जोड़े हैं। पिछले महीने अक्टूबर, 2024 के दौरान ईपीएफओ ने 13.41 लाख सदस्यों को जोड़ा था।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ईपीएफओ ने नवंबर, 2024 में 14.63 लाख नेट सदस्यों को जोड़ा है, जबकि अक्टूबर, 2024 के दौरान ईपीएफओ ने 13.41 लाख सदस्यों को जोड़ा था। इस तरह ईपीएफओ से जुड़ने वाले सदस्यों की संख्या में शुद्ध 9.07 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, सालाना आधार पर नवंबर 2023 की तुलना में शुद्ध सदस्यों की संख्या में 4.88 फीसदी की वृद्धि है।

अनंतिम पेरोल डेटा के मुताबिक ईपीएफओ ने नवंबर, 2024 में करीब 8.74 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। अक्टूबर, 2024 की तुलना में नए सदस्यों की संख्या में 16.58 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। नए सदस्यों के सालाना आधार पर विश्लेषण से पता चलता है कि नवंबर 2023 में पिछले वर्ष की तुलना में नए सदस्यों की संख्या में 18.80 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है।

आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान ईपीएफओ से जुड़ने वालों में 18-25 आयु वर्ग के सदस्यों का दबदबा रहा है। नवंबर, 2024 के दौरान 18-25 आयु वर्ग में 4.81 लाख नए सदस्य जुड़े हैं, जो इस दौरान जोड़े गए कुल नए सदस्यों का 54.97 फीसदी है। वहीं, 18-25 आयु वर्ग के नए सदस्यों की संख्या पिछले महीने अक्टूबर की तुलना में 9.56 फीसदी ज्यादा है, जबकि नवंबर 2023 की तुलना में 13.99 फीसदी की वृद्धि है।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा कि ईपीएफओ के जारी आंकड़ों के मुताबिक यह पहले की प्रवृत्ति के अनुरूप है, जो दर्शाता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा हैं, मुख्य रूप से पहली बार नौकरी चाहने वाले। गौरतलब है कि अप्रैल 2018 के महीने से ईपीएफओ सितंबर 2017 से आगे की अवधि को कवर करते हुए पेरोल का डेटा जारी कर रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

‘आप-दा’ वाले..

अनुरोध किया है, लेकिन वे इसे लागू नहीं करना चाहते हैं। मैं दिल्ली के लोगों को बताना चाहता हूं कि इस योजना के कई लाभ हैं, लेकिन आप-दा के लोगों ने इस योजना के कार्यान्वयन में बाधायें पैदा की हैं।

उन्होंने कहा कि ये आप-दा वाले तो अपने वायदों और बातों से ही पलट गये हैं। जन लोकपाल के नाम पर ये पार्टी बनी, लेकिन जन लोकपाल आज तक न तो दिल्ली में है और न ही पंजाब में है और न ही अब ये इसकी बात करते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में तो यह पार्टी इसका बहाना ढूंढ लेती है, लेकिन पंजाब में तो इनकी सरकार है, ये वहां भी लोक पाल नहीं बना रहे हैं।प्रधानमंत्री ने कहा, इस बार दिल्ली के शत-प्रतिशत युवाओं का वोट भाजपा-राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को ही मिलने वाला है। दिल्ली का युवा चाहता है कि यहां रोजगार-स्वरोजगार के अवसर बढ़ें, दिल्ली स्टार्टअप हब बने, यहां उसकी युवा आकांक्षा के हिसाब से काम करने वाली सरकार हो। इसलिये दिल्ली के युवा की पहली पसंद भाजपा है। दिल्ली का युवा आप-दा वालों से नफरत करता है और उन्हें सजा देने के मूड में है। श्री मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा, मुझे विश्वास है कि अपने-अपने बूथ पर आप जो मेहनत कर रहे हैं, उसके चलते आप भारी विजय प्राप्त करने वाले हैं। इस चुनाव में सिर्फ विजय काफी नहीं है। हर बूथ को दो लक्ष्य तय करने हैं, पहला मतदान के पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ेंगे पिछले 10 साल में जितना मतदान हुआ है, उससे ज्यादा मतदान हमारे बूथ में होगा। दूसरा मामूली विजय नहीं, हर बूथ पर भाजपा को 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट कैसे मिलें, इसके लिये बूथ में रहने वाले सभी नागरिकों का दिल जीतना है, उनकी दुआयें लेनी हैं। श्री मोदी ने कहा, मेरा बूथ-सबसे मजबूत केवल एक कार्यक्रम नहीं है। भाजपा की जीवंतता, भाजपा की जड़ों की ताकत और जिन जड़ों से भाजपा का विस्तार हुआ है, उसके मूल में आप सब कार्यकर्ताओं ने जिसे अपना जीवन मंत्र बनाया है, वह है, मेरा बूथ-सबसे मजबूत।

‘बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ’ अभियान...

लिए सही माहौल तैयार किया है कि बालिकाओं को शिक्षा और अपने सपनों को पूरा करने के अवसरों तक पहुंच मिले।

प्रधानमंत्री ने लिखा, लोगों और विभिन्न सामुदायिक सेवा संगठनों के समर्पित प्रयासों के कारण बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। कम बाल लिंग अनुपात वाले जिलों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और जागरूकता अभियानों ने लैंगिक समानता के महत्व की गहरी समझ पैदा की है।

उन्होंने लिखा, मैं उन सभी हितधारकों की सराहना करता हूं, जिन्होंने इस आंदोलन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाया है। आइए, हम अपनी बेटियों के अधिकारों की रक्षा करना जारी रखें, उनकी शिक्षा सुनिश्चित करें और एक ऐसा समाज बनाएं, जहां वे बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़ सकें। एक साथ मिलकर, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आने वाले वर्ष भारत की बेटियों के लिए और भी अधिक प्रगति और अवसर लेकर आएं।

कर्नाटक एक्सप्रेस...

या ब्रेक-बाइंडिंग के कारण चिंगारी उठी और कुछ यात्री घबरा गए। उन्होंने चेन खींच दी, और उनमें से कुछ नीचे कूद गए। उसी समय कर्नाटक एक्सप्रेस बगल के ट्रैक से गुजर रही थी। महाराष्ट्र के मंत्री गुलाबराव पाटिल ने कहा वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच रहे हैं, जिसके बाद अधिक जानकारी मिल सकेगी।

नासिक के डिवीजनल कमिश्नर प्रवीण गेदम ने बताया कि हम मौके पर हैं। एडिशनल एसपी, एसपी, कलेक्टर और सभी अधिकारी पहुंच रहे हैं। हम डीआरएम और रेलवे अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। अंतिम उपलब्ध जानकारी के अनुसार आठ एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई हैं, रेलवे की अतिरिक्त बचाव वैन और रेलवे एंबुलेंस को मौके पर भेजा जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुष्पक ट्रेन हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने घायलों के लिए पर्याप्त चिकित्सा उपचार का आदेश दिया है, साथ ही यात्रियों के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

कर्नाटक में...

गए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। सोशल मीडिया वेबसाइट एक्स पर शाह ने लिखा, उत्तर कन्नड़ के येल्लापुर में हुए दुखद सड़क हादसे से बहुत दुखी हूं, जिसने कई अनमोल जिंदगियां छीन लीं। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना।

राज्य में घातक दुर्घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मौतों पर शोक व्यक्त किया, मुख्यमंत्री ने कहा , मैं मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। इन दुखद घटनाओं में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त लोगों के प्रति मेरी संवेदना । सिद्धारमैया ने सड़क हादसों में मरने वालों के परिजनों को तीन-तीन लाख रुपए मुआ-वजा देने की घोषणा की । उन्होंने लिखा, इसके अलावा, दुर्घटना में घायल लोगों के मुफ्त इलाज की व्यवस्था की जाएगी। जल्दबाजी, तेज गति और लापरवाही दुर्घटनाओं का कारण बनती है। मैं आपसे सावधानी से गाड़ी चलाने और सुरक्षित रहने की अपील करता हूं।

केएमसी अस्पताल के निदेशक एसएफ कामर ने कहा, एक मरीज को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया। बाकी 11 घायलों को हमारे आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया है...इन मरीजों की जांच की जा रही है, अभी वे खतरे से बाहर हैं लेकिन लगातार निगरानी की जरूरत है...।

प्रधानमंत्री मोदी ने कर्नाटक दुर्घटना में प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये देने की घोषणा की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में हुए सड़क हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की । पीएम मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। पीएमओ ने एक्स पर कहा, कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में हुए हादसे में लोगों की मौत से गहरा दुख हुआ । अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। पोस्ट में कहा गया, प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

शिक्षा की गुणवत्ता में ...

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, इसकी आवश्यकता है शिक्षा में क्रांति और बच्चों का सर्वांगीण विकास।

रक्षा मंत्री ने कहा कि कम ही लोग जानते हैं कि हमारी संविधान सभा में 15 महिला सदस्यों में से तीन केरल से थीं: अम्मू स्वामीनाथन, दक्षिणायनी वेलायुधन और एनी मास्कारेन। उन्होंने कहा कि समन्वयवाद केरल की संस्कृति की एक उल्लेखनीय विशेषता है। उन्होंने कहा कि सच्ची करुणा असीम है। यह देने वाले के जीवन को समृद्ध बनाता है और दूसरों को प्रेरणा देता है। कवि स्वाभाविक रूप से दयालु और सहानुभूतिशील होते हैं। जब एक कवि वास्तविक सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करने के लिए छंदों से परे इस करुणा को प्रसारित करता है, तो सुगाथाकुमारी जैसी संवेदनशील आत्मा उभरती है।

उन्होंने कहा कि जैसे ही 90वीं जयंती समारोह समाप्त हो रहा है, यह उनकी उल्लेखनीय विरासत और पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के लिए उनके अभियान की प्रासंगिकता को प्रतिबिंबित करने के लिए उपयुक्त है। उन्होंने कहा कि सुगाथाकुमारी सिर्फ एक कवियित्री नहीं थीं; वह हमारे समाज की अंतरात्मा की रक्षक थीं। भावनात्मक सहानुभूति, मानवतावादी संवेदनशीलता और नैतिक सतर्कता से ओतप्रोत उनकी कविता सामाजिक और पर्यावरणीय चिंताओं को संबोधित करने का माध्यम बन गई।

सभी धर्मों की धर्मिक ...

भारत के संविधान के अनुच्छेद 44 में यह प्रावधान है कि स्टेट पूरे भारत में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा।

उल्लेखनीय है कि वक्फ अधिनियम, 1954 को सरकार ने संसद में पेश नहीं किया था। यह मोहम्मद अहमद काजमी ने प्राइवेट मेंबर बिल के रूप में पेश किया था। लेकिन ऐसा लगता है कि तत्कालीन सत्तारूढ़ दल इस विधेयक को पेश करने में शामिल था। विधेयक को राज्य सभा की प्रवर समिति को भेज दिया गया। आश्चर्यजनक रूप से उस समय के कानून और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री सी. सी. बिस्वास प्रवर समिति के अध्यक्ष बनाए गए। बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि तथ्य यह नहीं था कि सरकार ने पर्दे के पीछे से काम किया। अगर सरकार इसे प्रायोजित करना चाहती, तो खुल कर सामने आ सकती थी।उन्होंने स्वयं को प्रवर समिति का अध्यक्ष बनाए जाने का यह कह कर बचाव किया कि यह केवल संयोग था कि मुझे समिति का अध्यक्ष बनाया गया और मैंने कानून मंत्री की हैसियत से सरकार की ओर से विधेयक की पैरवी नहीं की।

जेडीयू ने ...

इसे अनुशासनहीनता मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है और उन्हें पद से मुक्त कर दिया गया है। हम एनडीए के साथ हैं और राज्य इकाई मणिपुर के लोगों की सेवा करती रहेगी और राज्य के विकास में योगदान देगी।

25 को रखा जाएगा षटतिला एकादशी का व्रत

षटतिला एकादशी माघ महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी को कहते हैं। इस दिन भक्त छह तरीकों से तिल का उपयोग करके भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। षट्तिला का अर्थ ही छह तिल है। इसलिए इस एकादशी का नाम षटतिला एकादशी पड़ा। इस व्रत में तिल का विशेष महत्व है। माघ माह में आने वाली षटतिला एकादशी का खास महत्व है। षटतिला एकादशी के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से व्यक्ति की हर मनोकामना पूरी होती है और उसे जीवन में वैभव प्राप्त होता है। इसके साथ ही षटतिला एकादशी का व्रत करने से सुख-सौभाग्य, धन-धान्य में वृद्धि होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि षट्तिला एकादशी माघ महीने में पड़ती है और इस साल यह तिथि 25 जनवरी की है। इस दिन षट्तिला एकादशी का व्रत रखा जाएगा और भगवान विष्णु की विधि विधान से पूजा की जाएगी। षटतिला एकादशी के दिन भक्त छह प्रकार से तिल का उपयोग करते हैं । तिल से स्नान, तिल से तर्पण, तिल का दान, तिल युक्त भोजन, तिल से हवन और तिल मिश्रित जल का सेवन। यह व्रत भगवान विष्णु को प्रसन्न करने और मोक्ष प्राप्ति के लिए किया जाता है।

हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एकादशी तिथि भगवान विष्णु को बेहद प्रिय है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस व्रत की महिमा स्वयं श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताई थी। एकादशी व्रत के प्रभाव से जातक को मोक्ष मिलता है और सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं, दरिद्रता दूर होती है। अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता, शत्रुओं का नाश होता है, धन, ऐश्वर्य, कीर्ति, पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता रहता है। एकादशी का व्रत सभी व्रतों में सर्वोच्च माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति जन्म मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही उसे सभी पापों से मुक्ति मिलती है। एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है और पुण्य की प्राप्ति होती है। जो व्यक्ति सच्ची श्राद्धा और भक्ति से इस व्रत को करते हैं उसकी सभी परेशानियों से उसे छुटकारा मिलता है। साल भर में आने वाली सभी एकादशियों का फल अलग-अलग मिलता है। सालभर में कुल 24 एकादशी आती हैं। हर महीने एक कृष्ण पक्ष की एकादशी और दूसरी शुक्ल पक्ष की एकादशी आती है। इसी के साथ कुल एकादशी की संख्या सालभर में 24 होती है।

यज्ञ से भी ज्यादा फल देता है एकादशी व्रत

पुराणों के मुताबिक, एकादशी को हरी वासर यानी भगवान विष्णु का दिन कहा जाता है। विद्वानों का कहना है कि एकादशी व्रत यज्ञ और वैदिक कर्म-कांड से भी ज्यादा फल देता है। पुराणों में कहा गया है कि इस व्रत को करने से मिलने वाले पुण्य से पितरों को संतुष्टि मिलती है। स्कंद पुराण में भी एकादशी व्रत का महत्व बताया गया है। इसको करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

स्कंद पुराण में है एकादशी व्रत का जिक्र

हिन्दी पंचांग में एक वर्ष में कुल 24 एकादशियां आती हैं और जिस साल अधिक मास रहता है, उस साल में कुल 26 एकादशियां हो जाती हैं। स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में सालभर की सभी एकादशियों का महत्व बताया गया है। भगवान श्रीकृष्ण ने पांडव पुत्र युधिष्ठिर को एकादशियों के बारे में जानकारी दी थी। जो भक्त एकादशी व्रत करते हैं, उन्हें भगवान श्रीहरि की कृपा मिलती है। नकारात्मक विचार दूर होते हैं। अक्षय पुण्य मिलता है। घर-परिवार में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। एकादशी पर भगवान विष्णु के मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय का जप करना चाहिए। भगवान विष्णु के साथ ही देवी लक्ष्मी का भी अभिषेक करें। दोनों देवी-देवता को पीले चमकीले वस्त्र अर्पित करें। फूलों से श्रृंगार करें। तुलसी के पत्तों के साथ मिठाई और मौसमी फलों का भोग लगाएं।

षटतिला एकादशी की तिथि

वैदिक पंचांग के अनुसार एकादशी तिथि का प्रारंभ 24 जनवरी 2025 को शाम 07 बजकर 25 मिनट पर हो रहा है। वहीं एकादशी तिथि का समापन 25 जनवरी को रात 08 बजकर 31 मिनट पर हो रहा है। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, षटतिला एकादशी शनिवार, 25 जनवरी को मनाई जाएगी।

तिल का महत्व

पद्म पुराण के अनुसार, षट्तिला एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा और तिल का भोग महत्वपूर्ण है। इस दिन तिल दान करने से पापों से मुक्ति मिलती है। षट्तिला एकादशी का व्रत रखकर तिलों से स्नान, दान, तर्पण और पूजन किया जाता है। इस दिन तिल का उपयोग स्नान, प्रसाद, भोजन, दान और तर्पण में होता है। तिल के अनेक उपयोगों के कारण ही इसे षटतिला एकादशी कहते हैं। मान्यता है कि जितने तिल दान करेंगे, उतने ही पापों से मुक्ति मिलेगी।

षटतिला एकादशी का महत्व

षटतिला एकादशी भगवान विष्णु की प्रिय एकादशी तिथियों में से एक मानी जाती है। इसका व्रत रखने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है। इस व्रत को करने से दरिद्रता और दुखों से मुक्ति मिलती है। यहां तक कि अगर आप व्रत नहीं कर सकते तो सिर्फ कथा सुनने से भी वाजपेय यज्ञ के बराबर पुण्य मिलता है। यह व्रत वाचिक, मानसिक और शारीरिक तीनों तरह के पापों से मुक्ति दिलाता है। इस व्रत का फल कन्यादान, हजारों सालों की तपस्या और यज्ञों के बराबर माना गया है।

एकादशी के दिन इन बातों का रखें ध्यान

एकादशी के दिन चावल खाना वर्जित होता है तो इस दिन चावल से बनी चीजों का भी सेवन न करें। एकादशी के दिन भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की भी पूजा करें। एकादशी के दिन तुलसी को स्पर्श न करें और न ही जल अर्पित करें। एकादशी के दिन वाद-विवाद न करें और न ही किसी के लिए मन में बुरे ख्याल लेकर आएं। एकादशी के दिन तामसिक चीजों से दूर रहें।

पुराणों और स्मृति ग्रंथ में एकादशी व्रत

स्कन्द पुराण में कहा गया है कि हरिवासर यानी एकादशी और द्वादशी व्रत के बिना तपस्या, तीर्थ स्थान या किसी तरह के पुण्याचरण द्वारा मुक्ति नहीं होती। पदम पुराण का कहना है कि जो व्यक्ति इच्छा या न चाहते हुए भी एकादशी उपवास करता है, वो सभी पापों से मुक्त होकर परम धाम वैकुंठ धाम प्राप्त करता है। कात्यायन स्मृति में जिक्र किया गया है कि आठ साल की उम्र से अस्सी साल तक के सभी स्त्री-पुरुषों के लिए बिना किसी भेद के एकादशी में उपवास करना कर्त्तव्य है। महाभारत में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सभी पापों ओर दोषों से बचने के लिए 24 एकादशियों के नाम और उनका महत्व बताया है।

षटतिला एकादशी की पूजा में करें मंत्रों का जप, बरसेगी प्रभु श्रीहरि की कृपा

हिंदू पंचांग के अनुसार, माघ माह की कृष्ण पक्ष की एकादशी पर षटतिला एकादशी मनाई जाती है। इस एकादशी पर तिल से खास संबंध माना गया है। इसलिए इस दिन एकादशी की पूजा में तिल को शामिल जरूर करना चाहिए और श्रीहरि को तिल से बनी चीजों का भोग लगाना चाहिए। ऐसा करने से विष्णु जी की कृपा आपके ऊपर बनी रहती है, जिससे साधक को जीवन में अच्छे परिणाम देखने को मिलते हैं।

विष्णु जी के मंत्र

एकादशी की पूजा के दौरान भगवान विष्णु के मंत्रों का जप करना काफी लाभकारी माना जाता है। इससे साधक को न केवल विष्णु जी की प्राप्ति होती है, बल्कि माता लक्ष्मी भी अपनी दया दृष्टि बनाए रखती हैं।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो नारायणाय

ॐ विष्णवे नम:

ॐ हूं विष्णवे नम:

मङ्गलम् भगवान विष्णुः, मङ्गलम् गरुडध्वजः।
मङ्गलम् पुण्डरी काक्षः, मङ्गलाय तनो हरिः।।

विष्णु गायत्री मंत्र

ॐ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि।
तन्नो विष्णुः प्रचोदयात्।।

क्लेश नाशक श्री विष्णु मंत्र

कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने ।
प्रणत क्लेश नाशाय गोविन्दाय नमो नमः।

श्री विष्णु रूपम मंत्र

शान्ताकारम् भुजगशयनम् पद्मनाभम् सुरेशम्
विश्वाधारम् गगनसदृशम् मेघवर्णम् शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तम् कमलनयनम् योगिभिर्ध्यानगम्यम्
वन्दे विष्णुम् भवभयहरम् सर्वलोकैकनाथम्।।

ॐ भूरिदा भूरि देहिनो, मा दभ्रं भूर्या भर। भूरि घेदिन्द्र दित्ससि।

ॐ भूरिदा त्यसि श्रुतः पुरूत्रा शूर वृत्रहन्। आ नो भजस्व राधसि।

दन्ताभये चक्र दरो दधानं,
कराग्रगस्वर्णघटं त्रिनेत्रम्।
धृताब्जया लिंगितमब्धिपुत्रया
लक्ष्मी गणेशं कनकाभमीडे।।

घर में चाहते हैं मां लक्ष्मी का वास

तो षटतिला एकादशी के दिन घर लाएं यह चीजें

हिंदू पंचांग के अनुसार, माघ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को षटतिला एकादशी के रूप में मनाई जाती है। इस शुभ तिथि पर लोग भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करते हैं। साथ ही अन्न और धन का दान गरीब लोगों में किया जाता है। मान्यता के अनुसार, ऐसा करने से जीवन खुशियों से भर जाता है। साथ ही श्रीहरि और देवी लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहती है।

पंचांग के अनुसार, इस बार षटतिला एकादशी व्रत 25 जनवरी को है। अगर आप घर में मां लक्ष्मी का आगमन चाहते हैं, तो षटतिला एकादशी के दिन कुछ शुभ चीजों को घर लाएं। मान्यता है कि इन चीजों को घर लाने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही कारोबार में सफलता मिलती है। ऐसे में चलिए हम आपको इस आर्टिकल में कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताएंगे, जिन्हें घर लाने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

जीवन में वास्तु दोष की वजह से कई तरह की समस्या होती है। अगर आप वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं, तो षटतिला एकादशी के दिन दक्षिणावर्ती शंख घर लाएं। इसके बाद इसकी उपासना करें और शंख से जगत के पालनहार भगवान विष्णु का अभिषेक करें। मान्यता के अनुसार, ऐसा करने से वास्तु दोष खत्म होता है और श्रीहरि की कृपा से रुके हुए काम पूरे होते हैं।

इसके अलावा षटतिला एकादशी के दिन तांबे से बना कछुआ घर लाना शुभ माना जाता है, क्योंकि इसका संबंध मां लक्ष्मी से माना जाता है। एकादशी तिथि पर कछुआ को घर की उत्तर दिशा में विराजमान करें। इसके बाद इसकी विशेष पूजा करें। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक पर मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

इसके अलावा षटतिला एकादशी के दिन कामधेनु गाय और तुलसी का पौधा घर लाने से किस्मत चमक सकती है। एकादशी पर कामधेनु गाय की मूर्ति और तुलसी का पौधा घर लाएं। इसके बाद इनकी विशेष पूजा-अर्चना करें। साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। इस उपाय को करने से घर में मां लक्ष्मी का वास होता है। साथ ही धन से हमेशा तिजोरी भरी रहती है। तुलसी का पौधा घर के उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना जाता है।

सृष्टि के रहस्य

भौतिकी विज्ञान हमें बताती है कि ऊर्जा को न तो बनाया जा सकता है, न ही नष्ट किया जा सकता है, यह केवल रूप बदलती है। साथ ही, विभिन्न ऊर्जाओं का योग समान रहता है। इसलिए, जब कोई व्यक्ति मर जाता है, जिसे हम देहांत कहते हैं, जब शरीर का अंतिम संस्कार किया जाता है, तो जो तत्व निकलते हैं, उनका योग या वजन समान रहता है।

एक प्रयोग किया गया जिसमें वैज्ञानिकों ने एक मृत व्यक्ति का वजन लिया और मृत्यु के समय वजन में आए परिवर्तन को मापा, और उन्हें थोड़ा अंतर मिला। कोई भी इसका कारण नहीं बता सका; उन्होंने अनुमान लगाया कि मृत्यु के समय कुछ गैसें शरीर से बाहर निकल जाती हैं। आध्यात्मिक रूप से, यह उन कर्मों का भार है जो एक व्यक्ति अपने पूरे जीवनकाल में ढोता है जो उस प्रवाह का कारण बनता है। कर्म जितने स्थूल होंगे, अंतर उतना ही अधिक होगा।

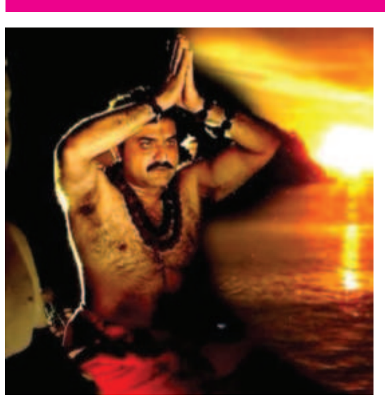

यदि आप श्मशान जाते हैं, तो आप देखेंगे कि कुछ शवों को विघटित होने में समय लगता है, जबकि कुछ अन्य कुछ ही समय में जल जाते हैं। एक बार मैं एक व्यक्ति के दाह संस्कार के लिए गया था जिसे मैं जानता था कि वह एक पवित्र आत्मा है। चिता को आग लगाने के 20 मिनट के भीतर, शव गायब हो गया था। मैंने पंडित से पूछा, यह इतनी जल्दी कैसे विघटित हो गया। पंडित ने उत्तर दिया, पुण्य आत्मा। होगी। मैंने पूछा कि उन्होंने यह कैसे निष्कर्ष निकाला। उन्होंने कहा, वजन हल्का है।

जब अंत समय आता है पांच तत्वों से बना शरीर फिर से पांच तत्वों में विलीन हो जाता है।लेकिन वह जो पांच तत्वों से अलग है, उसका क्या होता है? उदाहरण के लिए, जब हम लोगों को दूर से स्कैन करते हैं, तो हम उनके बीच अंतर करने में सक्षम होते हैं। शरीर जितना दिखता हैं, उससे कहीं ज़्यादा है – हमने कई मौकों पर इस बात को साबित किया है, जिसमें इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के डॉक्टर भी शामिल है।

वह क्या है जो तत्व नहीं है? उसे चेतना कहते हैं। चेतना प्राण का एक स्तर है जो भौतिक से अलग है। स्कैनिंग के दौरान हम शरीर में तत्वों या कोशिकाओं की उस चेतना को पकड़ रहे होते हैं। पांच तत्वों को केवल पांच इंद्रियों द्वारा ही स्कैन किया जा सकता है। आभा चेतना का एक हिस्सा है।

आत्मा शरीर में निवास करती है, शरीर बनता है और बिखरता है, रूप बदलता है। चेतना भी रूप बदलती है। यह एक सतत प्रक्रिया है, शरीर या चेतना के रूप बदलने का कोई अंत नहीं है।

जब आप बच्चे थे तब आप कैसे दिखते थे, अब आप कैसे दिखते हैं, या 30 साल बाद आप कैसे दिखेंगे – इनमें से आप कौन हैं? आप लगातार रूप बदल रहे हैं। यही आत्मा का रहस्य है।

सृष्टि में कुछ भी स्थिर नहीं है, यह या तो ऊपर जाता है या नीचे। यदि चेतना विकसित होती है, तो आप उच्च रूप लेते हैं। यदि यह विकसित नहीं होती है, तो निम्न रूप ग्रहण किया जाता है।

कर्म ही कुंजी है। कर्म आपकी चेतना का निर्धारण करता है। युवावस्था में मेरी जीवनशैली बहुत ही स्थूल थी। फिर मेरे अंदर गूढ़ विज्ञान सीखने की इच्छा पैदा हुई। मैं एक शिक्षक के पास गया, जो एक बुद्धिमान व्यक्ति थे, उन्होंने कहा, आप केवल वही समझ पाएँगे जो आप अनुभव करते हैं। बस भूखे को खाना खिलाना शुरू करें। मैंने पूछा कि क्या होगा। उन्होंने कहा, करो और देखो क्या होता है। मैंने करना शुरू कर दिया। कुछ दिनों बाद, एक खेत से गुजरते समय, मुझे अंदर से एक अजीब सी अनुभूति हुई, जब मैंने गाजर तोड़ते हुए देखा। जब मैं अपने शिक्षक से मिला, तो मैंने उनसे इस बारे में पूछा। उन्होंने कहा, आज तुम्हें इस बात का सबूत मिल गया कि तुम्हारी चेतना का विस्तार हुआ है। क्योंकि तुम अपने शरीर के बाहर क्या है, यह महसूस करने में सक्षम हो। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मैंने लोगों को खाना खिलाना शुरू कर दिया था, इससे पहले, यह मेरे लिए सिर्फ़ एक बौद्धिक अवधारणा थी।

* अश्विनी गुरुजी
ध्यान आश्रम

किसी स्टूडियो में नहीं लैंप की लाइट में दिया था लाइफ का पहला सीन

साउथ की कलथुर कन्नम्मा फिल्म से रातों रात छोटी उम्र में ही स्टार बन गए थे कमल हासन

ऑडिशन देने की बात होती है तो बड़े बड़े मॉडल्स के हौसले पस्त हो जाते हैं। लाइट कैमरा एक्शन शब्द सुनते ही बड़े बड़े एक्टर्स के पसीने छूट जाते हैं। लेकिन कभी कभी कुछ ऐसे हुनरमंद भी आते हैं जो एक्टिंग के नाम से ही कॉन्फिडेंस से लबरेज नजर आते हैं। साउथ इंडिया से लेकर हिंदी फिल्मों तक एक ऐसे ही सितारे ने पहले ऑडिशन में ही कमाल कर दिखाया था। लेकिन उसका ये ऑडिशन किसी स्टूडियो या फ्लैश लाइट में नहीं हुआ था। बल्कि एक रूम के लैंप की लाइट में हो गया था। जिसके बाद बतौर बाल कलाकार उस एक्टर के करियर की शुरुआत हुई। फिल्म रिलीज होने के बाद ये फिल्म और बच्चा दोनों ही फिल्म इंड्स्ट्री पर छा गया।

हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, उसका नाम है कलथुर कन्नम्मा। और, जिस सितारे की बात हो रही है वो कमल हासन। कमल हासन का नाम आज पैन इंडिया स्टार्स में शामिल है। वो कई दशकों से साउथ इंडियन सिनेमा और हिंदी फिल्मों में एक्टिव हैं। बतौर बालकलाकार कलथुर कन्नम्मा उनकी पहली फिल्म थी। जिसका ऑडिशन बस एक रूम के लैंप की लाइट में हो गया था। असल में कमल हासन किसी काम से फिल्म के मेकर्स में से एक मयप्पन के घर गए थे। उन्होंने कमल हासन की एक्टिंग का गुण पहचान लिया। कमल हासन के फेस पर कमरे में रखे लैंप की लाइट मारी गई और उनके एक्टिंग के टैलेंट को परखा गया। जिसके बाद वो इस फिल्म का हिस्सा बन गए।

कलथुर कन्नम्मा नाम की ये फिल्म बेहद हिट हुई। जिसे पहले तमिल भाषा में और फिर तेलुगू भाषा में मावूरी अम्माई नाम से बनाया गया। 20 अक्टूबर 1960 को रिलीज हुई ये फिल्म चेन्नई के प्लाजा थिएटर में करीब 102 दो दिन ली। महारानी टॉकीज और राक्षी टॉकीज में 105 दिन, वेलिंगटन थिएटर में 112 दिन और त्रिची के एक थिएटर में सौ दिन तक चली। कमल हासन के लिए ये फिल्म मील का पत्थर साबित हुई। जो रातों रात बड़े स्टार बन गए।

फिल्म स्काई फोर्स का नया गाना ऐ मेरे वतन रिलीज

अक्षय कुमार फिल्म स्काई फोर्स को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी इस फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को बेहद पसंद आया है और गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर सकती है।प्रशंसक तो यही कयास लगाए रहे हैं। खुद अक्षय को भी अपनी इस फिल्म से बड़ी उम्मीदें हैं।पिछले दिनों फिल्म का गाना रंग रिलीज हुआ था और अब इसका नया गाना ऐ मेरे वतन के लोगों रिलीज हो गया है।अक्षय ने गाने की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, देश के लिए शहीद हुए हमारे वीर जवानो को विनम्र श्रद्धांजलि।गाने में अक्षय और वीर पहाडिय़ा देशभक्ति के रंगे में डूबे हुए हैं, वहीं लता मंगेशकर की आवाज तो पहले ही इस गीत को अमर कर चुकी है।स्काई फोर्स में अक्षय के साथ सारा अली खान और निमरत कौर भी अहम भूमिका में हैं।यह फिल्म 24 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में आएगी।स्काई फोर्स में अक्षय कुमार एक वायुसेना अधिकारी के किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया था, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आई। फिल्म का ट्रेलर 5 जनवरी को रिलीज किया जा चुका है।यह फिल्म भारत के पहले और सबसे घातक हवाई हमले की कहानी है। इसमें साल 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस पर हुए जवाबी हमले को दिखाया गया है।

पुष्पा 3 में क्या नजर आएंगी आंचल मुंजाल?

5 दिसंबर 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा- द रूल अभी भी चर्चा में बनी हुई है और यह साल 2024 की सबसे ज्यादा अर्निंग करने वाली फिल्म भी बनी हैं। अब फैंस इसके ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच पुष्पा 3 के बारे में भी नई-नई अपडेट सामने आ रही है। वैसे तो पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन रश्मिका मंदाना, फहाद फासिल जैसे कलाकारों ने भूमिका निभाई, लेकिन एक छोटे से किरदार में आंचल मुंजाल भी नजर आई थीं। ऐसे में क्या पुष्पा पार्ट 3 में आंचल मुंजाल की वापसी होगी या नहीं इस पर एक्ट्रेस में खुलासा किया।आंचल मुंजाल पुष्पा-2 में मालदीव में शूट किया एक हिस्से में नजर आई थीं। अब पुष्पा 3 में उनकी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर आंचल ने कहा मुझे यकीन नहीं है कि पुष्पा 3 के लिए क्या योजना बनाई गई है, लेकिन मैं वास्तव में इसका हिस्सा बनने की उम्मीद करती हूं। फैंस मुझे मैसेज भेज रहे हैं और पूछ रहे हैं कि क्या मेरा किरदार इसमें होगा और सचमुच उम्मीद है कि डायरेक्टर चाहे जो भी निर्णय ले यह एक अद्भुत जर्नी होगी।आंचल ने पुष्पा 2 में काम करने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में भी बातें शेयर की, उन्होंने कहा कि हमने तीन सींस शूट किए थे, लेकिन इसमें से दो सीन काट दिए गए। जब मैंने यह फिल्म देखी तो मुझे लगा है भगवान मेरा डायलॉग काट दिया गया, अब लोग पता नहीं कैसी प्रतिक्रिया देंगे? लेकिन मुझे जो प्यार और सराहना मिली वह सचमुच बहुत ही यादगार है। उन्होंने आगे कहा मेरा ध्यान हमेशा सीन के इंपैक्ट पर होता है और मुझे सच में विश्वास है कि यह सीन कहानी को एक इंपॉर्टेंट टर्न देता है। मुझे पुष्पा 2 का हिस्सा बनने पर गर्व है। मैं बस इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी और वह मैंने हासिल कर लिया।वी आर फैमिली, सई, धूम मचाओ धूम और बड़े अच्छे लगते हैं जैसे हिट टीवी शो के लिए जानी जाने वाली आंचल मुंजाल ने सुकुमार की पुष्पा टू द रूल से टॉलीवुड में अपना डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके छोटे से रोल को भी खूब पसंद किया, उन्होंने 18 साल पहले अपने करियर की शुरुआत की थी और पुष्पा 2 से उन्हें एक बड़ा प्लेटफार्म मिला।

टीना दत्ता ने बताया, कैसे अनुशासित जीवनशैली ने फिल्म 'पर्सनल ट्रेनर' में की मदद

अभिनेत्री टीना दत्ता अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर सीरीज 'पर्सनल ट्रेनर' सीरीज की रिलीज को लेकर उत्साहित है। अभिनेत्री ने कहा कि उनकी अनुशासित लाइफस्टाइल ने सीरीज में 'नेहा' का किरदार निभाने में मदद की। टीना दत्ता ने कहा, एक सीन है, जिसमें मैं शीर्षासन करती हूं और मुझे इसे करने पर गर्व है। स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के प्रति मेरे जुनून ने मुझे सीरीज में 'नेहा' के किरदार में प्रामाणिकता लाने में मदद की। ऐसा हमेशा नहीं होता कि आपको अपनी रुचियों को किरदार के साथ जोड़ने का मौका मिले।

शो में काम करने के अनुभव और किरदार के बारे में टीना ने कहा, नेहा एक ग्रे किरदार है और मेरे लिए किसी ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाना रोमांचक था, जिसमें खूबियां और खामियां दोनों हैं। एक होनहार किरदार को जीवंत करने के अलावा, इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना शानदार था। उन्होंने आगे बताया, उनमें से हर एक ने कुछ ना कुछ खास पेश किया, जिसने मुझे एक अभिनेता के रूप में अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। हम सबके बीच सेट पर बेहतरीन बॉन्ड था और हर सीन में दोस्ती साफ झलकती थी। मैं इस रोमांचक ड्रामा को लेकर उत्साहित हूं।

सीरीज मुंबई के जिम कल्चर के बैकग्राउंड पर बनी है। मनोरंजक कहानी महत्वाकांक्षा, प्यार और शारीरिक पूर्णता, खतरनाक खोज को पेश करती है। कहानी के केंद्र में नेहा धर्मराजन हैं, जो एक विवाहित महिला है, जिसका किरदार टीना ने निभाया है, जिसका अपने पर्सनल ट्रेनर अनीश (गुलशन नैन) के साथ अवैध संबंध रहता है और सीरीज में घटनाओं की एक खौफनाक कहानी को दिखाता है, जिसमें एक हत्या भी शामिल है।

छावा से रश्मिका मंदाना का लुक आउट महारानी येशूभाई बन छाईं साउथ हसीना

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर पीरियड ड्रामा फिल्म छावा की रिलीज डेट नजदीक आ रही है। बीते दिन फिल्म छावा से विक्की कौशल के फिल्म से तरह तरह के लुक का एक मोशन पोस्टर शेयर किया गया था। फिल्म छावा से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक सामने आया है। छावा के मेकर्स मडोक फिल्म्स ने आज रश्मिका मंदाना के अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फर्स्ट लुके पोस्टर शेयर किए हैं। मडोक फिल्म्स ने दो पोस्टर्स शेयर किए हैं, जिसमें रश्मिका येसूबाई भोसले के रोल में दिख रही हैं।रश्मिका मंदाना फिल्म छावा में छत्रपती संभाजी महाराज के पत्नी के रोल में होंगी, यह रोल विक्की कौशल निभा रहे हैं। वहीं, येसूबाई भोसले में रश्मिका के लुक की बात करें तो वह पूरे श्रृंगार के साथ इसमें दिख रही हैं। पहले तस्वीर में रश्मिका मंदाना मराठी रीति-रिवाज में पहनी जाने वाली साड़ी और हार-श्रृंगार में मुस्कुराती हुई दिख रही हैं। दूसरी तस्वीर में रश्मिका को इंटेंस लुक में देखा जा रहा है। फिल्म से रश्मिका के पोस्टर्स शेयर कर मेकर्स ने लिखा है, हर महान राजा के पीछे, एक शक्तिशाली रानी की मजबूती होती है, पेश है महारानी येशूभाई के रोल में रश्मिका मंदाना, स्वराज्य का गर्व।बता दें, फिल्म छावा आगामी 14 फरवरी को रिलीज होने जा रही है। वहीं, कल यानि 22 जनवरी को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होगा, जिसका विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लक्ष्मण उटेकर ने फिल्म छावा का निर्देशन किया है। फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान हैं और दिग्गज संगीतकार एआर रहमान ने फिल्म में संगीत दिया है।

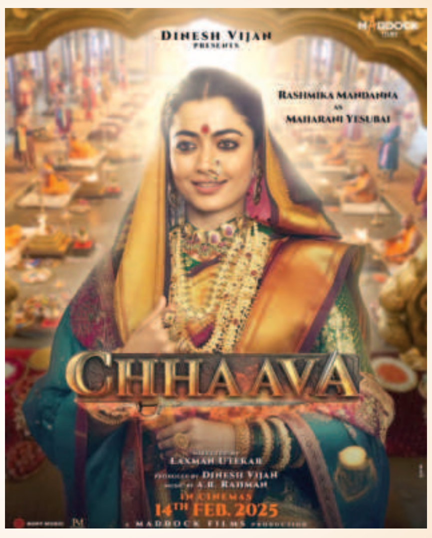

करिश्मा तन्ना ने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा

टीवी एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स से फैंस को दीवाना बना देती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं, जिसमें वो काफी ज्यादा सुंदर और स्टनिंग नजर आ रही हैं।करिश्मा तन्ना आए दिन अपनी हॉटनेस इंटरनेट का पारा हाई कर देती हैं। उनका किलर और ग्लैमरस अवतार देखकर अक्सर फैंस उनकी फोटोज पर लाइक्स करते नहीं थकते हैं।हाल ही में करिश्मा तन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ बेहद ही ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने इंडो-वेस्टर्न लुक में रेड ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बालों को वेवी स्टाइल में लुक कर के, गले में नेकलेस और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना की इन तस्वीरों पर फैंस ने जमकर लाइक्स किया है। वहीं, कुछ यूजर्स गॉर्जियस, वाओ, चार्मिंग, सो ब्यूटिफुल कॉमेंट्स कर के लिख रहे हैं।करिश्मा तन्ना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। शाम के वक्त सेहत गड़बड़ हो सकती है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप महसूस करेंगे कि आस-पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज का दिन समझ-बूझ के क़दम उठाने का है, इसलिए तब तक अपने विचार व्यक्त न करें जब तक आप उनकी सफलता के लिए आश्वस्त न हों। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

सेहत बढ़िया रहेगी। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। एक मज़ेदार शाम के लिए दोस्त आपको अपने घर पर बुलाएंगे। आपका साथी आपसे आज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षा करेगा। आप बहुत कठिन काम पूरा करने में क़ामयाब रहेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। अगर आप कार्यक्षेत्र में बेहतर करना चाहते हैं तो अपने काम में आधुनिकता लाने की कोशिश करें। इसके साथ ही नई तकनीक से अपडेटेड रहें। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताज़ा करने का दिन है। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे- और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अटके कामों के बावजूद रोमांस और बाहर घूमना-फिरना आपके दिलो-दिमाग़ पर छाया रहेगा। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे- लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक-झोंक हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कुछ रचनात्मक करने के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अगर आप परिवार के सदस्यों के साथ समय नहीं बिताएंगे, तो आप घर पर समस्याओं की उम्मीद कर सकते हैं। अपने प्रिय की पुरानी बातों को माफ़ करके आप अपनी ज़िंदगी में सुधार ला सकते हैं। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी- लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। कामकाज के सिलसिले में आपके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाभ बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। परिवार वालों का हँसी-मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। किसी की प्यार में क़ामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। साझीदारी में किसी नई परियोजना को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। इससे सभी को मुनाफ़ा होगा। लेकिन साझीदार से हाथ मिलाने से पहले भली-भांति विचार कर लें। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 23 जनवरी 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी सायं 05:40 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 05:09 तक
योग : गण्ड रात्रि 05:05 तक
करण : गर सायं 05:40 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 10:33 तक
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:06 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:16 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:40 , सूर्यास्त 06:08 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:59 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्रवण में रवि रात्रि 04:44 से , नेताजी जयंती

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर बीएसएफ का हाई अलर्ट

जोधपुर,22 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में भारत-पाकिस्तान सरहद पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का ऑपरेशन सर्द हवा गुरुवार से शुरू हो गया। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के मद्देनजर सरहद पर बीएसएफ हाई अलर्ट पर है। बीएसएफ के सभी जवान और अधिकारी 29 जनवरी तक चलने वाले ऑपरेशन सर्द हवा के तहत सरहद पर मुस्तैद रहेंगे और आधुनिक हथियारों के साथ निगरानी करेंगे।

दरअसल, सरहद पर कड़ाके की सर्दी के मौसम में किसी भी तरह की घुसपैठ व अवांछनीय गतिविधियों को रोकने के उद्देश्य से बीएसएफ ने गणतंत्र दिवस से ठीक पहले ऑपरेशन सर्द हवा के नाम से अभियान चलाता है। इस अभियान में बीएसएफ की तरफ से निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए सुरक्षा पहरा और कड़ा करने के लिए नफरी बढ़ाई जाती है। बीएसएफ डीआईजी नॉर्थ सेक्टर योगेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि सरहद पर बीएसएफ सालभर चौकस है लेकिन इन दिनों ज्यादा सतर्कता बरती जा रही है। आधुनिक हथियारों के साथ 24 घंटे सरहद पर पहरा रहेगा ताकि किसी भी तरह की अवांछनीय घटना पर तत्काल एक्शन हो सके। इस ऑपरेशन सर्द हवा के तहत सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी भी सीमा चौकियों में दिन-रात रहकर चौकसी पर नजर रखेंगे। बल के अधिकारी सीमा चौकियों पर पहुंच कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ सीमा चौकियों में रात्रि विश्राम भी करते हैं।

ऑपरेशन सर्द हवा के दौरान बीएसएफ की तरफ से अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पैदल जवानों और वाहनों के साथ रेगिस्तान के जहाज कहलाने वाले ऊंटों पर सवार होकर गश्त बढ़ाई गई है। किसी भी तरह की अवांछनीय हरकत को रोकने और सीमा पार से घुसपैठ जैसे किसी भी नापाक मंसूबे को विफल करने के लिए सुरक्षा प्रबंधों को चाक-चौबंद किया गया है। अभियान के दौरान सुरक्षा प्रहरियों को विशेष सतर्कता बरतने व हर सूचना से उच्चाधिकारियों को अवगत करवाने के दिशा-निर्देश दिए गए हैं। सीमा सुरक्षा बल के सेक्टर और बटालियन मुख्यालय से रिजर्व जाब्ते, कार्यरत अधिकारियों के साथ साजो-सामान को सीमा पर भेजा गया है।

ऑपरेशन सर्द हवा के दौरान सीमा क्षेत्र में अतिरिक्त नफरी तैनात की गई है। बटालियन और सेक्टर मुख्यालयों पर नियुक्त सीमा सुरक्षा बल के जवानों को तारबंदी की निगरानी के लिए भेजा गया है। सीमा क्षेत्र में किसी भी तरह के अंतराल को भरा गया है। सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को कई चरणों में बांटकर उसे और ठोस बनाने पर जोर दिया गया है। ऑपरेशन सर्द हवा के दौरान सीमा पर आधुनिक हथियारों और तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है। सीमा सुरक्षा प्रणाली को नए दौर की चुनौतियों से निपटने में जवानों और अधिकारियों को भी एक्सपर्ट बनाने की कोशिश की जाती है।

किसानों की समृद्धि से ही देश-प्रदेश समृद्ध

कृषकों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल

जयपुर,22 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों और पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। एक वर्ष के कार्यकाल में हमने कृषकों की आय बढ़ाने के लिए दूरगामी निर्णय किए हैं। उनका सशक्तीकरण ही विकसित राजस्थान की मजबूत नींव तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि किसानों एवं पशुपालकों से प्राप्त सुझावों को यथासंभव आगामी बजट 2025-26 में शामिल करने के प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर किसानों, पशुपालकों और डेयरी संघों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बजट पूर्व संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अन्नदाता अपनी अथक मेहनत से देश-प्रदेश को खाद्य सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं। हमारा भी दायित्व है कि किसानों का सशक्तीकरण सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र का राज्य की जीडीपी में करीब 30 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं कृषि एवं

पशुपालन से प्रदेश के करीब 85 लाख परिवारों को रोजगार मिल रहा है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने एक वर्ष के कार्यकाल में किसानों को पानी-बिजली उपलब्ध करवाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। ईआरसीपी-पीकेसी परियोजना, यमुना जल समझौता, माही डेम परियोजना एवं देवास परियोजना के माध्यम से किसानों को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से 2.24 लाख करोड़ रूपए के एमओयू हस्ताक्षरित किए गए हैं। इससे किसानों को वर्ष 2027 में दिन के समय में भी बिजली उपलब्ध हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के सहयोग से राज्य सरकार 'कर्म भूमि से मातृभूमि' अभियान चलाकर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रेन वाटर रिचार्ज इस्ट्रक्चर बनाएगी। इससे किसानों को पानी मिल सकेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि किसान नवीनतम तकनीक अपनाकर खुशहाली के मार्ग पर आगे बढ़े। इसी क्रम में राज्य सरकार प्रगतिशील किसानों को विदेशों में भेजेगी ताकि वे उन्नत कृषि तकनीकों को जाने, समझे और उपयोग कर सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों का अधिकतम उपयोग करते हुए कृषि क्षेत्र में चुनौतियों के समाधान के लिए एग्रीस्टेक का क्रियान्वयन कर रही है। इसके तहत 5 फरवरी से विभिन्न चरणों में प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में फार्म रजिस्ट्री कैंप आयोजित किए जाएंगे।

शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से लाभार्थियों को हर साल 2 हजार रुपये अतिरिक्त देकर कुल 8 हजार रुपये की राशि दी जा रही है। इस योजना के तहत राज्य के 65 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 355 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित भी की जा चुकी है। साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 2 हजार 822 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पाइप लाइन, डिग्गी, फार्म पौंड, ड्रिप संयंत्र आदि के लिए किसानों को अनुदान भी दे रही है। 2 लाख 37 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई संयंत्रों की स्थापना के लिए भी करीब 574 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को सस्ती दरों पर किराये पर कृषि यंत्र उपलब्ध करवाने के लिए राज्य में केवीएसएस और जीएसएस पर 330 कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना की है। किसानों को मृदा स्वास्थ्य की जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए साढ़े आठ लाख से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए हैं।

जयपुर संभागीय आयुक्त रश्मि गुप्ता को नई जिम्मेदारी : रेरा ऑथोरिटी में सदस्य नियुक्त

जयपुर,22 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने जयपुर की संभागीय आयुक्त रश्मि गुप्ता को एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। सरकार ने उन्हें रेरा रेगुलेशन ऑथोरिटी में सदस्य के पद पर नियुक्त किया है। यह पद 5 साल या उनकी 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले आए, तक रहेगा।

रश्मि गुप्ता का इसी वर्ष मई में रिटायरमेंट तय है। उनके वीआरएस (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति) के लिए आवेदन करने की भी संभावना है। यदि वे सेवानिवृत्ति के बाद रेरा सदस्य का पद संभालती हैं, तो यह उनका कार्यकाल तय सीमा तक रहेगा। वर्तमान में रेरा में चेयरमैन के पद पर वीनू गुप्ता कार्यरत हैं और सुधीर कुमार शर्मा सदस्य हैं। रश्मि गुप्ता की नियुक्ति के साथ रेरा के सदस्य पद का रिक्त स्थान भर दिया गया है। रेरा का उद्देश्य आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान करना है।रेरा के तहत बिल्डरों और मकान बनाने वाली एजेंसियों के खिलाफ उपभोक्ताओं की शिकायतों का निस्तारण किया जाता है। रश्मि गुप्ता के अनुभव से ऑथोरिटी को और अधिक प्रभावी तरीके से कार्य करने में सहायता मिलेगी। सरकार के इस निर्णय को प्रशासनिक सुधार और आवास क्षेत्र में पारदर्शिता लाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

राजस्थान वाणिज्यिक न्यायालय का ऐतिहासिक निर्णय

अजमेर एलीवेटेड रोड प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं जाँच के आदेश

अजमेर,22 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान वाणिज्यिक न्यायालय जयपुर द्वारा अजमेर एलीवेटेड रोड प्रोजेक्ट की निर्माण कंपनी सिम्फोनिअ एंड ग्राफ़िक के लंबित वाद में निर्णय करते हुए सरकार और ठेकेदार के बीच हुए करार व भुगतान के संदर्भ में गंभीर वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं पर एक विस्तृत और कठोर आदेश जारी किया है। यह मामला न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए सरकारी परियोजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का एक ज्वलंत उदाहरण बन चुका है।

मामले का पृष्ठभूमि : एलीवेटेड रोड प्रोजेक्ट, जिसकी आधारशिला 8 मई 2018 को रखी गई थी, राज्य के बुनियादी ढांचे को सुधारने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इस परियोजना की

अनुमानित लागत 220 करोड़ थी। लेकिन परियोजना के चार साल बाद भी, यह अधूरी और विवादों में घिरी हुई है। न्यायालय द्वारा 18 जनवरी 2025 को दिए गए आदेश में परियोजना की देरी, गुणवत्ता, और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर कई गंभीर टिप्पणियां की गईं। ठेकेदार और प्रशासनिक अधिकारियों पर दोषारोपण करते हुए अदालत ने स्पष्ट किया कि यह मामला जनता के धन के दुरुपयोग और प्रशासनिक विफलता का एक उदाहरण है।

परियोजना की शुरुआत के चार साल बाद भी, स्लिपलेन, सर्विस रोड, और अतिक्रमण हटाने जैसे कार्य अधूरे हैं। इसके बावजूद, परियोजना का उद्घाटन 5 मई 2023 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा किया गया। अदालत ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि अधूरी परियोजना का उद्घाटन न केवल प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है, बल्कि जनता को गुमराह करने का भी प्रयास है। फर्जी प्रमाणपत्र और मेजरमेंट शीट में गड़बड़ी : न्यायालय ने पाया कि ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों में गंभीर त्रुटियां थीं। 42वें रनिंग बिल में स्लिपलेन और सर्विस रोड के अधूरे कार्य को पूरा दिखाया गया था।

मुख्य सचिव सुधांश पंत का जेडीए में औचक निरीक्षण

प्रशासनिक अनुशासन और कार्य कुशलता पर विशेष फोकस

जयपुर,22 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने बुधवार को सुबह 10 बजे जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) का औचक निरीक्षण किया। अचानक पहुंचकर उन्होंने मुख्य भवन और अधिकारियों के कार्यक्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों की समयबद्धता और फाइल प्रबंधन पर जोर देते हुए कहा कि अगर अधिकारी समय पर उपस्थित हों, तो जनता के काम तेज़ी से पूरे होंगे। उनके साथ जेडीए आयुक्त आनंदी भी मौजूद रहीं।

मुख्य सचिव ने जेडीए के वर्तमान प्रोजेक्ट्स और नवाचारों की रिपोर्ट का अवलोकन किया। उन्होंने लंबित फाइलों और विकास योजनाओं की समीक्षा करते हुए आयुक्त आनंदी की प्रशंसा की। उनका कहना था कि जेडीए में फाइल निपटान की प्रक्रिया में काफी सुधार हुआ है और अब यह 10% पेंडेंसी पर है।

मुख्य सचिव ने ग्राउंड फ्लोर से निरीक्षण शुरू कर सेकेंड फ्लोर पर अधिकारियों के

कमरों का दौरा किया। इस दौरान अनुपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को समय पर आने की हिदायत दी। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री की गुड गवर्नेंस पहल के तहत समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

पंत ने कर्मचारियों की लेटलतीफी पर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने बताया कि पिछली बार जनवरी 2024 के निरीक्षण के दौरान भी कई अधिकारी समय पर उपस्थित नहीं थे। उस समय तीन वरिष्ठ अधिकारियों को एपीओ कर दिया गया था। उन्होंने अधिकारियों को जनता के कार्य समय पर निपटाने के निर्देश दिए।

डी-प्लान की राशि भी खर्च नहीं कर पाई सरकार 90 प्रतिशत राशि लैप्स की कगार पर : हुड्डा

चंडीगढ़,22 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी सिर्फ सत्ता का सुख भोगने में मशगूल है। उसे जनता और विकास कार्यों से कोई सरोकार नहीं है। यही वजह है कि डी-प्लान के तहत विकास कार्यों के लिए मिली 90% से ज्यादा राशि सरकार ने खर्च ही नहीं की। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए राज्य योजना विभाग द्वारा 400 करोड रुपए की राशि जारी की गई थी। लेकिन यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसमें से मात्र 9.20% राशि ही खर्च हुई।

महेंद्रगढ़, रोहतक और झज्जर जैसे जिलों में तो सरकार द्वारा एक भी पैसा खर्च नहीं किया गया। सिरसा में कुल खर्च राशि का सिर्फ 0.66 फीसदी और हिसार में मात्र 1.57 फ़ीसदी ही खर्च हुआ। कुल मिलाकर सरकार ने 400 करोड़ रुपए में से मात्र 36 करोड़ रुपए ही खर्च किए हैं और 90 फ़ीसदी राशि लैप्स होने की कगार पर है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि तमाम सरकारी रिपोर्ट और जनता की शिकायतें बताती हैं कि प्रदेश के सैंकड़ों सरकारी स्कूलों में चारदिवारी, शौचालय और पीने के पानी तक की व्यवस्था नहीं है। स्कूलों, अस्पतालों, सामुदायिक केंद्रों के भवन जर्जर हालत में हैं। खेल के मैदान और सार्वजनिक पार्क गंदगी और बदहाली के शिकार हैं। अलग-अलग शहरों में कई कालोनियां वाटर सप्लाई से वंचित हैं। सीवरेज व्यवस्था इस कद्र चरमराई हुई है, जिसके चलते छोटी-सी बारिश में भी शहरों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है। अगर बीजेपी चाहती तो डी-प्लान की राशि से इन तमाम समस्याओं को दूर करने का कार्य किया जा सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में गुणवत्ता पर किसी भी प्रकार से नहीं होगा समझौता : सैनी

चंडीगढ़,22 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और बिजली लागत को कम करने के लिए 290 सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर पावर प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इस परियोजना पर लगभग 36 करोड़ रुपये की लागत आएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी) में इस संबंध में मंजूरी प्रदान की गई है।

उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी), विभागीय उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (डीएचपीपीसी) तथा हाई पॉवर्ड वर्क्स परचेज कमेटी (एचपीडब्ल्यूपीसी) की बैठक में कुल 804 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट तथा विभिन्न वस्तुओं की खरीद को मंजूरी दी गई। बैठक में विभिन्न बोलीदाताओं से नेगोसिएशन के बाद दरें तय करके लगभग 30 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की गई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को तीव्र गति से क्रियान्वित किया जा रहा है। इसका

उद्देश्य घरों की छत पर 2 किलोवाट तक का सोलर पैनल लगाकर लोगों को सस्ती बिजली मुहैया कराना है। जितनी उपभोक्ता की आवश्यकता होगी, वो उतनी बिजली उपयोग करेगा तथा शेष बिजली ग्रिड को बेचेगा। इस योजना के तहत केंद्र सरकार 60 हजार रुपये तथा हरियाणा सरकार अपनी तरफ से 50 हजार रुपए की सब्सिडी दे रही है। इसलिए अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ अवश्य उठाएं।

बैठक में गुरुग्राम जिला में बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर लिगेसी वेस्ट के पूर्ण रूप से निस्तारण करने के लिए एजेंसी को फाइनल किया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी 4 माह में बंधवाड़ी से कचरे का पूरी तरह से निस्तारण होना चाहिए। ऐसा न होने पर संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी और जुर्माना लगाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में सभी शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कहीं पर भी कचरे के ढेर नहीं दिखाई दिए जाने चाहिएं। बैठक में सीवरेज की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सुपर सकर मशीनों की खरीद को भी मंजूरी दी गई। इस पर लगभग 13 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि सीवरेज सफाई हेतु एडवांस तकनीक का भी अध्ययन किया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में गुणवत्ता पर किसी भी प्रकार से समझौता नहीं किया जाएगा। हर कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। क्वॉलिटी एश्योरेंस अथॉरिटी को भी इसमें जोड़ा जाए ताकि वो प्रोजेक्ट्स की क्वॉलिटी जांच कर सके।

ईडी का नालंदा में बड़ा ऑपरेशन कई ठिकानों पर की छापामारी

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में रेलवे क्लेम घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। इस बहुचर्चित घोटाले में करोड़ों रुपये की हेराफेरी का आरोप है। मंगलवार तड़के सुबह ईडी ने नालंदा जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र के मुजफ्फरा गांव में परमानंद सिन्हा के घर छापामारी की। परमानंद सिन्हा इस मामले में एक महत्वपूर्ण कड़ी माने जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम सुबह पांच बजे दो गाड़ियों में सवार होकर मुजफ्फरा गांव पहुंची। करीब एक दर्जन अधिकारियों की यह टीम पिछले 10 घंटे से जांच में जुटी है। दरअसल, परमानंद सिन्हा जेडीयू नेता और जिला परिषद सदस्य अर्चना सिन्हा के पति हैं। उनका

इस घोटाले में गहरा संबंध होने का संदेह है। छापामारी के दौरान ईडी ने उनके घर से कई अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं।

इस घोटाले की जड़ें सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं हैं। ईडी की टीमें बिहार के पटना और नालंदा के अलावा कर्नाटक के मैंगलुरु में भी छापामारी कर रही हैं। इस मामले में कई जुडिशियल अधिकारी, वकील और सरकारी कर्मचारियों की संदिग्ध भूमिका की जांच की जा रही है।

यह घोटाला पहली बार सीबीआई की जांच में सामने आया था। सीबीआई ने पाया कि रेलवे कर्मचारियों के नाम पर फर्जी दावे दायर करके मुआवजे के तौर पर करोड़ों रुपये की हेराफेरी की गई थी। इन दावों में कहा जाता था कि कर्मचारी किसी दुर्घटना या बीमारी का शिकार हुए हैं और उन्हें मुआवजा मिलना चाहिए। फर्जी दस्तावेजों और सांठगांठ के जरिए यह रकम हड़पी गई।

परमानंद सिन्हा का नाम घोटाले में प्रमुखता से सामने आया है। उनके बड़े भाई विद्यानंद सिंह उर्फ विवेक सिंह पेशे से वकील हैं और कथित तौर पर रेलवे क्लेम से जुड़े मामलों को देखते हैं। आरोप है कि वे घोटाले में लोगों को फर्जी क्लेम दिलाने में मदद करते थे। सूत्रों के मुताबिक, ईडी की जांच इस बात पर केंद्रित है कि कैसे फर्जी दस्तावेजों के जरिए मुआवजे की राशि निकाली गई और इन पैसों का इस्तेमाल कहां हुआ।

इस कार्रवाई पर विपक्ष ने बिहार सरकार पर निशाना साधा है। राजद और भाजपा के नेताओं ने आरोप लगाया है कि जदयू से जुड़े नेताओं के संरक्षण में यह घोटाला फल-फूल रहा था। हालांकि, जदयू नेताओं ने इन आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है। रेलवे क्लेम घोटाले में आरोप है कि फर्जी दस्तावेजों और दावों के जरिए करीब 100 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई। रेलवे के नियमों के तहत दुर्घटना या बीमारी के कारण मुआवजा दिया जाता है। लेकिन इस घोटाले में नियमों की अनदेखी कर, फर्जीवाड़े के जरिए राशि निकाली गई। ईडी के अधिकारियों ने छापामारी को लेकर आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि जांच के दौरान घोटाले से जुड़े कई ठोस सबूत हाथ लगे हैं। यह कार्रवाई आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है।

पटना की मशहूर मिठाई दुकानों पर पहुंची इनकम टैक्स की टीम

एक बिल्डर ठिकाने पर भी छापेमारी

पटना (एजेंसियां)।

पटना में इनकम टैक्स अधिकारियों ने मशहूर मिठाई दुकान हरिलाल और एक बिल्डर के ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई की है। इनकम टैक्स विभाग की टीम ने हरिलाल वेंचर प्राइवेट लिमिटेड की मिठाई दुकानों और अंशुल होम्स के ठिकानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई टैक्स चोरी से जुड़े मामले को लेकर की गई है। इनकम टैक्स के अधिकारी अभी भी जांच में जुटे हुए हैं और कई आपतिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं।

इनकम टैक्स की टीम एसके पुरी थाना अंतर्गत सहदेव मार्ग स्थित दुकान और बिस्कोमान स्थित हरिलाल की दुकान पर पहुंची है। इसके अलावा आवास

और अन्य दुकानों पर आयकर की टीम पहुंची है। इस दुकान में आ रहे ग्राहकों को भी अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है।

साथ ही दुकान में काम करने वाले लोग हो या आवास में रहने वाले उनके परिवार को भी बाहर जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है।

वही पूरे आवास सहित दुकानों को बैरिकेडिंग कर पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

बताया जा रहा है कि हरिलाल के नाम से पटना में कई दुकानें है।इनकम टैक्स की टीम को हरिलाल ग्रुप ने करोड़ों रुपये की टैक्स की हेराफेरी की जानकारी मिली थी। इनकम टैक्स अधिकारियों ने जांच के दौरान रजिस्टर, कैश मेमो, रशीद सहित मोबाइल को जब्त कर जांच कर रहे है।

आपको बता दे कि इससे पहले भी हरी लाल ग्रुप के कई ठिकानों पर इनकम टैक्स की कीविभाग ने छापेमारी की थी। उस दौरान उनके घर सहित 9 ठिकानों पर आकर विभाग ने छापेमारी की थी।

बिहार में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की परेशानी बढ़ी

एनएमसीएच के छात्र और डायल 102 के स्टाफ हड़ताल पर

पटना (एजेंसियां)।

पटना के सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए जाने वाले मरीजों को परेशानी हो रही है। इसके दो-दो कारण हैं। पहला यह है कि नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मेडिकल स्टूडेंट का हड़ताल पर चले गए हैं। एनएमसीएच में इंटर्नशिप कर रहे स्टूडेंट स्टाइपेंड की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरा यह है कि डायल 102 के एंबुलेंस के कर्मी भी हड़ताल पर चले गए हैं। इनका कहना है कि नई एजेंसी के प्रति एंबुलेंस कर्मचारियें का कई बिंदुओं पर संशय बना हुआ है। एजेंसी इनका समाधान करने के बजाय मनचाहे ढंग से नियमों को जबरन लागू कर रही है। इसका समाधान किया जाए।

मंगलवार को एनएमसीएच के मेडिकल स्टूडेंट हड़ताल पर चले गए। छात्र-छात्राओं ने अस्पताल परिसर में जमकर प्रदर्शन किया। कुछ देर के लिए रजिस्ट्रेशन काउंटर को बंद

करवा दिया और ओपीडी भी बाधित कर दिया। मेडिकल स्टूडेंट की मांग है कि अस्प-ताल प्रबंधन फंड नहीं आने की बात कह स्टाइपेंड नहीं दे रहे। जुलाई 2024 से वह स्टाइपेंड की मांग कर रही है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसलिए हमलोगों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का एलान किया है। बुधवार सुबह से ही एंबुलेंसकर्मी गर्दनीबाग धरनास्थल पर बैठे हुए हैं। बिहार एंबुलेंस महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद मुस्लिम आदि नेताओं ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती है, तब तक धरना प्रदर्शन करते रहेंगे। एबुलेंसकर्मियों को अनुचित तरीके से ट्रांसफर कर बिना कारण नौकरी से हटा दिया जाता है। यह अन्याय है। सरकार को हमलोगों के साथ न्याय करना होगा।

दिल्ली मोड़ बस स्टैंड में देर रात लगी भीषण आग, धू-धू कर जल गईं पांच बसें

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा जिले के दिल्ली मोड़ बस स्टैंड में रविवार देर रात भीषण आग लग गई, जिससे पूरे बस स्टैंड में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में खड़ी हुई पांच बसें पूरी तरह जल गईं। आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन विभाग की 12-13 गाड़ियों ने करीब पांच घंटे तक कड़ी मशक्कत की।

चश्मदीदों के अनुसार, रात करीब दो बजे बस स्टैंड पर खड़ी एक बस में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई। शुरू में स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते आग ने पास में खड़ी अन्य चार बसों को अपनी चपेट में ले लिया।

जानकारी के मुताबिक, जब

आग फैली, तो बस स्टैंड में मौजूद अन्य बस चालकों ने तत्परता दिखाते हुए साइड में खड़ी कई बसों को तुरंत स्टैंड से हटाकर सड़क पर सुरक्षित जगह पहुंचाया। हालांकि, आग की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि पांच बसें बचाई नहीं जा सकीं।

स्थानीय लोगों की सूचना पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। विभाग की करीब 12-13 दमकल गाड़ियों ने पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक पांच बसें पूरी तरह से जल चुकी थीं।

सदर थानाध्यक्ष अमृत कुमार साह ने बताया कि उन्हें रात में बस स्टैंड में आग लगने की सूचना मिली थी। पहले केवल एक बस में आग लगने की जानकारी दी गई थी, लेकिन आग तेजी से फैलकर पांच बसों को अपनी चपेट में ले गई। थानाध्यक्ष ने कहा कि फिलहाल घटना की जांच की जा रही है। प्राथमिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। बस स्टैंड के पास के क्षेत्र की सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा के इंतजामों की समीक्षा की जाएगी।

घटना के बाद स्थानीय लोगों और बस चालकों ने प्रशासन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड पर आग बुझाने के इंतजाम बेहद खराब हैं। अगर प्राथमिक स्तर पर ही आग बुझाने के उपकरण मौजूद होते, तो शायद इस बड़े नुकसान से बचा जा सकता था। वहीं, पांच बसों के जलने से करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। बस मालिकों का कहना है कि आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन को ठोस कदम उठाने होंगे।

बिहार के 14 जिलों में यलो अलर्ट जारी सर्द पछुआ हवा ने बढ़ाई ठिठुरन

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सर्द पछुआ हवा ने ठिठुरन बढ़ा दी है। बढ़ते ठंड को देखते हुए फिर से पटना समेत कुछ जिलों में आठवीं कक्षा तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बुधवार दिन की शुरुआत घने कोहरे से हुई। मौसम विभाग ने 14 जिलों में घने कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है। पटना, पूर्णिया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया, भागलपुर, मुंगेर समेत कई जिलों में धूप नहीं निकली है। लगभग पूरे बिहार ने घने कोहरे की चादर ओढ़ ली है। आज भी ज्यादातर इलाकों में दृश्यता 50 मीटर से कम हो गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, सहरसा, मधेपुरा, दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज और कटिहार जिले में घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है। मौसम वैज्ञानिक का कहना है कि 22 जनवरी एक पश्चिमी विक्षोभ आने वाला है। इससे ठंड और बढ़ सकती है। दो दिनों तक पटना समेत कई इलाकों में अहले सुबह घना कोहरा छाया रहेगा। ठंड से भी राहत मिलने की संभावना नहीं है। 24 जनवरी के बाद न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। लोगों से अपील है कि वो ठंड को लेकर सावधानी बरतें।

इधर, पटना समेत कई जिलों में घना कोहरा छाया है। शीतलहर और घने कोहरे के कारण सड़क यातायात से लेकर ट्रेन व विमान सेवाएं तक बुरी तरह प्रभावित हुई है। घने कोहरे की वजह से पटना एयरपोर्ट पर 50 मीटर से कम विजिबिलिटी हो गई है। इस कारण विमानों के परिचालन पर असर पड़ा है। मंगलवार रात को दिल्ली से पटना आने वाली इंडिगो 6ए5008 की फ्लाइट घने कोहरे के कारण लैंड नहीं कर पायी। इसे डायवर्ट कर दिया गया। इसके अलावा मुंबई और बेंगलुरु की फ्लाइट पर भी असर दिखा। वही कई अन्य ट्रेन भी लेट हैं। मौसम इस मौसम को देखते हुए लोगों से आग्रह है कि वे सतर्क और सावधान रहें। यदि आप यात्रा कर रहे है तो वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें। दृश्यता की कमी के कारण वायुयान परिचालन प्रभावित हो सकती है।

पटना, नालंदा समेत तीन शहरों में ईडी की छापेमारी रेलवे क्लेम घोटाले में शामिल लोगों पर एक्शन

पटना (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने रेलवे क्लेम घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। पटना, नालंदा और बेंगलुरु में कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। ईडी के इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। ईडी की अलग-अलग टीम पटना में तीन, नालंदा में एक और बेंगलुरु में एक जगह पर छापेमारी कर रही है। सूत्रों की मानें तो छापेमारी में ईडी को कई महत्व-पूर्ण दस्तावेज हाथ लगे हैं। ईडी की टीम मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की भी जांच जारी है।

बताया जा रहा है कि रेलवे कर्मचारियों के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए 100 करोड़ रुपये की हेराफरी की गई थी। इसमें रेलवे के न्यायिक अधिकारी, वकील और सरकारी

कर्मचारियों की भूमिका की बात सामने आई थी। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। तत्कालीन न्यायमूर्ति रंजन गोगोई और तत्कालीन न्यायमूर्ति यूयू. ललित की पीठ के निर्देश पर सीबीआई की ओर से केस दर्ज किया गया था। इसके बाद इस मामले में रेलवे न्यायिक अधिकारी आरके मित्तल को पहले ही बर्खास्त किया जा चुका है। अब ईडी की टीम आरके मित्तल और उनके वकील बीएन सिंह के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

फाइल नहीं सौंपने पर 104 पुलिस अधिकारियों का वेतन रोका, 990 मामलों की जांच प्रभावित

मोतिहारी एजेंसियां)।

बिहार पुलिस ने मोतिहारी जिले में तबादले के बाद अपने स्थान पर आने वाले अधिकारियों को मामलों की फाइल नहीं सौंपने पर 104 पुलिस अधिकारियों का वेतन रोक दिया गया है। अधिकारियों के इस बर्ताव से 990 मामलों की जांच प्रभावित हुई है।

पूर्वी चंपारण पुलिस की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, पुलिस अधीक्षक की ओर से सोमवार को लंबित मामलों की समीक्षा बैठक की गई। इस दौरान पता चला कि 104 अधिकारियों ने तबादलों के बाद भी अपने स्थान पर आने वाले अधिकारियों को केस फाइलें नहीं सौंपी हैं, जिससे 990 मामलों की जांच प्रभावित हुई है।

इसके बाद एसपी ने सभी पुलिस अधिकारियों का वेतन रोकने का आदेश देते हुए 24 घंटे के अंदर उन्हें संबंधित अधिकारियों को सारी फाइलें सौंपने का आदेश दिया। बता दें कि मोतिहारी पूर्वी चंपारण जिले का मुख्यालय है।

इससे पहले, इसी तरह का मामला गोपालगंज जिले में आया था। जहां 53 अधिकारियों ने तबादलों के बाद भी केस फाइलें नहीं सौंपी थीं। इस मामले में सभी अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, रिश्तेदार के साथ बहन के घर जा रहा था नीतेश, कोहरे के कारण ऐसा हुआ

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के महुआ थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। यह घटना महुआ मंगरू चौक से अब्दुलपुर जाने वाली सड़क पर महुआ सदापुर स्थित कुटिया के पास हुई। मृतकों की पहचान परमानंदपुर बनारसीपुर निवासी लक्ष्मी सिंह के पुत्र नीतेश कुमार और नेपाल के मोरङग जिले के रगेली निवासी शंकर सरदार के पुत्र सुनील सरदार के रूप में हुई।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज

दिया। पुलिस का कहना है कि सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। मामले की जांच चल ही है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। इधर, इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम छाया हुआ है और परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है।

परिजनों का कहना है कि मंगलवार देर रात नीतेश रिश्तेदार के साथ अपनी बहन के घर जा रहा था, लेकिन कुहासे के कारण उसकी बाइक सड़क किनारे चारदीवारी से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर भारी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और स्थानीय थाने की पुलिस ने घटना की जानकारी दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com